रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित * * रांची, शुक्रवार 05 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 87 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

विश्व विजेताओं का भव्य स्वागत

मुंबई। वानखेड़े स्टेडियम में कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ने जब विजेता ट्राफी ऊपर उठाई तो मौजूद फैंस खुशी से उछल पड़े. टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम के स्वागत के लिए स्टेडियम में मौजूद हजारों लोगों ने अपने पसंदीदा क्रिकेटरों के लिए जम कर नारेबाजी की. इससे पहले विक्ट्री परेड में गुरुवार को यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे दक्षिण मुंबई का यातायात पूरी तरह से ठप्प हो गया. पूर्व कार्यक्रम से अनुसार विजय जुलूस नरीमन पॉइंट में नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स से शाम पांच बजे शुरू होकर वानखेड़े स्टेडियम में शाम सात बजे समाप्त होना था. लेकिन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम नई दिल्ली से देर से यहां पहुंची, जिससे परेड 7.30 बजे शुरू हो पाई. इस विजय जुलूस का साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मरीन ड्राइव पर पहुंच गए.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,100
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

हाथरस कांड में छह लोग गिरफ्तार

हाथरस (उप्र)। उत्तर प्रदेश के हाथरस भगदड़ कांड के सिलसिले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी तथा सेवादार पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया है. पुलिस ने इसकी जानकारी दी. -पेज 12 भी देखें

नीट-यूजी परीक्षा रद्द न करने की अपील

नयी दिल्ली। नीट-यूजी में सफल हुए गुजरात के 50 से अधिक परीक्षार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र व एनटीए को पांच मई को हुई परीक्षा रद्द नहीं करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है. सुप्रीम कोर्ट इस मामले की आठ जुलाई को सुनवाई करेगा. - पेज 12 भी देखें

बिहार में 15 दिन के भीतर गिरा 10 वां पुल

पटना। बिहार में गुरुवार को पुल गिरने की एक और घटना सामने आई है. राज्य में पिछले एक पखवाड़े में पुल ढहने की यह 10वीं घटना है. जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. -पेज 11 भी देखें

राजस्थान के कृषि मंत्री ने इस्तीफा दिया

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने राज्य में लोकसभा चुनावों में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है. हालांकि उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया है और उन्हें दिल्ली बुलाया गया है.

अस्पताल से दी गई आडवाणी को छुट्टी

नयी दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को गुरुवार शाम यहां अपोलो अस्पताल से छुट्टी मिल गयी. उन्हें दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

सेंसेक्स पहली बार 80,000 के पार

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 63 अंक चढ़ कर नए शिखर 80,000 अंक के ऊपर बंद हुआ. एनएसई निफ्टी भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा. बता दें कि कई दिनों से शेयर बाजार काफी ऊपर चल रहा है.

मां, पिता, पत्नी और भाई की मौजूदगी में राज्यपाल ने दिलाई सीएम पद की शपथ, संभाला पदभार

हेमंत 3.0

राज्य के 13वें सीएम बने हेमंत सोरेन, 8 जुलाई को फ्लोर टेस्ट के बाद कैबिनेट विस्तार

कौशल आनंद। रांची

मां रूपी सोरेन, पिता पूर्व सीएम शिबू सोरेन, पत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन और भाई बंसत सोरेन की मौजूदगी में हेमंत सोरेन ने गुरुवार को झारखंड के 13 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया. उन्हें राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहले फ्लोर टेस्ट करके विश्वास मत हासिल करेंगे, इसके बाद अपनी कैबिनेट का विस्तार करेंगे. पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को भी जल्द ही कोई बड़ा पद दिया जा सकता है.

शपथ समारोह में पूर्व सीएम चंपाई सोरेन, पूर्व मंत्री हफीजुल हसन, मिथिलेश ठाकुर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, बंधु तिर्की, बेबी देवी, सत्यानंद भोक्ता सुखदेव भगत, माले विधायक विनोद सिंह, सांसद महुआ माजी, विधायक शिल्पी तिर्की, दीपिका सिंह पांडेय, सविता महतो, सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडेय सहित कई नेता मौजूद थे. इसके अलावा राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, मुख्य सचिव एल खिंग्याते, मंत्रिमंडल सचिवालय प्रधान सचिव वंदना डादेल और डीजीपी अजय कुमार सिंह समेत तमाम वरीय अधिकारी भी मौजूद थे. राजभवन के बाहर भी बड़ी संख्या में झामुमो के कार्यकर्ता मौजूद रहे.

गुरुजी को राज्यपाल ने बुके देकर किया स्वागत : झामुमो प्रमुख और पूर्व सीएम शिबू सोरेन का स्वागत राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गुलदस्ता देकर किया. राज्यपाल ने गुरुजी का अभिवावन करके उन्हें सम्मान दिया. इस मौके पर गुरुजी शिबू सोरेन काफी खुश नजर आए.

8 को सीएम ने बुलाया विशेष सत्र, पहले विश्वास मत, फिर कैबिनेट विस्तार

मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करते ही हेमंत सोरेन एक्टिव हो गए हैं. उन्होंने गुरुवार शाम को कैबिनेट की बैठक की. बैठक में उन्होंने आठ जुलाई को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का फैसला किया. इस सत्र के दौरान हेमंत सोरेन सबसे पहले अपनी सरकार विश्वास मत हासिल करेंगे. मिली जानकारी के अनुसार हेमंत सोरेन अब विश्वास मत प्राप्त करने के बाद अपने कैबिनेट का विस्तार करेंगे. कैबिनेट में कोई बड़ा उलटफेर की होने की संभावना कम ही है. माना जा रहा है कि अधिकांश मंत्री पुराने ही होंगे.

हेमंत रिटर्न्स: राजभवन में गुरुवार की शाम राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाते हुए.

अविनाश बने सीएम के प्रधान मुख्य सचिव

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के अपर प्रधान सचिव रहे अविनाश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का अपर प्रधान मुख्य सचिव बनाया गया है. इसके अतिरिक्त अविनाश कुमार विकास आयुक्त, ऊर्जा विभाग के प्रधान मुख्य सचिव और जेबीवीएनएल के एमडी के पद पर बने रहेंगे. इसको लेकर कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है. इधर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पदभार ग्रहण करने के बाद पूर्व मंत्री हफीजुल हसन, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक कल्पना सोरेन, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सहित कई लोगों ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया.

- विकास आयुक्त, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव और जेबीवीएनएल के एमडी बने रहेंगे

हेमंत सोरेन का कार्यकाल

पहला कार्यकाल	दूसरा कार्यकाल
13 जुलाई 2013 से 23 दिसंबर 2014 तक	29 दिसंबर 2019 से 31 जनवरी 2024 तक

तीसरा कार्यकाल : 4 जुलाई 2024 से शुरू

शपथ ग्रहण के बाद सिदो-कान्हू व भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

शपथ लेने के तुरंत बाद हेमंत सोरेन मोरहाबादी स्थित सिद्धो-कान्हू पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने शहीद वीर सिदो-कान्हू को नमन किया. इस मौके पर उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, मिथिलेश ठाकुर और राजेश ठाकुर मौजूद रहे. इसके बाद सोरेन सीधे प्रोजेक्ट भवन के लिए निकल गए. इस दौरान उन्होंने बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया. इसके बाद हेमंत सीधे प्रोजेक्ट भवन पहुंचे. जहां उन्होंने मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण कर लिया. उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने उनका गुलदस्ता देकर स्वागत किया. उधर, हेमंत सोरेन के तीसरी बार सीएम पद संभालते ही झामुमो कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने समेत कई स्थानों पर पटाखे फोड़ कर जश्न मनाया.

शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री का पदभार संभालते हेमंत.

क्या है विधानसभा का अंकगणित

सत्ता पक्ष		विपक्ष	
झामुमो	27	भाजपा	24
कांग्रेस	17	आजसू	03
राजद	01	निर्दल	03
माले	01	कुल	30
कुल	46		

वर्तमान में विधायकों की संख्या -76 क्योंकि... झामुमो के नलिन सोरेन, जोबा मांझी सांसद बने. सीता सोरेन ने इस्तीफा दिया. भाजपा के ढुल्लू महतो, मनीष जायसवाल भी सांसद बने.

शपथ से पहले पिता का आशीर्वाद लेते हेमंत सोरेन.

हर अन्याय को पता है कि एक दिन उसे न्याय परास्त करेगा

हेमंत सोरेन ने शपथ ग्रहण करने से पूर्व एक्स पर करीब 5 मिनट का एक वीडियो संदेश पोस्ट किया. इस संदेश में उन्होंने कहा कि विरोधियों ने उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा. वे अपने षड्यंत्र में कामयाब भी हुए. पांच महीने तक इन लोगों ने मुझे अलग-अलग तरीके से लंबे समय तक जेल में रखने का प्रयास किया. हमने भी कानूनी लड़ाई का रास्ता चुना. सड़कों पर आपने हमें भरपूर सहयोग दिया. अंततः न्याय के आदेश के अनुरूप और न्यायालय ने मुझे पाक-साफ करार देते हुए बरी किया. हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि आज मैं पुनः आपके सामने हूं. 2019 में आप सब लोगों ने मुझे राज्य को एक नई दिशा देने के लिए, आपकी सेवा करने का मौका दिया था. लेकिन, षड्यंत्रकारियों को यह पचा नहीं कि एक आदिवासी नौजवान इतने ऊंचे पद पर रहे. अंततः 31 जनवरी को इन लोगों ने बेबुनियाद आरोपों पर, झूठे मुकदमे बनाकर मुझे मुख्यमंत्री के पद से हटने के लिए मजबूर कर दिया.

अब विधानसभा चुनाव पर नजर

विधानसभा चुनाव 2019 में मिली जीत के बाद करीब चार सालों तक हेमंत सोरेन ने राज्य की बागडोर संभाली. इसके बाद ईडी की पड़ताल और जमीन घोटाला मामले में जेल जाने के बाद 31 जनवरी 2024 को हेमंत ने इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद 2 फरवरी को झामुमो लीडर और मंत्री चंपाई सोरेन को सीएम बनाया गया. इसके बाद जून के आखिर में झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत को जमानत दे दी. इसके बाद से ही यह अटकलें तेज थीं कि हेमंत सोरेन ही फिर से राज्य की कमान संभालेंगे. अंततः बुधवार को राजभवन जाकर चंपाई सोरेन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया और हेमंत ने 44 से अधिक विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल को सौंपते हुए सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने की अपील की. इसके बाद गुरुवार को राज्यपाल ने हेमंत को शपथ ग्रहण के लिए बुलाया. हेमंत सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं का मानना है कि साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में गठबंधन की सफलता के लिए हेमंत ही सरकार का नेतृत्व करें. वे चंपाई की तुलना में ज्यादा प्रभावी और आक्रामक तरीके से चुनावी मैदान में परफॉर्म कर सकते हैं. भाजपा के खिलाफ जनसमर्थन लेने में हेमंत ज्यादा कारगर साबित होंगे.

तुम मियां टेढ़े तो हम तुमसे डेढ़े

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

मतदाताओं ने जो फैसला सुनाया है, उसे मुकम्मल तौर पर न विपक्ष मानने को तैयार है, न सत्ता पक्ष. विपक्ष को भ्रम है कि जनादेश उसके पक्ष में है तो सत्ता पक्ष अब भी चार सौ पार के गुमान में है. सत्ता पक्ष चढ़ा हुआ है तो विपक्ष अड़ा हुआ है. लेकिन विपक्ष पता नहीं क्यों कुछ रणनीतिक गलतियां कर रहा है. इसकी शुरुआत प्रोटेम स्पीकर से हुई. विपक्ष का हल्ला गैरजरूरी था. अंग्रेजों की जिस प्रणाली को हमने बहुत हद तक अंगीकार किया है, उसमें बिना ब्रेक के सबसे अधिक बार चुना गया सांसद ही प्रोटेम स्पीकर होता है. इसलिए भतृहरि महताब का चयन सर्वथा उचित था. फिर यह पद महज दो दिन के लिए होता है. इसके लिए विरोध के कर्कश स्वर की जरूरत नहीं थी. इसके बाद जब लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव की बारी आई, तो भी विपक्ष अड़ंगेबाजी पर उतारू हो गया. वह भूल गया कि अध्यक्ष तो सत्ता पक्ष खासतौर से भाजपा का ही होगा. विपक्ष ने पहले टीडीपी, जदयू पर डोरे डाले कि वह अपना प्रत्याशी उतारे तो समर्थन मिलेगा. ऐसा न होनेवाला था, न हुआ. उल्टे भाजपा ने ओम बिरला को मैदान में उतार कर विपक्ष को चिढ़ा दिया क्योंकि उन्होंने अपनी पहली पारी में विपक्ष की एक नहीं चलने दी थी और हंगामे पर उतारू विपक्षी सांसदों को निलंबित भी कर दिया था.

विपक्ष ने एक और दांव चला. उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दीजिए और आम राय से अपना अध्यक्ष चुन लीजिए. लेकिन सत्ता पक्ष ने यह शर्त मानने से इनकार कर विपक्ष को एक तरह से चुनौती दे डाली. इससे विपक्ष खासतौर से कांग्रेस तिलमिला गयी. उसने बिरला के सामने के सुरेश को उतार दिया, अपने गंठबंधन के साथियों से विमर्श किये बगैर. लेकिन जब सदन में वोटिंग का समय आया तो कांग्रेस ने मतविभाजन मांगा ही नहीं. फलस्वरूप बिरला ध्वनिमत से जीत गये. इससे विपक्ष की किरकिरी हुई. लेकिन कांग्रेस के रणनीतिकार जयराम रमेश का कहना था कि मत विभाजन नहीं कराने का निर्णय रात को ही हो गया था. सवाल यह है कि इस निर्णय की जानकारी टीएमसी को क्यों नहीं दी गयी जिसके नेता अभिषेक बनर्जी सदन में मतविभाजन की मांग कर रहे थे ? उनकी मांग इसलिए नहीं मानी गयी, क्योंकि वह प्रस्तावक नहीं थे और प्रस्तावकों ने जोर ही नहीं दिया.

सवाल यह भी है कि यदि कांग्रेस ने पहले ही मतविभाजन से दूर रहने का फैसला ले लिया था, तो सदन की कार्यवाही प्रारंभ होते ही उसने अपने प्रत्याशी का नाम वापस क्यों नहीं ले लिया ? खैर, मजा तो तब आया जब अध्यक्ष की कुर्सी संभालते ही ओम बिरला ने आपातकाल पर निंदा प्रस्ताव पेश कर दिया. यह सत्ता पक्ष की सोची समझी चाल थी. पूरे चुनाव में संविधान को मुद्दा बनाया गया था, इसलिए सरकार ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर सदन में प्रवेश करने और सदस्यता ग्रहण करनेवाले विपक्षी सांसदों को सकते में डाल दिया. यह अचानक और अचूक हमला था. इससे कांग्रेस सन्न रह गयी. उसके सहयोगी सपा, डीएमके, टीएमसी इस प्रस्ताव के पक्ष में खड़े हो गये और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बैठे-बैठे उन्हें निहारते रहे. -शेष पेज 7 पर

अचानक मजदूरों के बीच पहुंचे राहुल गांधी

चलाया फावड़ा, चिनाई की, कहा- आप को हक और सम्मान दिलाना जिंदगी का मकसद

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को दिल्ली के जीटीबी नगर पहुंचे. उन्होंने वहां दिहाड़ी मजदूरों से मुलाकात की. उनकी दिक्कतें पूछीं. जाना कि वे क्या काम करते हैं. मटीरियल कहां से लाते हैं. इसके बाद वे किंग्सवे कैंप गए. जहां श्रमिकों से चर्चा की. उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया. राहुल मजदूरों के साथ फावड़े से मसाला बनाते हुए और चिनाई करते हुए दिखे. कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल से तस्वीरें साझा की गई हैं.

वीडियो में राहुल के पास काफी लोग जमा नजर आ रहे हैं. वो मजदूरों के बीच में बैठे हैं और उनसे सवाल-जवाब कर रहे हैं. कांग्रेस ने लिखा, नेता विपक्ष ने श्रमिकों से मिल कर उनकी समस्याएं सुनीं. कहा- ये अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं. इनका जीवन सरल और भविष्य सुरक्षित करना हमारी जिम्मेवारी है. राहुल ने कहा, मजदूरों को सम्मान दिलाना ही मेरी जिंदगी का मकसद है.

नयी दिल्ली में मजदूरों के साथ मसाला बनाते राहुल गांधी.

हेमंत की तीसरी शपथ : शहीदों को किया नमन सीएम हेमंत सोरेन ने तीसरी बार शपथ लेने के बाद घर पर कल्पना संग हनुमान जी की आरती उतारी, भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया. वहीं राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह में दिशोम गुरु शिबू सोरेन से मिलते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन.

पति-पत्नी विपक्ष के सवालों को डिफेंड करते आएंगे नजर, देंगे सवालों का जवाब

सदन के अंदर दिखेगा नया नजारा

रवि भारती। रांची

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र में इस बार सदन के अंदर बदला सा नजारा दिखेगा. चार सीटें खाली भी नजर आएंगी. वहीं पहली बार सदन के अंदर पति पत्नी की जोड़ी भी नजर आएगी. वे विपक्ष के सवालों को डिफेंड करते नजर आएंगे. हेमंत सोरेन तीसरी बार झारखंड के सीएम बनेंगे. उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की है. इससे पहले अलग-अलग टर्म में भले ही मधु कोड़ा और गीता कोड़ा सदन में रहे लेकिन एक साथ सदन में नहीं आए. वहीं देवर भाभी के रिश्ते भी सदन के अंदर दिखेंगे.

चार सीटें खाली भी नजर आएंगी : : हजारीबाग, धनबाद, मनोहरपुर और शिकारीपाड़ा के विधायक अब सांसद में प्रमोट हो गये हैं. इस कारण मनीष जायसवाल, ढुल्लू महतो, जोबा मांझी और नलिन सोरेन सदन के अंदर नजर नहीं आएंगे. वहीं बागी और दूसरे दलों से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले विधायकों के बैठने की व्यवस्था का भी दिलचस्प नजारा सदन के अंदर दिखेगा. झामुमो के बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम और विशुनपुर से झामुमो विधायक चमरा लिंडा भी सत्ता पक्ष की ओर बैठे नजर आएंगे. इसकी वजह यह है कि सभी को अपने-अपने दल की ओर से जारी ह्विप का पालन करना ही होगा. पार्टी स्तर से जारी ह्विप का पालन संवैधानिक बाध्यता होगी.

चार सीटें खाली भी नजर आएंगी, जेपी पटेल की रहेंगे ऊहापोह की स्थिति में

सबसे दिलचस्प नजारा विधायक जेपी पटेल के मामले में दिखेगा : सबसे दिलचस्प नजारा विधायक जेपी पटेल के मामले में दिखेगा. उन्होंने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा छोड़ कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी और हजारीबाग से ताल ठोका था. हालांकि जीत उनके नसीब में नहीं आयी. अब जब उनके खिलाफ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने स्पीकर के पास दलबदल का मामला दर्ज कराया है। ऐसी स्थिति में पटेल एक बार फिर सदन के भीतर भाजपा की ओर ही बैठे दिखेंगे.

ह्विप का पालन करना होगा जरूरी

लोबिन हेंब्रम, चमरा लिंडा हों या जेपी पटेल, सबों को अपनी-अपनी पार्टी की ओर से जारी ह्विप का पालन करना ही होगा. सदन के भीतर चाहे वे झामुमो विधायक के तौर पर हों या भाजपा के, अपनी-अपनी पार्टी के स्तर से जारी ह्विप का पालन संवैधानिक बाध्यता होगी. हालांकि ऐसा नहीं करने पर जरूरी प्रावधानों के तहत उन पर अनुशासनात्मक और वैधानिक कार्रवाई भी हो सकती है. बहरहाल इस बार विधानसभा के मॉनसून सत्र में बदला-बदला सा नजारा दिखेगा.

अमर बाउरी ने शपथ ग्रहण पर उठाये सवाल

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर दो तस्वीरें पोस्ट की हैं. लिखा है कि ये तस्वीर बहुत कुछ कहती है... यह जान कर अच्छा लगा कि आज भी झामुमो में कुछ लोग ऐसे हैं, जो हिम्मती हैं और चंपाई दा के साथ हुए ज्यादती और बेइज्जती के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं! लगातार हो रहे विरोध के कारण आपाधापी में 7 जुलाई को होने वाले शपथ ग्रहण को तुरंत किया जा रहा है! इतिहास याद करेगा कि कैसे सोरेन परिवार के अंदर एक वर्ग का सत्ता का लोभ, पतन का कारण बना! जय झारखंड इसमें एक तस्वीर बुधवार की है, जिसमें चंपाई सोरेन राज्यपाल को सीएम पद से अपना इस्तीफा सौंप रहे हैं. वहीं दूसरी तस्वीर गुरुवार की है, जिसमें हेमंत सोरेन राज्यपाल के साथ हैं और उनको सरकार बनाने का न्योता दिया जा रहा है, इस तस्वीर में चंपाई सोरेन नहीं दिखाई दे रहे हैं.

सचिवालय सेवा संघ ने हेमंत का किया स्वागत

रांची। झारखंड के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ ग्रहण करने के पश्चात गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन सचिवालय का दौरा किया. इस अवसर पर सचिवालय में झारखंड सचिवालय सेवा संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और मुख्यमंत्री बनने पर उन्हें बधाई दी. साथ ही संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं. राज्य के विकास के लिए अपनी पूर्ण समर्थन की प्रतिबद्धता व्यक्त की. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सभी का धन्यवाद करते हुए राज्य के विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी मौके पर उपस्थित थीं. सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद, महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा, उपाध्यक्ष विनय वर्णवाल, रितेश कुमार, पीयूष कुमार आदि उपस्थित थे.

विधानसभा का मॉनसून सत्र

चंपाई सोरेन पर प्रदेश के कांग्रेसी नेता नहीं बना पाते थे अपना दबाव

रांची ब्यूरो। रांची

- चंपाई ने कहा, आप फिर से सीएम बने तो नहीं होगा एतराज
- सोनिया गांधी से मिली सियासी सलाह के बाद बनी बात

चंपाई सोरेन ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया और हेमंत सोरेन फिर से सीएम बन गए. इस परिवर्तन को लेकर सियासी चर्चे शुरू हो गए हैं. सूत्रों के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस के नेता किसी काम के लिए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पर दबाव नहीं बना पाते थे. इस वजह से प्रदेश कांग्रेस के नेता कई मामले में खुद को असहज महसूस करते थे. इसलिए प्रदेश कांग्रेस ने नेतृत्व भी चहता था कि हेमंत सोरेन के जेल से बहार आते ही उन्हें ही सीएम बनाया जाए, जिसमें कांग्रेस पार्टी सफल हुई. सत्ता पक्ष के विधायक दल की बैठक से पहले पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को सोनिया गांधी ने सियासी सलाह दी थी. इसके बाद पूरा प्लॉट तैयार किया गया. जानकारी के मुताबिक सोनिया गांधी ने सलाह दी कि 2019 के चुनाव में आपके ही नेतृत्व में गठबंधन को जीत मिली थी. इसलिए 2014 में जनता के बीच यही संदेश जाना चाहिए कि आप ही गठबंधन को लीड कर रहे हैं. स्पष्ट है कि अगर चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री के पद पर रहते तो भ्रम की स्थिति बन सकती थी. सोनिया गांधी की यही सिसायी सलाह को अमलीजामा पहनाया गया. इसके बाद हेमंत सोरेन ने सीएम की जिम्मेवारी संभालने का फैसला लिया.

सियासी सलाह के बाद हुई बैठक : सोनिया गांधी की सियासी सलाह के बाद सत्ता दल के विधायकों की बैठक बुलाई गई. बैठक में चंपाई सोरेन ने खुद पद छोड़ने और हेमंत सोरेन को नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा और इस पर सभी विधायकों ने सहमति जाहिर की. इसके बाद हेमंत सोरेन विधायकों का समर्थन पत्र लेकर राजभवन पहुंचे. बैठक में चंपाई सोरेन ने हेमंत सोरेन को कहा, आप फिर से सीएम बनें तो एतराज नहीं होगा. चंपई सोरेन का मान रखने के लिए हेमंत सोरेन ने उन्हें सरकार में समन्वय समिति का संयोजक और झामुमो का कार्यकारी अध्यक्ष जैसा कोई पद देने का भरोसा दिलाया.

शिबू सोरेन परिवार से हैं तो वैकेंसी क्रिएट कर दी जाती है : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

- शिबू सोरेन का बेटा तीन महीने भी बिना पद के नहीं रह सका
- परिवार से ऊपर उठकर साढ़े तीन करोड़ जनता की सेवा करने की सलाह दी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन के शपथ लेने पर बधाई व शुभकामनाएं दी है. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को भी शुभकामनाएं दी, जिन्होंने 5 महीनों तक झारखंड की जनता की सेवा की. मरांडी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सेवा के लिए मिलता है, लेकिन आज हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि इंडी एलायंस 2019 विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश का उपयोग केवल शिबू सोरेन परिवार की जागीर को बचाने के लिए किया जा रहा. शिबू सोरेन परिवार की डिक्शनरी में आदिवासी का मतलब केवल उनका परिवार होता है. बाकी आदिवासी परिवारों को ये अपना पिछलग्गू बनाकर ही रखना चाहते हैं.

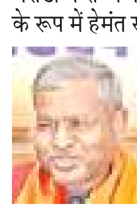

वैकेंसी नहीं थी तो क्रिएट कर दिया गया : उन्होंने कहा कि ये वही चंपाई सोरेन हैं, जिन्होंने झामुमो सुप्रीमो गुरुजी के साथ कदम से कदम मिलाकर आंदोलन में साथ दिया.सुख दुख के सहभागी बने, लेकिन आज उन्हें अहसास कराया गया कि वे भले पुराने आंदोलनकारी हैं, योग्य हैं, कर्मठ हैं, लेकिन आपको नेतृत्व करने की छूट नही केवल निर्देश के पालन का अधिकार है. शिबू सोरेन का बेटा तीन महीने भी बिना पद का नहीं रह सका. वैकेंसी नही थी तो क्रिएट कर दिया गया, लेकिन आज राज्य के होनहार प्रतिभाशाली लाखों युवा विभिन्न विभागों में वैकेंसी के बावजूद दर-दर भटक रहे. राज्य के लाखों बेरोजगार युवाओं को नियुक्ति वर्ष में भी नियुक्ति नहीं मिली, लेकिन अकारण एक मुख्यमंत्री को हटाकर नए मुख्यमंत्री चुनने में एक घंटे भी नही लगे. ऐसा लगता है चंपाई सोरेन जी पूरी तरह से हेमंत सरकार पार्ट 2 नहीं बन पाए जिसकी सजा उन्हें भुगतनी पड़ी.

भाजपा के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया

हेमंत पार्ट-3 सरकार गठबंधन का फाइनल चैप्टर होगा: प्रतुल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टैक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हेमंत सोरेन सरकार पार्ट थ्री सरकार गठबंधन के इतिहास की अंतिम सरकार साबित होगी. प्रतुल ने लिखा कि हेमंत सोरेन पार्ट वन में झारखंड की दुर्दशा को जनता ने बहुत करीब से देखा था. अपराध चरम पर था, महिला उत्पीड़न रिकॉर्ड छू रहा था, भ्रष्टाचार का बोलबाला था, बेरोजगारों को छला गया था. नौकरी और हक मांगने निकले युवाओं को पुलिस के द्वारा को डंडे से पीटा गया था. विपक्ष पर सैकड़ों फर्जी मुकदमे किए गए थे.

कोल्हान टाइगर को सिंहासन से खींचकर उतार दिया गया : प्रतुल ने कहा कि हेमंत सोरेन पार्ट-2 में चंपाई सोरेन को सिर्फ मुख्यमंत्री की कुर्सी को गर्म रखने के लिए 5 महीने बैठाया गया और उसके बाद बहुत बेइज्जती भरे अंदाज में कोल्हान टाइगर को सिंहासन से खींचकर उतार दिया गया. प्रतुल ने कहा कि बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि सोरेन परिवार को परिवार के बाहर का कोई भी सदस्य लंबे समय तक राज्य के सर्वोच्च पद पर लंबे समय तक मंजूर नहीं था. प्रतुल ने इसे झारखंड के आदिवासियों विशेष कर कोलहान क्षेत्र के निवासियों का अपमान बताया.

कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे हेमंत सोरेन सरकार ने ठगा नहीं : प्रतुल ने कहा कि अब हेमंत सोरेन पार्ट 3 की शुरुआत हुई है.ये झारखंड मुक्ति मोर्चा और हेमंत सोरेन के लिए फाइनल चैप्टर साबित होगा. इन 5 वर्षों में इस गठबंधन की सरकार ने झारखंड और यहां के खनिज को इतना लूटा है कि जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी.

कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे ठगा नहीं

प्रतुल ने कहा कि अब हेमंत सोरेन पार्ट 3 की शुरुआत हुई है. ये झारखंड मुक्ति मोर्चा और हेमंत सोरेन के लिए फाइनल चैप्टर साबित होगा. इन 5 वर्षों में इस गठबंधन की सरकार ने झारखंड और यहां के खनिज को इतना लूटा है कि जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी. हेमंत सोरेन सरकार के बारे में एक प्रचलित कहावत था कि कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे हेमंत सोरेन सरकार ने ठगा नहीं.

आरएसएस तीन दिवसीय बैठक में कई मुद्दों विचार मंथन होगा

प्रांत प्रचारकों की बैठक 12 से रांची में

संवाददाता। रांची

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की तीन दिवसीय बैठक 12 जुलाई से राजधानी रांची में होगी. संभवतः यह पहला मौका है, जब प्रांत प्रचारकों की बैठक झारखंड में हो रही है. टाटीसिलवे स्थित सरला बिरला यूनिवर्सिटी में होनेवाली तीन दिनी बैठक में हिस्सा लेने के लिए सर संघचालक मोहन भागवत आठ जुलाई को ही रांची पहुंच जाएंगे. बैठक में संघ से जुड़े देश भर के पदाधिकारी शामिल होंगे. मिली जानकारी के अनुसार, मोहन भागवत के अलावा इस बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित अखिल भारतीय कार्यसमिति के सभी सदस्य, प्रचारक प्रमुख, क्षेत्र प्रचारक और सभी प्रांत प्रचारक भी हिस्सा लेंगे. हालांकि इससे पहले संघ की और भी कई महत्वपूर्ण बैठकें होंगी

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत 10 दिन तक रांची में रहेंगे

18 जुलाई तक रांची में रहेंगे मोहन भागवत : आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत लगभग 10 दिनों तक रांची में प्रवास करेंगे. आठ से 18 जुलाई तक भागवत रांची में रहेंगे और संघ की विचारधारा वाले संगठनों के सदस्यों के साथ भी बैठक करेंगे. बैठक में भाजपा, विश्व हिंदू परिषद, सेवा भारती, वनवासी कल्याण केंद्र, स्वदेशी जागरण जैसे संगठनों के संगठन मंत्री के साथ बैठक करेंगे. संवैचारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक 15016 जुलाई को रखी गयी है.

संघ के निर्धारित कई एजेंडों पर होगा विचार

तीन दिवसीय प्रांत प्रचारकों की बैठक में संघ तय कई एजेंडों पर विचार होना है. संघ से मिली जानकारी के अनुसार, इस बैठक में शताब्दी वर्ष तक देश में एक लाख स्थानों पर शाखा प्रारंभ करने के लक्ष्य की समीक्षा होगी. साथ ही कार्यकारी मंडल की बैठक तक होने वाले कार्यों पर भी चर्चा कर एजेंडा तैयार किया जाएगा. बैठक में प्रतिनिधि सभा से लेकर अब तक हुए कार्यों पर भी विमर्श किया जाएगा.

मेकॉन लि. व भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

संवाददाता। रांची

मेकॉन लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बीच गुरुवार को एक साथ काम करने को लेकर एमओयू साइन किया गया. मेकॉन लिमिटेड भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के तहत एक प्रमुख इंजीनियरिंग, परामर्श और अनुबंध संगठन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रमुख भारतीय रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद विनिर्माण कंपनी ने प्रमुख परियोजनाओं और पहलों पर सहयोग करने और एक साथ काम करने के लिए एमओयू किया गया है. एमओयू पर निदेशक (तकनीकी) मेकॉन अमित राज और निदेशक (अन्य इकाइयां) बीईएल भानु प्रकाश श्रीवास्तव ने रांची में मेकॉन प्रधान कार्यालय में हस्ताक्षर किया. इस अवसर पर सीएमडी मेकॉन संजय कुमार वर्मा और निदेशक (वित्त) मेकॉन मुकेश कुमार, जीएम बीईएल संजय अग्रवाल उपस्थित थे. यह समझौता ज्ञापन देश की तकनीकी और औद्योगिक उन्नति में योगदान के लिए इंजीनियरिंग और परामर्श सेवाओं में मेकॉन की विशेषज्ञता और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों में बीईएल के बीच तालमेल का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त करने में सहाय होगा.

कोर्ट की खबरें

वैसे रूट में ऑटो या ई-रिक्शा को परमिट न दें, जहां लगता है जाम : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में रांची में ऑटो चालकों के लिए नियम बनाने और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को यह जानकारी दी गई कि कोर्ट के निर्देश के बाद 20 जून से लेकर 1 जुलाई तक विशेष अभियान चलाकर 18 हजार से ज्यादा दो पहिया वाहन और चार पहिया वाहनों का चालान काटा गया है. वहीं पिछले एक सप्ताह में बिना परमिट के चल रहे 156 ई-रिक्शा और 5 ऑटो को भी जब्त किया गया. जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति दीपक रौशन की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सुझाव दिया कि वैसे रूट में ई-रिक्शा को परमिट न दिया जाए, जहां प्रतिदिन जाम की समस्या रहती है. इसके साथ ही अदालत ने ट्रैफिक पोस्ट पर वॉशरूम की व्यवस्था करने का निर्देश सरकार को दिया है, ताकि ड्यूटी के वक्त ट्रैफिक कर्मियों को परेशानी ना हो. अब अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 18 जुलाई की तिथि निर्धारित की है.

सिविल कोर्ट ने पोटा केस में दो आरोपियों को किया बरी

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने पोटा (प्रीवेन्शन ऑफ टेररिस्ट एक्ट) के मामले में दो आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया. इस केस की सुनवाई 22 वर्ष से चल रही थी. कोर्ट ने ट्रायल फेस कर रहे दारा चंद्रवंशी और रामाधार राम को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. दोनों गढ़वा जिला के रहनेवाले हैं. ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से दो आईओ, डॉक्टर, छापेमारी दल के शामिल पुलिस कर्मी और स्थानीय लोग समेत 24 गवाहों को प्रस्तुत किया गया था. जिनमें से सात स्थानीय गवाह गवाही के दौरान मुकर गये, जिसका लाभ आरोपियों को मिला. घटना को लेकर साल 2002 में पोटा अधिनियम के तहत रंका थाना में दर्ज केस को टेकओवर किया गया था. दरअसल चिनिया ओपी के तत्कालीन प्रभारी संजय सिंह को 21 दिसंबर 2001 को वायरलेस पर सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश चिनिया पिकेट पर गोलीबारी कर रहे हैं. इसी बीच संदिग्ध उग्रवादियों की ओर से अंधाधुंध गोलीबारी होने लगी, जिसमें रामचंद्र साही की मौत हो गई थी.

लैंड स्कैम केस

अंतु तिर्की की बेल पर 12 जुलाई को सुनवाई

रांची। लैंड स्कैम के आरोप में जेल में बंद जेएमएम नेता अंतु तिर्की की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में गुरुवार को आंशिक सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 12 जुलाई की तिथि निर्धारित की है. बता दें कि इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने इसी वर्ष 16 अप्रैल को अंतु तिर्की को गिरफ्तार किया था. जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं. गिरफ्तारी के 76 दिनों बाद अंतु तिर्की ने जमानत की गुहार लगाते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल की है.

आईएसटीडी की नयी कार्यकारिणी गठित, एचएन मिश्रा बने संरक्षक

वार्षिक आम बैठक के दौरान पदाधिकारी.

प्रमुख संवाददाता। रांची

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट की वार्षिक आम बैठक में नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया. एजीएम बैठक की अध्यक्षता झारखंड सरकार टूल रूम के प्राचार्य एम के गुप्ता ने की. बैठक में कार्यकारिणी की नयी समिति के सदस्य और आईएसटीडी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी उपस्थित थे. 2024-26 के लिए गठित नई कार्यकारिणी में एचएन मिश्रा को संरक्षक चुना गया है.

मिश्रा सीसीएल के निदेशक कार्मिक भी हैं. इसके अलावा एमके गुप्ता को अध्यक्ष, रेखा पांडे को उपाध्यक्ष, एमके उपाध्याय को सचिव और आशुतोष मिश्रा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है. जबकि सदस्य के रूप में एनके ओझा और रमन बल्लभ, पीसी मिश्रा, विवेक कृष्ण, रश्मि दयाल और शिवाजी कुमार को सदस्य बनाया गया है.

2023-24 की रिपोर्ट पेश की गई

बैठक में कोषाध्यक्ष आशुतोष मिश्र द्वारा वर्ष 2023-24 का वार्षिक वित्तीय विवरण व ऑडिट प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया. एक नया अस्थायी प्रशिक्षण कैलेंडर भी प्रस्तावित किया गया. साथ ही निर्णय लिया गया कि आईएसटीडी अनुकूलित प्रशिक्षण समाधानों के साथ संगठनों तक पहुंचेगा. उपस्थित सदस्यों ने रांची में पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन की सराहना की.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 05 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 87 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में थोड़ी सी लापरवाही या अनदेखी परेशानी का सबब बन सकती है, यात्रा के दौरान सतर्क व सजग रहें

झारखंड में 101 ब्लैक स्पॉट्स चिह्नित, जहां दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें हुईं

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड के अलग-अलग जिलों में 101 जगहों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें होती हैं. अगर आप भी इस सड़क मार्ग पर सफर कर रहे हैं, तो संभल कर जायें, क्योंकि ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में थोड़ी सी लापरवाही या अनदेखी, परेशानी का सबब बन सकती है. 'लगातार न्यूज नेटवर्क' राज्य के 16 जिलों के ब्लैक स्पॉट की जानकारी साझा कर रहा है, ताकि आप इन जगहों पर यात्रा के दौरान सजग रहें. वहीं, झारखंड पुलिस, परिवहन, पथ, एनएचएआई सहित अन्य विभाग मिलकर इन 101 ब्लैक स्पॉट से बचाव और उसे समाप्त करने के लिए प्रयास कर रहे हैं.

सड़क हादसे में हर दिन जाती है 12 लोगों की जान : झारखंड में हर दिन 15 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं. इनमें औसतन 12 लोगों की जान चली जाती है. जबकि, हर दिन सड़क हादसे में नौ लोग घायल होते हैं. जनवरी 2024 से 31 मई तक पूरे झारखंड में 2264 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 1773 लोगों की मौत हो गयी और 1419 लोग घायल हुए. बीते डेढ़ साल में राज्य के सभी जिलों में बिना हेलमेट पहने 74336 दोपहिया वाहन सवारों को पकड़ा है. इसके अलावा वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करते 1265, रेड लाइट जंप करते 12146, बिना लाइसेंस 22980, बिना सीट बेल्ट 7031 और गलत दिशा में वाहन चलाते 1783 लोगों को पुलिस ने पकड़ा है.

झारखंड के इन 16 जिलों में सबसे ज्यादा ब्लैक स्पॉट

- **बोकारो : बीएस सिटी, बालीडीह, जरीडीह, पिंडराजोड़ा, चास, मराफारी, कसमार, पेटरवार में 15 जगह**
- धनबाद : लोयाबाद, धनसार, तोपचांची, बरोरा
- **दुमका : मुफस्सिल और जामा में तीन जगह**
- जमशेदपुर : सीतारामडेरा और बहरागोड़ा
- **गढ़वा : गढ़वा थाना क्षेत्र में तीन जगह**
- गिरिडीह : बगोदर, मुसफ्फिल और निमियाघाट में चार जगह
- **गोड्डा : मुफस्सिल, टाउन, महगामा, मोतिया थाना क्षेत्र में पांच जगह**
- गुमला : गुमला, घाघरा, सिसई और रायडीह में नौ जगह
- **हजारीबाग : इचाक**
- खूंटी : मुरहू
- **कोडरमा : कोडरमा और डोमचांच में तीन जगह**
- लातेहार : मनिका और चंदवा
- **पलामू : चैनपुर, पंडवा, सतवरवा, नवाबजार, हरिहरगंज और हुसैनाबाद**
- रामगढ़ : रामगढ़, गोला, मांडू और रजरप्पा में 10 जगह
- **रांची : चान्हो, बेड़ों, दस माइल, धुर्वा, डोरंडा, गोंदा, इटकी, जगरनाथपुर, कांके, खेलगांव, नगड़ी, रातु, नामकुम, नारकोपी, सदर थाना क्षेत्र में 21 जगह**
- सिमडेगा : सिमडेगा, केरसाई और टी- टांगर में पांच जगह

ब्रीफ खबरें

चार अफसर इधर से उधर कौशल कुमार दुमका एसडीएम

रांची। राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के चार अफसरों का तबादला किया है. लातेहार के एसडीएम कौशल कुमार को दुमका का एसडीएम बनाया गया है. वहीं, दुमका के एसडीएम अजय कुमार रजक को लातेहार का एसडीएम बनाया गया है. पूर्वी सिंहभूम के अपर आयुक्त रोहित सिन्हा को नगर आयुक्त देवघर नगर निगम के पद पर स्थानांतरित किया गया है. जबकि देवघर के नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद को पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) का अपर उपायुक्त के पद पर स्थानांतरित किया गया है. इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने बुधवार देर रात अधिसूचना जारी कर दी है.

लोहरदगा: 32 युवाओं को रोजगार दिया गया

लोहरदगा। श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, लोहरदगा द्वारा जिला नियोजन कार्यालय परिसर में एक दिवसीय भर्ती मेला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी अश्विनी कुमार सिंह, यंग प्रोफेशनल श्रम मंत्रालय प्रवीर कुमार गोप व मो जौहर आदि उपस्थित रहे. रोजगार मेला में मुख्य रूप से छह कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए. इस दौरान कुल 83 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया. इनमें 44 लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया और 32 लोगों को अंतिम रूप से चयनित किया गया.

वारदात को अंजाम देने से पहले दो अपराधी धराए

रांची। अपराधिक घटना को अंजाम देने से पहले अपराधी गिरफ्तार हुआ है. एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने बेड़ो थाना क्षेत्र के जहानाबाज के चिनियाटोली गांव में छापामारी कर राम उरांव और धीरज उरांव को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधी के पास पुलिस ने दो पिस्टल, एक देशी कट्टा, छह जिंदा कारतूस बरामद हुआ है. गिरफ्तार राम उरांव का पूर्व से अपराधिक इतिहास रहा है. उसके खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं. एसएसपी ने चंदन सिन्हा गुरुवार को प्रेस कॉफ्रेंस कर जानकारी दी.

स्वास्थ्य मिशन घोटाला का मास्टर माइंड है कोयला कारोबारी प्रमोद सिंह

कोयला कारोबारी प्रमोद के सात ठिकानों पर ईडी की रेड

रिजवान शम्स। धनबाद

करोड़ों के स्वास्थ्य मिशन घोटाला के मामले में ईडी ने गुरुवार को धनबाद में कोयला कारोबारी प्रमोद सिंह के आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की है. प्रमोद सिंह स्वास्थ्य विभाग के करोड़ों के घोटाले का आरोपी रहा है. उसके खिलाफ एसीबी भी छापेमारी कर चुकी है. कोयला कारोबारी प्रमोद के खिलाफ खनन विभाग ने भी बरवाअड्डा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. गुरुवार को अहले सुबह ईडी की अलग-अलग टीमों ने धनबाद में चार स्थानों पर दबिश दी थी. इसके बाद दो और ठिकानों में छापेमारी शुरू की गई.

जांच एजेंसी की टीम देर रात तक छापेमारी में जुटी थी. बताया जा रहा है कि जांच एजेंसी को करोड़ों की संपत्ति की जानकारी हाथ लगी है. हालांकि प्रमोद सिंह ईडी की गिरफ्त में नहीं आ सका.

इन ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी : ईडी की यह छापेमारी 2011-12 में हुए स्वास्थ्य मिशन घोटाला से संबंधित बताई जा रही है. ईडी की टीम में शामिल करीब दो दर्जन अधिकारियों ने प्रमोद सिंह, रवींद्र सिंह, अश्विनी शर्मा, दिव्य प्रकाश, प्रमोद के साढ़ू अजीत सिंह और चालक अंजीत सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की. प्रमोद सिंह के सरायढेला के सावलपुर स्थित सहयोगी नगर सेक्टर-3 स्थित ठिकाने पर छापेमारी की. बाद में प्रमोद के पिता के रघुनाथ नगर स्थित ठिकाने और नूतनडीह कॉलोनी में रहने वाले एक बर्खास्त सिपाही के यहां छापेमारी की गई. रवींद्र सिंह के धनबाद के नावाडीह स्थित श्रीराम कुंज, अश्विनी कुमार के धनबाद स्थित सोनारडीह के कालीनगर, दिव्य प्रकाश और अजीत सिंह के भूली स्थित ठिकानों पर छापेमारी की है. प्रमोद सिंह कभी एनएचएम में संविदा पर काम करता था. करोड़ों के घोटाले के बाद उसे बर्खास्त कर दिया गया था, इसके बाद कई सालों से वह कोयला के कारोबार से जुड़ा है.

- देर रात तक चलती रही छापेमारी, फरार चल रहा है प्रमोद
- एसीबी भी दर्ज कर चुकी है आय से अधिक संपत्ति का केस

कोयला कारोबारी प्रमोद सिंह का आलीशान घर. (इनसेट में प्रमोद सिंह).

यहां हुई छापेमारी

- प्रमोद सिंह के सहयोगी नगर सेक्टर-3 और भूली स्थित आवास
- प्रमोद के पिता अजीत सिंह के सरायढेला रघुनाथ नगर स्थित आवास
- कतरास के सोनारडीह के बिलबेड़ा स्थित अश्विनी शर्मा का आवास
- अशरफी अस्पताल के पास रहने वाले रिश्तेदार रविन्द्र सिंह का आवास
- प्रमोद सिंह के चालक अंजीत सिंह और दिव्य प्रकाश का आवास

प्रमोद का करीबी है अश्विनी शर्मा

कतरास/मधुबन। धर्मबांध ओपी क्षेत्र अंतर्गत टुंडू पंचायत स्थित बिलबेरा में स्वास्थ्य विभाग में कभी कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले अवैध कोयला कारोबारी प्रमोद सिंह के करीबी अश्विनी शर्मा के आवास पर गुरुवार की अहले सुबह पांच बजे ईडी ने छापेमारी की. वर्तमान में अश्विनी शर्मा एक निजी बैंक में संविदा पर कार्यरत है. कुछ वर्ष पहले तक वह प्रमोद का कामकाज संभालता था. अश्विनी शर्मा के बैंक खाते में गबन के पैसे का लेनदेन हुआ था. इसके बाद ही वह आयकर विभाग के नजर में आया और उसके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज हुआ था.

पीएचसी को आए सात करोड़ का किया था गबन

झारखंड एसीबी ने नेशनल रूरल हेल्थ मिशन में पीएचसी (प्राइमरी हेल्थ सेंटर) के लिए वर्ष 2011-12 में आवंटित छह करोड़ 97 लाख 43 हजार रुपये से अधिक की राशि के गबन का मामला पकड़ में आने के बाद 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी. इसमें प्रमोद का भी नाम शामिल है. आरोप है कि उसने पीएचसी के लिए आवंटित राशि को अपने खाते में मंगवा कर राशि का गबन कर लिया गया. प्रमोद सिंह स्वास्थ्य विभाग में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता था और उसके खातों में पीएचसी के 10 अकाउंट की राशि ट्रांसफर की गई थी. उनकी पत्नी प्रिया सिंह के अकाउंट में भी गलत तरीके से पैसे ट्रांसफर किए गए थे. गड़बड़ी पकड़े जाने के बाद प्रमोद सिंह को बर्खास्त कर दिया था, तो वह कोयले के कारोबार से जुड़ गया था. एसीबी की ओर से दर्ज इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने और मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है.

विदेश भागने की फिराक में था प्रमोद सिंह

स्वास्थ्य विभाग में कांट्रैक्ट पर आठ हजार की नौकरी करने वाला घोटालों के सहारे करोड़ों का आदमी बन गया. कोयला की अवैध कमाई से अकूत संपत्ति खड़ा करने वाला प्रमोद सिंह अब विदेश भागने की फिराक में था. इससे पहले ही ईडी ने उसके घर पर दबिश दे दी. सूत्रों के अनुसार 15 दिन पहले प्रमोद ने नए पासपोर्ट के लिए अप्लाई किया है. उसका पासपोर्ट पहले से ही था, लेकिन उस पासपोर्ट को दुर्गापुर एयरपोर्ट पर जब्त कर लिया गया था. 20 फरवरी 2023 को दुर्गापुर एयरपोर्ट पर उसके बैग से गोली बरामद हुई थी. एयरपोर्ट अथॉरिटी ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. जमानत पर छूटने के बाद कोयले के अवैध कारोबार में लग गया. पिछले तीन सालों में प्रमोद सिंह ने अलग-अलग पार्टनर के साथ करोड़ों का कारोबार किया है.

हाईकोर्ट ने जेएसएससी को दिया निर्देश

कम से कम एक पद पर बनी रहे अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी

संवाददाता। रांची

खास बातें

- जेएसएससी से एक सप्ताह के भीतर मांगा गया है जवाब
- कई अभ्यर्थियों ने एक से ज्यादा पदों पर किया था आवेदन

झारखंड हाईकोर्ट में एक से अधिक पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन देने वाले अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी रद्द करने के खिलाफ दायर रिट याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई. इस दौरान जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने जेएसएससी को निर्देश दिया कि अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी कम से कम एक पद पर बनी रहे, ऐसी व्यवस्था करें. अदालत ने इस पूरे मामले पर जेएसएससी से एक सप्ताह भीतर जवाब मांगा है.

सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा है कि अगर एक सप्ताह के भीतर जेएसएससी की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया जाता है, तो नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगा दी जाएगी. प्रार्थी की ओर से अधिकवक्ता ललित कुमार ने दलीलें पेश की. दरअसल, जेएसएससी ने पिछले वर्ष करीब 1000 प्रशिक्षण अधिकारी पद के लिए विज्ञापन संख्या 8/2023 एवं 9/ 2023 जारी किया था. विज्ञापन की शर्त के मुताबिक, अभ्यर्थियों को 10 जुलाई 2023 से 19 अगस्त 2023 तक आवेदन करना था. 27 नवंबर से लेकर 29 नवंबर तक जेएसएससी ने परीक्षा ली थी. इस परीक्षा में एक से अधिक पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का आवेदन जेएसएससी ने रद्द कर दिया था. इस मामले को लेकर योगेश कुमार एवं अन्य ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया.

लातेहार के हरका गांव में कचरा न फेंके : हाईकोर्ट

लातेहार जिले के हरका गांव स्थित कचरा संग्रह स्थल.

संवाददाता। रांची

खास बातें

- ग्रामीणों की ओर से दायर जनहित याचिका पर हुई सुनवाई
- मामले में 10 जुलाई को अदालत में होगी अगली सुनवाई

झारखंड हाईकोर्ट ने लातेहार जिले के हरका गांव स्थित कचरा संग्रह स्थल पर कचरा नहीं फेंकने का आदेश दिया है. हरका के ग्रामीणों की ओर से दायर जनहित याचिका पर न्यायमूर्ति रोगन मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति दीपक रोशन की खंडपीठ में सुनवाई हुई. अदालत ने कहा कि जब तक मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक उक्त स्थल पर किसी तरह का कचरा नहीं फेंका जाए. कोर्ट में अधिवक्ता अभय मिश्रा ने प्रार्थी की ओर से पक्ष रखा. वहीं सरकार की ओर से अधिवक्ता मनीष कुमार व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से रिचा संचिता ने बहस की. अब इस मामले में अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी.

कचरा फेंकने से नदी व झरना हो रहे प्रदूषित : हरका गांव के लोगों ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मांग की है कि जिस स्थान पर पूरे लातेहार जिले का कचरा फेंका जाता है, उक्त स्थल सोती झरना का प्राकृतिक जलस्रोत है. कचरा फेंकने के स्थान से मात्र 100 मीटर पर गोवा नदी और 200 मीटर पर औरंगा नदी बहती है. कचरा फेंके जाने से नदी और झरना दोनों प्रदूषित हो रहे हैं. इस नदियों का पानी जनता पीने के काम में लाती है. औरंगा नदी का पानी पूरा लातेहार शहर पीता है और वहां जल छाजन के लिए पीएचईडी का कूप भी बना है.

ऑटो पलटने से आधा दर्जन महिला फुटबाल खिलाड़ी घायल

संवाददाता। गुमला

क्षमता से अधिक सवारी लेकर जा रहे ऑटो के पलटने से आधा दर्जन महिला फुटबाल खिलाड़ी घायल हो गयीं. घटना गुरुवार की है. पालकोट थाना क्षेत्र के सुमड़ू गांव की लगभग एक दर्जन महिला फुटबाल खिलाड़ी ऑटो रिजर्व कर फुटबाल खेलने के लिए डुमरडीह जा रही थीं. इस क्रम में बागेसेरा के समीप ऑटो अनियंत्रित हो कर पलट गयी.

इसके बाद घटना स्थल पर अफरा तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने राहत कार्य चलाते हुए 108 पर कॉल कर एंबुलेंस बुलाया. फिर सभी घायलों को इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. घायल महिला खिलाड़ियों में शीला कुल्लू, रवीना तिर्की, पालो इंदवार, प्रेमिका कुमारी, योगिता केरकेट्टा, प्रीति कुल्लू आदि शामिल हैं. सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है.

हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने विदाई समारोह का आयोजन किया

एक्टिंग चीफ जस्टिस की विदाई

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर के कार्यकाल के अंतिम कार्यदिवस के दिन उन्हें हाईकोर्ट के वकीलों ने विदाई दी. हाईकोर्ट परिसर में हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया.

विदाई समारोह में हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता राजीव रंजन, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष, हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता, काउंसिल के सदस्य, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ॠतु कुमार, महासचिव नवीन कुमार एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्य समेत हाईकोर्ट के सभी अधिवक्ता मौजूद रहे. एक्टिंग चीफ जस्टिस ने वकीलों द्वारा उनकी विदाई में दिए गए सम्मान पर आभार जताया, इसके साथ ही उन्होंने अपने अधीनस्थ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि झारखंड में किया गया कार्य उन्हें हमेशा याद रहेगा.

जस्टिस एस चंद्रशेखर के विदाई समारोह में मौजूद न्यायाधीश व अधिवक्तागण.

रिसर्च | कोविड-19 महामारी को लेकर सामने आई डराने वाली स्टडी, बच्चों के विकास पर असर

वक्त से काफी पीछे चल रहे कोरोना काल में पैदा हुए बच्चे

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

कोरोना-19 महामारी को एक बुरे सपने की तरह पूरी दुनिया भूलना चाहती है, लेकिन कोरोना किसी न किसी रूप में हमारे साए की तरह पीछा कर रहा है. आए दिन हम अखबारों, सोशल मीडिया, टीवी न्यूज के जरिए अक्सर सुनते हैं कि कोरोना के नए-नए वेरिएंट ने दस्तक दे दी है. अब हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है.

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना महामारी के दौरान जन्म लेने वाले बच्चों का विकास दूसरे बच्चों के मुकाबले काफी धीमा हो रहा है. रिसर्च में साफ कहा गया कि कोरोना के वक्त जन्म लेने वाले बच्चे अब प्ले और प्री-स्कूल में जाने लायक हो गए हैं, लेकिन शिक्षकों के मुताबिक उन बच्चों पर महामारी का तनाव और अलगाव का असर साफ दिखता है. इनमें से कई छात्र ऐसे हैं, जिन्हें स्कूल में या घर में कुछ समझने और बोलने में काफी ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. वह क्लास में भी चुपचाप बैठे रहते हैं. कई ऐसे हैं, जो ठीक से पेंसिल तक नहीं पकड़ पा रहे हैं. रिसर्च के मुताबिक महामारी ने बच्चों के विकास को काफी ज्यादा प्रभावित किया है. सिर्फ इतना ही नहीं इसमें लड़कियों की तुलना में लड़के काफी ज्यादा प्रभावित हुए हैं.

बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास धीमा : इन बच्चों को जब पढ़ाया जाता है, तो उन्हें ठीक से समझ नहीं आता है. उनका मानसिक और शारीरिक विकास बिल्कुल धीमा-सा हो गया है. इस रिसर्च में जो बातें कही गई है, उन्हें दो दर्जन से भी ज्यादा शिक्षक और बच्चों के डॉक्टर के इंटरव्यू के आधार पर कहा गया है. इस रिसर्च के आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि कोरोना महामारी के बाद से पूरी दुनिया में एक ऐसे बच्चों की संख्या विकसित हुई है, जिन्हें पढ़ने-लिखने में काफी दिक्कत हो रही है. बच्चे अपनी समस्या को ठीक से बता भी नहीं पा रहे हैं.

बच्चों के दिमाग पर दबाव का का बुरा असर पड़ा : अमेरिका के पोर्टलैंड स्थित ओरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जैमे पीटरसन के मुताबिक, महामारी के दौरान जन्म लेने वाले बच्चे शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का काफी ज्यादा सामना कर रहे हैं. बच्चे के ऊपर दबाव बनाया गया कि बाहर खेलने नहीं जाना है, मास्क पहने रखना है, आसपास के लोगों से कॉन्टैक्ट नहीं रखना है. बच्चों के दिमाग पर इसका बुरा असर पड़ा है. वहीं जो बच्चे थोड़े बड़े थे, उन्हें महामारी के दौरान घर में काफी दिनों तक बंद रखा गया, जिसके कारण वह गणित में पिछड़ गए.

बताए जा रहे हैं ये कारण : दरअसल, कोविड महामारी के दौरान बच्चों के माता-पिता तनाव और अवसाद में थे. लोगों को बीच सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा रहा था. इस दौरान घर में बंद रहने के कारण बच्चों को स्क्रीन टाइम काफी ज्यादा बढ़ गया था. बच्चे खेलने के लिए घर से बाहर तक नहीं निकलते थे. जिस समय बच्चे का दिमाग तेजी से विकास करता है, उस समय वो घर के अंदर बंद थे.

गिरिडीह: पांच साइबर अपराधी धराए

खास बातें

- न्यूड वीडियो कॉलिंग कराने का झांसा देकर करते थे ठगी
- सात मोबाइल, आठ सिम कार्ड और पांच एटीएम कार्ड बरामद

संवाददाता। गिरिडीह

प्रतिबिंब पोर्टल के जरिये पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस टीम ने बेंगाबाद थाना क्षेत्र के खंडोली डैम के पास से सभी को पकड़ा है. गिरफ्तार साइबर अपराधियों में दिलीप मंडल, प्रवीण कुमार, पवन कुमार, मोअज्जम अंसारी और राजू बेसरा शामिल है. एसपी दीपक शर्मा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी.

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा.

उन्होंने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया है कि ये लोग लड़की से न्यूड वीडियो कॉलिंग कराने का झांसा देकर लोगों से ठगी करते थे. इसके अलावा बिजली बिल रिचार्ज के नाम पर और बैंक अधिकारी बन फोन पर लोगों को झांसा देकर भी ठगी करते थे. इन अपराधियों इनके पास से सात मोबाइल, आठ सिम कार्ड, दो बाइक व पांच एटीएम कार्ड बरामद किया गया है. एसपी ने बताया कि गिरिडीह पुलिस ने पिछले नौ महीने के दौरान जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र से कल 247 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. साथ ही इन अपराधियों के पास से 14.56 लाख रुपये भी बरामद किये गये हैं.

ब्रीफ खबरें

अनुसूचित जाति का आरक्षण शून्य घोषित करना तमाचा

मेदिनीनगर। चौकीदारों की बहाली में राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति का आरक्षण शून्य घोषित करने की झारखंड क्रांति मंच के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने कठोर निंदा की है. श्री शत्रु ने जारी प्रेस बयान में कहा है कि यह अनुसूचित जाति के लिए सांसद वीडी राम व छत्तरपुर विधायक पुष्पा देवी के गाल पर जोरदार तमाचा है, बयान में उन्होंने कहा है कि अनुसूचित जाति के मसलों पर इनकी चुप्पी के कारण पलामू व गढ़वा जिले में चाहे आरक्षी की बहाली हो, चौकीदार की बहाली हो सबसे ज्यादा अन्याय का शिकार अनुसूचित जाति के लोग हुए हैं.

डाक सहायक भोला के निधन पर शोक व्यक्त

हुसैनाबाद। जपला मुख्य डाकघर के डाक सहायक भोला प्रसाद (45 वर्ष) का निधन आरा अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया. इनके निधन पर जपला मुख्य डाकघर में एक शोक सभा का आयोजन कर शोक संवेदना व्यक्त की गयी. मौके पर जपला डाक घर अधीक्षक अरविंद ओझा ने बताया कि भोला जी जीडीएस की परीक्षा पास कर एक वर्ष पूर्व ही जपला में डाक सहायक पद पर योगदान दिया था.

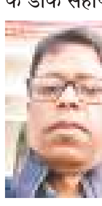

तीन माह से वे किडनी की समस्या से ग्रसित होकर इलाज करा रहे थे. उनके निधन की खबर से पूरा डाक परिवार मर्माहत है. उनके निधन पर अभिषेक प्रभाकर, पप्पू कुमार, संतोष टुडू, मुन्ना पाठक, श्रवण कुमार, देवेन्द्र नाथ गुप्ता, कैलाश मेहता, ज्योति कुमार, सोमनाथ, अभिषेक व भगवान राम सहित सभी डाककर्मी व अभिकर्ताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की.

तप का असली अर्थ त्याग है : जियर स्वामी

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड अंतर्गत सिंगरा स्थित अमानत नदी तट किनारे चातुर्मास व्रत कथा में श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामीजी ने कहा कि तप का अर्थ त्याग होता है. तप से मन का मैल दूर होता है और पाप का नाश होता है. किसी उद्देश्य विशेष की प्राप्ति के लिए कड़ी साधना करना और मन को संयम रखना ही तप है. श्रीमद्भागवत में तप तीन प्रकार के बताए गये हैं शारीरिक, वाणीक, मानसिक. देवताओं, गुरुओं और विद्वानों की पूजा करना, यथा योग्य सेवा करना, ब्रह्मचर्य और अहिंसा शारीरिक तप हैं.

चौथे सेमेस्टर की परीक्षा के पांच माह बाद भी परिणाम नहीं आने से छात्रों में आक्रोश

आजसू ने एनपी विवि के परीक्षा विभाग में की तालाबंदी

संवाददाता। मेदिनीनगर

अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) द्वारा गुरुवार को नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग का घेराव कर तालाबंदी की गई. आंदोलनरत छात्रों ने कहा कि स्नातक सत्र 2021-24 और 2022-26 की चौथे सेमेस्टर की परीक्षा फरवरी महीने में ली गई थी, लेकिन पांच माह बाद भी परीक्षा परिणाम का कोई अता-पता नहीं है. यहीं तक कि 2021-24 के परीक्षा लेने के चार माह बाद दो विषयों की परीक्षा रद्द कर दी गई जिसकी परीक्षा तिथि इस महीने निर्धारित की गई है. छात्रों का नेतृत्व कर रहे आजसू के विश्वविद्यालय प्रभारी हिमांशु रंजन ने कहा कि अब अगर विश्वविद्यालय इस महीने उन दोनों विषयों की परीक्षा लेती है, तो परिणाम आने में और चार महीने लग जायेंगे ऊपर से यह सत्र पहले ही एक वर्ष देरी से चल रहा है.

एनपीयू के कुलानुशासक को चार सूत्री ज्ञापन सौंपता प्रतिनिधिमंडल.

तालाबंदी के बाद एनपीयू के कुलानुशासक डॉक्टर केसी झा ने छात्रों से वार्ता कर समझाने का प्रयास किया.

खास बातें

- कुलसचिव ने प्रतिनिधिमंडल सदस्यों को आश्वासन दिया
- वार्ता कर छात्र हित में उचित दिशा-निर्देश दिया जायेगा

छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें चार सूत्री ज्ञापन सौंपकर परीक्षा विभाग पर कार्रवाई करने, सत्र 2021-24 और 2022-26 का परीक्षा परिणाम तथा स्नातक व स्नातकोतर की परीक्षा सारिणी शीघ्र प्रकाशित करने, सभी सत्रों को नियमित करने की मांग शामिल है.

कुलसचिव ने प्रतिनिधिमंडल सदस्यों को आश्वासन दिया कि सभी बिंदुओं पर परीक्षा नियंत्रक से वार्ता कर छात्र हित में उचित दिशा निर्देश दिया जायेगा. छात्र नेता अभिषेक राज ने कहा कि विश्वविद्यालय का परीक्षा विभाग अपनी कार्यशैली में सुधार करे नहीं तो आजसू उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा.

मौके पर शुभम कुमार सिंह, नंदन कुमार सिंह, सौरभ वर्मा, अभिषेक तिवारी, कुलवंत सिंह, मनीष कुमार, रवि राज आदि उपस्थित थे.

घंटों परेशान रहे लोग, गढ़वा के डीसी का वाहन भी फंसा जाम में

यातायात व्यवस्था हुई चौपट जुबली चौक पर अभूतपूर्व जाम

आशीष टैगोर। लातेहार

शहर में यातायात व्यवस्था चौपट हो गयी है. शहर का शायद ही कोई ऐसा चौक -चौराहा होगा, जहां जाम नहीं लगता हो.

गुरूवार को तो शहर में यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो जाने के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. शहर के मुख्य पथ पर जाम का आलम ऐसा रहा कि गढ़वा उपायुक्त के वाहन को तकरीबन दस मिनट तक जाम में फंसना पड़ा. शहर के धर्मपुर मोड़ पर जाम के कारण वाहन चालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा. कई एंबुलेंस व स्कूल वाहन जाम में फंसे रहे. बाइपास चौक व थाना चौक मे भी जाम का आलम रहा. सबसे अधिक परेशानी जुबली चौक में फंसे वाहन चालकों को हुई. यहां जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी. बता दें कि जुबली रोड की चौड़ीकरण की मांग वर्षों से की जा रही है. लेकिन सड़क का चौड़ीकरण नहीं किया जा रहा है.

कई भवनों को तोड़ा जाना है : बताया जाता हैं कि भू- अर्जन के के अलावा सड़क चौड़ीकरण में कइ भवनों को तोड़ा जाना है. भवनों की लागत गणना का कार्य के लिए 16 नवंबर 2018 को पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने भवन विभाग के कार्यपालक अभियंता, लातेहार से पत्राचार किया था.

उन्होने अपने पत्रांक 755 दिनांक 14. 08. 2019 को भू- अर्जन से संबंधित तमाम दस्तावेजों को भवन निर्माण विभाग को भेजा है. बावजूद इसके भवन निर्माण विभाग के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. हालांकि पिछले माह भवन निर्माण विभाग के कनीय अभियंता व अन्य कर्मी सड़क की मापी के लिए जुबली रोड गये थे, लेकिन लोगों के विरोध के कारण उन्हें वापस आना पड़ा था.

जुबली रोड में हर रोज लगता है जाम

जुबली चौक में लगी जाम का दृश्य.

सड़क चौड़ीकरण की अधिसूचना जारी हो चुकी है

समाहरणालय लातेहार की भू- अर्जन शाखा द्वारा सड़क चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना गजट में वर्ष 2013 में ही प्रकाशित करवाई जा चुकी है. भू- अर्जन अधिनियम की धारा 11(1) के तहत वर्ष 2013 में ही अधिग्रहण की नोटिस जारी किया गया है. लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी जिला प्रशासन अधिसूचना पर एक कदम भी कार्य नहीं कर पाया है. प्रशासनिक शिथिलता को वजह से इस मार्ग पर अवस्थित आधा दर्जन शिक्षण संस्थान, अस्पताल, पॉलिटेक्निक कॉलेज, तुबेद कोलियरी व बाल विकास परियोजना जैसे महत्वपूर्ण संस्थाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

10 वर्ष से अधिक समय से लंबित है सड़क चौड़ीकरण योजना : लातेहार शहर से नवादा होते हेरहंज तक जाने वाली कुल 28.7 किलोमीटर लंबी सड़क की चौड़ीकरण की योजना 10 वर्ष पहले तक पारित है. जुबली चौक की मुहाना को छोड़ कर शेष जगहों पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य हो चुका है. लेकिन जुबली रोड का चौड़ीकरण नहीं होने से लोग परेशान हैं. पिछले आठ वर्षों में इस सड़क की चौड़ीकरण एवं मजबूती करण के लिए दो बार प्राक्कलित राशि की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति सरकार द्वारा ली जा चुकी है. एनएच 75 में जुबली चौक से इस पथ पर प्रवेश करते ही सड़क काफी संकरी है. कहीं - कहीं सड़क की चौड़ाइ मात्र सात फीट है. यहां अगर एक वाहन गुजरती है तो दूसरे वाहन को इंतजार करना पड़ता है. मालूम हो पिछले कैबिनेट में पुनः इस सड़क की चौड़ीकरण व मजबूतीकरण मद की लागत बढ़ाने के लिए पुनरीक्षित प्राक्कलन पेश किया गया. सरकार ने सड़क की महत्ता को देखते हुए दूसरी बार पुनरीक्षित प्राक्कलन की स्वीकृति दी और चौड़ीकरण में 79.49 करोड रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की. सड़क चौड़ीकरण के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया लगभग तीन वर्षों पूर्व पूर्ण हो चुकी है.

वरिष्ठ आदिवासी नेता को सीएम पद से हटाया जाना दुखदः तिवारी

मेदिनीनगर। झारखंड में झामुमो एवं कांग्रेस गठबंधन द्वारा एक वरिष्ठ आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने को भाजपा पलामू जिला ध्यक्ष अमित तिवारी ने दुखद बताया. श्री तिवारी ने कहा कि नए सीएम हेमंत सोरेन ने यह प्रमाणित कर दिया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा में कोई लोकतांत्रिक परंपरा और मर्यादा जीवित नहीं रहा और यह विशुद्ध रूप से परिवारवाद और परिवार की पार्टी है. झामुमो में किसी भी प्रकार का लोकतंत्र पार्टी के अंदर और पार्टी के बाहर नहीं है. अब झारखंड के चुनावों में कुछ महीने ही बचे हैं, लेकिन सोरेन परिवार को सत्ता की ऐसी बेकरारी है कि वे इससे एक दिन भी दूर नहीं रह सकते हैं. उन्होंने कहा कि वैसे भी हेमंत सोरेन सरकार तो जेल से चला ही रहे थे, लेकिन जेल से जमानत पर बाहर आते ही फिर से गद्दी पर बैठने के लिए बेकरार हो उठे.

बालूमाथ : करंट लगने से हाइवा चालक घायल

बालूमाथ (लातेहार)। करंट लगने से एक हाइवा चालक घायल हो गया. जानकारी के अनुसार साहू पेट्रोल पंप के समीप हाइवा में इलेक्ट्रिक का काम करवा रहे हाइवा चालक राहुल सिंह मैकेनिक के कहने पर हाईवा के डाला को उपर उठा रहा था. इसी बीच हाइवा का डाला बिजली के तारों के संपर्क में आ गया और हाइवा में करंट आ गयी. इसकी चपेट में आने से चालक राहुल सिंह घायल हो गया. घायल चालक को आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. यहां चिकित्सक अमरनाथ प्रसाद के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया.

न्यूज अपडेट

एक पेड़ अपनी मां के नाम लगायें: चेतलाल

बालूमाथ (लातेहार)। भाजपा युवा नेता चेतलाल रामदास ने एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने की अपील लातेहार विधानसभा क्षेत्र वासियों से की है. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हम सभी को हमारी अपनी मां की चिंता होती है, इसी विषय में हमारी मातृभूमि एवं पर्यावरण कि हम सभी को चिंता करने का विषय है. इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी के द्वारा एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है. इसी कड़ी में गुरुवार से लातेहार विधानसभा में स्कूल एवं स्वास्थ्य केंद्र आदि स्थानों पर युवा टीम द्वारा वृक्षारोपण करने का कार्य किया जा रहा है.

पौधरोपण के बाद पानी डालते चेतलाल.

हेलमेट जांच के नाम पर की जा रही अवैध वसूली

चंदवा (लातेहार)। चंदवा थाना की पुलिस आये दिन चर्चा में रहती है. कभी अभिजीत ग्रुप पावर प्लांट के स्क्रैप चोरी में चोर पकड़ने की नाकामी को ले कर तो कभी हाईटेंशन टावर को काट कर बेचने वाले को गिरफ्तार नहीं कर. एक बार चंदवा पुलिस से चर्चे में है. इस बार बाइक सवारों को लप्पड़- थप्पड़ मारने पर चंदवा पुलिस सुर्खियों में है. इतना ही नहीं हेलमेट नहीं पहने बाइक सवारों से मनमाने ढंग से अवैध रुपये की वसूली की जा रही है. पुलिस वाले रुपए अपने हाथों में नहीं लेते हैं. इसके लिए वे एक आम नागरिक का सहयोग ले रहे हैं. पुलिस वाले बगैर हेलमेट पहने बाइक सवार को रोकते हैं. उससे पैसे लेने के लिए उस व्यक्ति के पास भेज देते हैं, जिन्हें वे इस काम के लिए रखे होते हैं. उस व्यक्ति द्वारा बाइक सवारों से पांच सौ रुपए की डिमांड की जाती है. लेकिन बाद में सौ-डेढ़ सौ रुपये में भी बाइक वालों का काम चल जाता है. इस स्थिति को देख एक नागरिक ने एसपी लातेहार के नाम एक शिकायत पत्र लिया है और इस तरह की घटना पर रोक लगाने का अनुरोध किया है.

गो सेवा परमो धर्म, लोगों को करें जागरूक : मंच

मेदिनीनगर। मारवाड़ी युवा मंच ने गुरुवार को गो सेवा का मनोरम कार्यक्रम आयोजित किया. मंच के गो सेवा संयोजक अरुण शंघाई ने बताया कि मंच पिछले कई वर्षों से इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करते रहा है. यह कार्यक्रम गो सेवा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उपदेश से किया जा रहा है. मंच के वरिष्ठ सदस्य राधे श्यामजी लाठ ने बताया कि जिस प्रकार हमारे रसोई की प्रथम रोटी गो माता को समर्पित होती है, उसी प्रकार हमें अपनी आय का कुछ हिस्सा गो सेवा में सहयोग के रूप में अवश्य दान करना चाहिए. मंच के सचिव सज्जन संघई ने बताया कि प्रति माह न्यूनतम दो बार सभी सदस्य मिलकर इस तरह के गो सेवा के कार्यक्रम को संबोधित करते हैं.

मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यगण.

28 कर्मियों को मिलेगा एसीपी-एमएसीपी का लाभ

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक की. बैठक में कुल 28 कर्मियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया गया. इसमें प्रधान सहायक, लिपिक, ग्राम सेविका व अनुसेवक शामिल हैं. विदित हो कि एसीपी-एमएसीपी का लाभ वैसे कर्मियों को दिया जाता है जिनकी संतोषप्रद सेवा काल दस वर्ष पूरा हो चुका है. बैठक में जिन कर्मियों का संतोषप्रद सेवा दस वर्ष पूरा हो गया था, उन्हें प्रथम एसीपी-एमएसीपी का लाभ, जिनकी सेवा 20 वर्ष उन्हें द्वितीय एसीपी-एमएसीपी और जिनकी सेवा 30 वर्ष पूरा हो चुका था, उन्हें तृतीय एसीपी-एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया है.

स्क्रीनिंग समिति की बैठक में शामिल लोग.

मेदिनीनगर: 15 सदस्यीय शिक्षकों की टीम रांची गयी

मेदिनीनगर। रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में आयोजित टीएलएम निपुण समागम 2024 में शामिल होने के लिए पलामू जिला से 15 सदस्यीय शिक्षकों की टीम गुरुवार को रवाना हुई. राज्य साधन सेवी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि निपुण भारत मिशन कार्यक्रम के तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर 05 जुलाई को निपुण समागम 2024 का आयोजन किया गया है. इस समागम में राज्य के सभी 24 जिलों से शिक्षकों द्वारा टीएलएम मेला की प्रदर्शनी लगायी जानी है. इसी कड़ी में निपुण समागम में शामिल होने के लिए पलामू के 15 शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उक्त समागम में शामिल होंगे.

समागम में भाग लेने के लिए रवाना होती शिक्षकों की टीम.

आरपीआई झारखंड में चलाएगा जन जागरण

मेदिनीनगर। केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री सह रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले, पार्टी के झारखंड प्रभारी चंदन शर्मा, पार्टी के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह मजदूर नेता राकेश सिंह ने झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर समीक्षा व विचार-विमर्श किया. मंत्री ने झारखंड में पार्टी विस्तार व मजबूती सुनिश्चित करने के लिए मजबूती व दृढ़ संकल्प के साथ जनजागरण अभियान चलाने का निर्देश दिया. उन्होंने गरीब, मजदूर, दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा व हर वर्गों को पार्टी से जोड़ने व उनके कानूनी अधिकार दिलाने के लिए प्रयासरत रहने व संघर्ष का आह्वान किया. प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से झारखंड में भी अपना उम्मीदवार खड़ा किया जाएगा.

केंद्रीय मंत्री के साथ मजदूर नेता राजेश सिंह.

हुसैनाबाद में एक बूथ 10 यूथ कार्यक्रम की शुरुआत की गयी

बैठक में शामिल युवा एनसीपी व टीम सूर्या के कार्यकर्ता.

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

एनसीपी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह हुसैनाबाद विधायक के निर्देश पर हुसैनाबाद स्थित कार्यालय में युवा एनसीपी व टीम सूर्या के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता युवा एनसीपी के अनुमंडल अध्यक्ष अभिषेक उर्फ हरि सिंह व संचालन युवा प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश राजवंशी ने की. बैठक में युवा एनसीपी के संगठन पर विस्तृत चर्चा हुई. चर्चा के बाद प्रत्येक बूथ स्तर पर दस दस युवाओं को जोड़ने का सभी ने संकल्प लिया. बैठक में अनुमंडल अध्यक्ष हरि सिंह ने कहा कि इसकी शुरुआत हुसैनाबाद प्रखंड से की गई है. युवा एनसीपी व टीम सूर्या के युवा कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश राजवंशी के मार्गदर्शन ने सभी 22 पंचायतों में क्रमवार बैठक कर इस अभियान को आगे बढ़ाने का काम करेंगे. हरि सिंह ने कहा कि हुसैनाबाद में शुरुआत करने के बाद अन्य प्रखंडों में भी युवा एनसीपी व टीम सूर्या के कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक कर एक बूथ दस यूथ अभियान चला कर युवाओं को जोड़ने की मुहिम चलाई जाएगी.

आरटीई के तहत 117 बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू

मेदिनीनगर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जिले के निजी स्कूलों में 2024-25 सत्र के लिये कुल 117 बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. सभी 117 बच्चों के नामांकन के लिए अलग-अलग निजी स्कूलों में सीट आरक्षित कर दी गई है, एडमिशन लेने के लिये जिले भर से कुल 124 बच्चों के आवेदन प्राप्त किये गये थे. जिले के अलग-अलग 4 प्रखंडों के कुल 18 निजी स्कूलों में आरटीई के तहत चयनित बच्चों को मुफ्त में शिक्षा प्रदान की जाएगी. बता दें कि डीसी शशि रंजन ने पलामू के गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मार्च माह में एक पोर्टल प्रारंभ किया था. इस माध्यम से सभी बच्चों के ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किये गये थे. सभी बच्चों को उनके घर के पता के नज़दीक के ही स्कूल को टैग्ड किया गया है.

बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेगी भाजपा : मुकेश निरंजन सिन्हा

संवाददाता। लातेहार

भाजपा के द्वारा प्रस्तावित अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा को लेकर लातेहार विधानसभा स्तरीय भापा की एक बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गयीर. अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने किया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि जिला संगठन प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा मौजूद थे. उन्होने कहा कि इस कार्यक्रम में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जायेगा. कार्यक्रम की सफलता के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों में प्रभारियों का मनोनयन किया गया है. हेरहंज प्रखंड के लिए जिला मंत्री ब्रजमोहन राम, बारियातू के लिए जिला कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता, बालूमाथ के लिए जिला मंत्री कुलामन साहू, चंदवा के लिए जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमा दुबे, लातेहार ग्रामीण के लिए जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह व लातेहार नगर के लिए जिला उपाध्यक्ष उषा देवी व निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की को मनोनित किया गया है. बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आग्रह पर पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम लगाने का अपील किया गया. इसके अलावा मतदाता पुनरीक्षण के तहत वैसे मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची में छूट गया है, उनका नाम सूची में जुड़वाने की भी अपील की गयी.

बैठक को संबोधित करते पंकज सिंह.

राजीव रंजन पांडेय व अमलेश सिंह को बधाई दी गयी

बैठक में गत 30 जून को प्रधानमंत्री के मन की बात सुना गया था और उसे सरल ऐप पर अपलोड किया गया था. उक्त कार्यक्रम में जिला सोशल मीडिया प्रभारी राजीव रंजन पांडेय व जिला कार्य समिति सदस्य अमलेश कुमार सिंह को राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी गयी. पूर्व विधायक प्रकाश राम जी ने बूथ स्तर पर अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने की अपील की. बैठक का संचालन कार्यक्रम के सह संयोजक सह जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे और धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री बंशी यादव ने किया.

वाहन जांच — जिले में एक साथ शुरू किया गया सघन वाहन जांच अभियान

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के कटे चालान

संवाददाता। लातेहार

पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर जिले में गुरुवार से एक साथ सघन वाहन जांच अभियान की शुरूआत की गयी. बुधवार को ही एसपी अंजन ने एक प्रेस वार्ता कर वाहन जांच अभियान की जानकारी पत्रकारों को दी थी. इससे पहले उन्होने जिले के सभी थाना प्रभारी व अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक कर वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया था.

एसपी ने बताया कि पिछले दिसंबर व जनवरी माह में भी पूरे जिले में एक साथ वाहन जांच अभियान चलाया गया था. इससे दुर्घटनाओं में काफी कमी आयी थी. लेकिन जांच अभियान हटा लेने के बाद फिर से जिले में सड़क दुर्घटनाओं में तेजी आ गयी है. इसमें ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहनों चालकों के चालान भी काटे गए.

लातेहार में वाहन जांच करते सशस्त्र पुलिस बल के जवान.

जिला मुख्यालय के चौक-चौराहों में चला अभियान : बालूमाथ (लातेहार)। एसपी के निर्देश पर बालूमाथ पुलिस ने थाना गेट के पास एवं रांची-चतरा मुख्य मार्ग मुरपा मोड़ चौक के पास वाहन जांच अभियान चलाया. वाहन जांच कर रहे पुलिस पदाधिकारी रामजी ठाकुर ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सड़क दुर्घटना की रोकथाम को लेकर वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है. खास कर बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालकों की विशेष तौर पर जांच की जा रही है. सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मौते बिना हेलमेट वाहन चलाने के कारण होता है. जांच के दौरान दर्जनों मोटरसाइकिल पुलिस ने जब्त की. मौके पर पुलिस पदाधिकारी संतदेव कुमार व सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद थे.

दोपहिया वाहनों की जांच की गयी, कई वाहन जब्त

मनिका। मनिका थाना के सामने मनिका थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में वाहन जांच अभियान चलाया गया. मौके पर सब इंस्पेक्टर एनके नीरज एवं पुलिस बल के जवानों के द्वारा दो पहिया वाहन की जांच की गयी. बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चला रहे दो दर्जन से अधिक वाहनों को जब्त किया गया. वाहन चालकों को डीटीओ कार्यालय जा कर चालान कटवाने के बाद बाइक छोड़े जाने की बात कहीर गयी. बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने व ट्रिपल लोड चलने वाले बाइकों को भी जब्त किया गया है.

कुसमाही साइडिंग से अवैध कोयला लदा हाइवा जब्त, प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

जिला खनन पदाधिकारी मो. नदीम सैफी ने बालूमाथ की कुसमाही रेलवे साइडिंग से कोयला लदे हाइवा को जब्त किया है. इसके बाद बालूमाथ थाना में डीएमओ द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. प्राथमिकी में जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि बुधवार की रात बालूमाथ थाना के कुशमाही रेलवे साइडिंग क्षेत्र निरीक्षण निरीक्षण के दौरान वाहन (जेएच 24 जे 4634) की जांच की गई. जांच के दौरान पाय गया कि वाहन में कोयला लदा हुआ है. जब वाहन की खनिज के चालान की जांच की गयी तो पाया गया कि चालान की अवधि सुबह 7.48 थी. लेकिन उसे 12.41 रात में कुमसाही रेलवे साइडिंग के पास कोयला परिवहन करते हुए पाया गया. डीएमओ ने कहा कि वाहन द्वारा चालान का समय समाप्त होने के बाद भी खनिज का परिवहन किया जा रहा था, जो गलत है. यह नियमों का उल्लंघन है. वाहन को वापस लाने के क्रम में चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया. बाद में वाहन को स्थानीय लोगों की मदद से मकईयाटांड़ पुलिस पिकेट मे रखा गया है. डीएमओ ने तय सीमा अवधि के बाद भी कोयला खनिज का परिवहन करने के आरोप में वाहन मालिक और चालक के खिलाफ मामला दर्ज काराया गया है. बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है. जब्त हाइवा को मकयाटांड़ पिकेट में रखा गया है. इन दिनों कुसमाही कोल साइडिंग में कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगे ट्रांसपोर्टरों के द्वारा नियमों की अनदेखी कर कोयले का परिवहन कराया जा रहा है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है.

पटरी पर लौटा मॉनसून, किसानों के खिले चेहरे, हल-बैल लेकर खेतों में उतरे किसान

वसीम अकरम । लोहरदगा

चिलचिलाती धूप और गर्मी से लंबे समय तक परेशान रहे लोहरदगा के लागों को अब मानसून के आगमन से काफी राहत महसूस कर रहे हैं. यहां पर सबसे ज्यादा उत्साहित किसान वर्ग के लोग हैं. साल भर इंतजार करने के बाद बरसात के दिनों में धान की फसल बुआई हेतु किसान काफी उम्मीद लगाए कुदरत के करिश्मा पर टकटकी लगाए बैठे रहते हैं. बीते साल बारिश की बेवफाई से किसानों की कमर टूट गया था. लेकिन इस बार देर से ही भले बारिश के आगमन से जहां तपती गर्मी से लोगों को राहत हुआ है. वहीं किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौट आया है.

बीते साल अकाल की मार झेलना पड़ा था किसानों को : लोहरदगा जिला में बीते साल दगाबाज बारिश से अत्यधिक खेतों में धान की बीज सूख गया था. जिससे किसान वर्ग के लोग काफी परेशान और प्रभावित हुए थे. यहां पर अत्यधिक किसान विभिन्न बैंकों से कर्ज लेकर धान का बिचड़ा अपने खेतों में इस उम्मीद और भरोसा के साथ लगाए थे कि बेहतर बारिश होगी और धान की पैदावारी अच्छी होगी. लेकिन बीते साल दगाबाज बारिश ने किसानों के सारे सपनों पर पूर्ण विराम लगा दिया था. इससे ज्यादातर किसान टूट गए थे और बैंकों से लिए कर्ज को चुकता करने में मजबूरन दूसरे राज्यों में पलायन कर गए थे. बता दें कि बीते साल बारिश की बेरूखी से धान की फसल नहीं हो पाने से अभी भी लोहरदगा जिला के किसान वर्ग कर्ज की बोझ तले दबे हुए हैं.

अपने खेत में जुताई करते किसान.

खेतों में हल-बैल लेकर खेती कार्य में जुटे किसान : लोहरदगा में बड़ी दिनों के बाद मानसून पटरी पर लौटा है ऐसे में लोगों को ना सिर्फ गर्मी से राहत मिली है बल्कि किसानों को खेती कार्य करने में काफी लाभप्रद सिद्ध हुआ है. लोहरदगा जिला के अत्यधिक लोग खेती कार्य पर निर्भर रहते हैं. यहां पर सबसे ज्यादा लोग अपनी जीविकोपार्जन खेती कार्य कर चलाते हैं. लोहरदगा जिला के किसान वर्ग मौसम का मिजाज बदलने से काफी खुश हैं और जोर-शोर से हल-बैल लेकर अपने-अपने खेतों में कूद पड़े हैं. ऐसा उम्मीद लगाया जा रहा है कि पिछले साल की तुलना इस साल कुदरत लोहरदगा के किसानों के लिए वरदान साबित हो सकता है. बहरहाल लोहरदगा जिला में बारिश की शुरूआत होने से किसानों को धान की खेती करने में काफी सहायक सिद्ध हुई है. इधर इस बार बारिश की अच्छी शुरूआत से किसानों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बीते साल बारिश नहीं होने से हुई नुकसान को इस साल बेहतर बारिश होने से भरपाई होने की संभावना है.

प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ हेमंत कुमार पांडेय ने कहा

लोहरदगा के प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ हेमंत कुमार पाण्डेय ने किसानों के हित में खरीफ फसल बुआई हेतु कहा है कि इस बार बीते साल की तुलना बेहतर बारिश होने की संभावना है. उन्होंने कहा कि किसान बंधु वैज्ञानिक विधि से खरीफ फसल करें और अच्छी मुनाफा करें. डॉ हेमंत कुमार पाण्डेय ने कहा कि किसानों को दो फेज में धान का बिचड़ा एक सप्ताह के अंतराल में करना चाहिए ताकि धान की खेती को करने में काफी मददगार साबित हो. उन्होंने कहा कि लोहरदगा के किसानों को धान के अलावा मक्का, सोयाबीन, सूरजमूखी, मड़ुआ की खेती को भी बढ़ावा देना चाहिए एवं एफपीओ से जुड़कर स्वावलंबी बनने की दिशा में खेती कार्य को करने से अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं. डॉ हेमंत कुमार पाण्डेय ने कहा कि इस बार लोहरदगा जिला में अच्छी बारिश होने की संभावना है इससे किसानों को खेती कार्य में जुट जाना चाहिए.

ब्रीफ खबरें

भंडरा बीडीओ ने किया बूथों का निरीक्षण

भंडरा/लोहरदगा । जिले के भंडरा प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी ने गुरुवार को भंडरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों का भ्रमण किया. इस बीच क्षेत्र भ्रमण के क्रम में बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर पूरी स्थिति वस्तु का मुआयना की और कर्मियों को केंद्रों में मतदाताओं की संख्या वृद्धि हेतु आवश्यक निर्देश दी. मौके पर सुरेश तांती,गौरी देवी, प्रसाद साहू, बुदू उरांव एवं अन्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में सत्यापित किया गया. साथ ही बीएलओ को छूटे मतदाता का नाम जोड़ने का निर्देश दिया है.

अभाविप के नए पदाधिकारियों को बधाई

सिमडेगा । अभाविप की जमशेदपुर में संपन्न प्रांतीय अभ्यास वर्ग में संगठन विस्तार करते हुए डा दीपक झा को सिमडेगा का जिला प्रमुख एवं सौरभ सिन्हा को जिला संयोजक बनाए जाने पर भाजपा किसान मोर्चा दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल के सह प्रभारी ने बधाई दी है. मंगल सिंह का मानना है कि अभाविप एक छात्र संगठन है. जिस तरह विद्यालय में सभी जाति धर्म पंत के लोग एक साथ पढ़ाई करते हैं उसी तरह छात्र संगठन अभाविप दलगत राजनीति से ऊपर अनुशासन और राष्ट्र प्रेम का प्रेरणा प्रदान करता है.

संपूर्णता अभियान का शुभारंभ आज

लोहरदगा । आकांक्षी प्रखण्ड कार्यक्रम अंतर्गत अगले तीन माह तक चलनेवाले संपूर्णता अभियान की शुरूआत आज किस्को प्रखण्ड में होगी. आकांक्षी प्रखण्ड अंतर्गत चयनित किस्को प्रखण्ड में निर्धारित इंडिकेटर्स को लेकर अगले तीन माह तक यह अभियान चलेगा. आज संपूर्णता अभियान अंतर्गत सर्वप्रथम सुबह 9.30 बजे प्रभात फेरी का कार्यक्रम प्रखण्ड स्तरीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा आयोजित किया जाएगा. प्रखण्ड स्तर पर संपूर्णता अभियान का विधिवत शुभारंभ किस्को प्रखण्ड मुख्यालय में अतिथियों द्वारा किया जाएगा.

विवाह मंडप योग केंद्र में की गई साफ-सफाई

गुमला । डुमरडीह के विवाह मंडप प्रांगण का गुरुवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया. योग परिवार के सदस्यों ने श्रमदान से विवाह मंडप के प्रागंण की सफाई की. ज्ञात हो कि विवाह मंडप में स्थानीय युवा नियमित योगाभ्यास करते हैं. योग केंद्र के बाहर गाजर घार बढ़ गया था जिसमें योग केंद्र में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा था. योगाभ्यास के बाद श्रमदान किया गया और परिसर की सफाई की गई. इस अवसर पर श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष जगलाल प्रसाद और सचिव संदीप प्रसाद ने तालाब के समीप पौधरोपण भी किया.

आठवीं पास छात्रों को विदाई दी गयी

चंदवा (लातेहार) । राजकीयकृत मध्य विद्यालय, चंदवा में गुरुवार को एक कार्यक्रम आयोजित की गयी. इस कार्यक्रम में आठवीं पास छात्र व छात्रों को विदाई दी गई. विद्यालय की प्रधानाध्यापिका राधिका कुमारी ने बच्चों से कहा कि कि वे आगे की पढ़ाई खूब मन लगाकर करें और इस विद्यालय के साथ अपने मां-पिता का नाम रौशन करें. उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. शिक्षक इम्तेयाज खान ने कहा कि बिना ज्ञान के मनुष्य का जीवन कोरा कागज के समान है. इसलिए जीवन में खूब पढ़ें आगे बढ़ें और अपने तथा अपने देश का नाम रोशन करें.

लोहरदगावासियों को कब मिलेगी जाम की स्थिति से निजात

बाइपास निर्माण में लगा विराम जाम से जा रही लोगों की जान

हुसैन अंसारी । लोहरदगा

लोहरदगा में लंबे अरसे से बाइपास सड़क निर्माण कार्य की रूपरेखा तैयार पूरी होने के बाद भी निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाए जाने से आए दिन लोग सड़क शहर में सड़क जाम की स्थिति आम हो गई है. लोग बाइपास सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं. जिससे कितने परिवार का चिराग समय से पहले बूझ जा रहा है. यहां पर बता दें कि लोहरदगा शंख नदी से गुमला जिला जाने वाली बक्सीडीपा तक और बरवा टोली चौंक से भंडरा होते हुए रांची को जोड़ने वाली एकमात्र मुख्य सड़क में प्रतिदिन हजारों बड़े छोटे भारी मालवाहक वाहनों का परिचालन होता है.

शहर की मुख्य सड़क किनारे काफी तादाद में दुकान और मकान है जिसमें ग्राहकों की आवाजाही खरीददारी हेतु रोज भीड़ उमड़ती रहती है जिससे जाम की स्थिति बनी हुई रहती है. शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बाइपास सड़क निर्माण कार्य को लेकर काफी समय से मांग भी उठाते रहते हैं. बावजूद बाइपास सड़क निर्माण कार्य को धरातल पर उतारने में देरी किए जाने से शहर में जगह-जगह पर आए दिन जाम होते रहता है, जिससे दुर्घटना को बढ़ावा मिलता है.

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के मुताबिक बाइपास सड़क निर्माण कार्य हो जाने से शहर की सड़कें जाम से मुक्ति मिलती और सड़क दुर्घटना में कमी लाई जा सकती है. परंतु लोहरदगा जिला वासियों की सहूलियत हेतु बाइपास सड़क निर्माण कार्य को मूर्त रूप नहीं दिए जाने से लोग काफी चिंतित और खफा हैं. और तो और स्कूली बसों को भी शहर में जाम के कारण काफी देर तक कड़ी मशक्कत उठाना पड़ता है.

लोहरदगा पैना भीठी सड़क पर जाम में फंसा स्कूली बस.

शहरवासियों ने कहा

लोहरदगा में जाम की स्थिति से निपटने हेतु एनएच रांची द्वारा लोहरदगा बाइपास सड़क निर्माण कार्य को मूर्त रूप दिया जाना है लेकिन रैयतों को जमीन का मुआवजा मामला का निपटारा नहीं हो पाने के कारण बाइपास रोड का कार्य लटका हुआ है. इसे लेकर लोहरदगा शहर वासियों का कहना है कि लोहरदगा शहरी क्षेत्र में अक्सर सड़क जाम की स्थिति उत्पन्न होने का मुख्य वजह बाइपास रोड का कार्य शुरू नहीं किया जाना है. इधर लोहरदगा निवासी **पशुपतिनाथ पारस** ने कहा कि जिला प्रशासन की ढूलमूल रवैया से लोहरदगा बाइपास सड़क का निर्माण कार्य धरातल पर नहीं उतर पा रहा है. उन्होंने विशेष रूप से इस मामले को लेकर आरसीडी विभाग को जिम्मेदार ठहराया है. साथ ही नगर प्रशासन को भी बाइपास सड़क निर्माण कार्य में दिलचस्पी नहीं दिखाए जाने की बात कही है.

वहीं **नेसार अहमद** का कहना है कि लोहरदगा बाइपास सड़क का निर्माण कार्य यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाना चाहिए. उन्होंने शहर में जाम की स्थिति दूर हो इसे लेकर जिला प्रशासन से बाइपास रोड निर्माण कार्य को त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्य को मूर्त रूप देने की बात कही है. साथ ही बाइपास रोड और लोहरदगा शहर में आए दिन जाम के कारण सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु हो जाने पर **सुनील कुमार मेहता** ने कहा है कि लोहरदगा बाइपास सड़क का निर्माण कार्य होने से शहर वासियों के अलावा लोहरदगा जिला वासियों को अकारण सड़क दुर्घटना में जान गंवानी नहीं पड़ेगी. उन्होंने जिला प्रशासन और एनएच रांची से लोहरदगा बाइपास रोड निर्माण कार्य को चालू करने को लेकर आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि बाइपास सड़क निर्माण कार्य में पूर्ण विराम को जल्द दूर कर जनहित में काम शुरू कर दिया जाना चाहिए जिससे शहर की जाम से लोगों को मुक्ति मिलती और सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु दर में भी कमी दिखाई देता.

हाथी द्वारा हुए नुकसान का लिया जायजा

कुड़ू/लोहरदगा । झारखंड आंदोलनकारी नेता सह पूर्व विधायक स्वर्गीय कमल किशोर भगत के छोटे भाई झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत ने एक दो महीना से लोहरदगा जिला अंतर्गत कुड़ू, कैरो और भंडरा प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड द्वारा किसानों के फसलों और गरीबों के आशियाने को नुकसान करने एवं कई गरीबों के जान-माल के नुकसान का जायजा लेने पहुंचे झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत ने पीड़ित परिवारों से मुखातिब होते हुए उनका कुशलक्षेम जाना एवं हाथियों द्वारा किए गए नुकसान के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी लिया. इस बीच अनिल कुमार भगत ने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया और कहा कि जिला प्रशासन से मिलकर हर हाल में क्षतिपूर्ति दिलाने हेतु का सकारात्मक प्रयास किया जाएगा.

जनता को स्वास्थ्य लाभ मिले यह सुनिश्चित करें कर्मी : डीसी

संवाददाता । लोहरदगा

उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई. बैठक में सर्वप्रथम गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन, एमटीसी केंद्रों की स्थिति, टीबी व कुष्ठ रोगियों की जांच व वर्तमान स्थिति, मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर आदि बिंदुओं की विस्तृत रिपोर्ट पर चर्चा की गई और आवश्यक निदेश सिविल सर्जन, लोहरदगा को दिये गये. घर-घर उच्च रक्तचाप और मधुमेह के रोगियों की पहचान के लिए अभियान चलाये जाने का निदेश दिया गया.

आयुष्मान भारत अंतर्गत प्राप्त आवंटन व उसके व्यय और शेष के स्थिति की समीक्षा उपायुक्त द्वारा की गई. सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व सदर अस्पताल को प्राप्त फंड और उसके व्यय व शेष के स्थिति की समीक्षा उपायुक्त द्वारा की गई और शेष राशि के उपयोग हेतु कार्ययोजना तैयार किये जाने का निदेश दिया गया. सिविल सर्जन को प्रत्येक माह पंचायतों में स्वास्थ्य शिविर के आयोजन हेतु कार्ययोजना बनाने और उसका अनुपालन किये जाने का निदेश दिया गया.

बैठक में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक व अन्य उपस्थित थे.

लाभुक समिति का किया गया गठन

अध्यक्ष वहाब और सचिव फखरुद्दीन बने

संवाददाता । पेशरार/लोहरदगा

जिले के अति सुदूरवर्ती एवं घोर उग्रवाद प्रभावित पेशरार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सीरम के बारियातू गांव में कब्रिस्तान की घेराबंदी एवं सुंदरीकरण हेतु ग्राम प्रधान चरकू यादव की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया. इस बीच ग्रामसभा में अध्यक्ष और सचिव पद के लिए चुनाव प्रक्रिया अपनाया गया. जिसमें ग्रामसभा में वहाब अंसारी अध्यक्ष और सचिव पद के लिए फखरुद्दीन अंसारी का नाम सामने आया. जिसको लेकर ग्रामीणों ने वोटिंग की जिसमें अध्यक्ष वहाब अंसारी एवं सचिव पद के फकरुद्दीन अंसारी को ग्रामीणों का समर्थन मिला.

आयोजित ग्रामसभा में मौजूद लोग.

इधर, नव चयनित अध्यक्ष एवं सचिव ने कहा कि जनहित में कब्रिस्तान घेराबंदी को गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराए जाने में शत-प्रतिशत सरकारी मानकों को अपनाया जाएगा. मौके पर ग्राम प्रधान चरकु यादव, सुलेंद्र प्रसाद, सनुद अंसारी, सरवर अंसारी, औरंगज़ेब, हेसमुल, मुस्ताक, मुंतजिर, समीर, मेराज, मनान, वाहिद, अब्बास अंसारी आदि उपस्थित थे.

अरविंद कुमार तिवारी बने चैनपुर मुखिया संघ के अध्यक्ष

संवाददाता । मेदिनीनगर

चैनपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बूढ़ीवीर के मुखिया अरविंद कुमार तिवारी को चैनपुर प्रखंड मुखिया संघ का अध्यक्ष चुना गया है. गुरुवार को चैनपुर स्थित वन विश्रामागार में आयोजित बैठक में उक्त आशय का निर्णय लिया गया. बैठक में बसरिया पंचायत के मुखिया नितेश कुमार सिंह को सचिव व पंचायत के मुखिया बसंत राम व मुस्तफा अंसारी को उपाध्यक्ष चुना गया. कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी खुरा पंचायत की मुखिया निर्मला देवी को दी गई. बैठक की अध्यक्षता मुखिया निर्मला देवी ने की. बैठक में मुखिया पपलू दुबे, दीनानाथ मांझी, लाल बहादुर भुईयां, नेहा प्रवीण, बबिता देवी, धनवंती देवी, अनीता देवी, सुनीता देवी, जितेंद्र यादव, पार्वती देवी, जमीला बीबी, पार्वती देवी, कुसुम देवी आदि मौजूद थे.

शिक्षकों को समारोह में दी गयी विदायी, राजश्री बोले-

जब योगदान होता है उसी दिन सेवानिवृत्त का दिन तय होता है

संवाददाता । लातेहार

पोचरा सीआरसी के सरकारी शिक्षक सुशील कुमार सिंह एवं सहायक अध्यापक छवि सेवानिवृत हो गये. उनकी सेवानिवृति के बाद एक समारोह आयोजित कर उन्हें भावभानी विदायी दी गयी. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजश्री पूरी, बीआरपी नाहिद जमाल, सुबोध चंदेल, बीआरपी-सीआरपी संघ के जिला अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद अग्रवाल, सहायक अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार व सेवानिवृत शिक्षक रामचरित्र सिंह मौजूद थे.

मंच का संचालन सहायक अध्यापक अनूप कुमार एवं रमिल तूरी ने किया. बीइओ ने दोनों शिक्षकों के कार्यकाल को संतोषजनक बताया और कहा कि सरकारी सेवा में सेवानिवृति व स्थानांतरण एक सहज प्रक्रिया है. जिस दिन योगदान देते हैं, उसी दिन सेवानिवृति की तिथि भी तय हो जाती है. सहायक अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार व कन्हाई अग्रवाल ने कहा कि दोनों शिक्षकों ने पूरी तन्मयता से अपना कार्यकाल पूरा किया है. उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की.

हाई स्कूल पोचरा के प्रभारी प्रधानाध्यापक विकाश कुमार शर्मा एवं अभिनय कुमार मिश्र ने भी दोनों शिक्षकों के कार्यकाल की प्रशंसा की. वर्ग पांच का विद्यार्थी रोहित उरांव ने भावनात्मक विदायी गीत गाकर लोगों को भावुक कर दिया. मौके पर मनोज कुमार मिंज, दिलीप प्रसाद, महेश गुप्ता, प्रेम प्रकाश सिंह, स्लिजाबेक भेंगरा आदि मौजूद थे. धन्यवाद ज्ञापन सीआरसी पोचरा के सीआरपी रंजीत कुमार पांडेय ने किया.

साइंस ओलंपियाड परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को मिला प्रमाण पत्र

गुमला । साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन लेवल टू परीक्षा में उत्कृष्ट अंक से सफलता हासिल करने वाले डीएवी के विद्यार्थियों को प्राचार्य डा. रमाकांत साहु ने प्रार्थना सभा में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान कर किया. इन सभी छात्र -छात्राओं का चयन अगले स्तर की परीक्षाओं के लिए किया गया है. गुरुवार की प्रार्थना सभा में ख्याति मंत्री, अश्विन गुप्ता, प्रत्यूष कुमार सिंह, आदित्य, अरमान गुप्ता, आदित्य आर्यन, चेतन साहू, श्रुति मलानी, अयान मेहता, ताशा झा को सम्मानित किया गया. स्तर-एक की परीक्षा में शामिल साकेत कुमार और प्रणव राज गुप्ता को भी प्रमाण पत्र दिया गया. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ रमाकांत साहू एवं गणित शिक्षक अभिजीत झा को भी साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन की ओर सम्मानित किया गया. विद्यालय प्रबंधन के तहत गुरुवार को छात्र-छात्राओं के बीच दायित्वों की जिम्मेवारी दी गई.

महुआडांड़ ने हेरहंज को हरा कर खिताब पर कब्जा जमाया

संवाददाता । लातेहार

महुआडांड़ प्रखंड ने हेरहंज प्रखंड को हरा कर जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टुर्नामेंट के अंडर-15 बालक वर्ग के खिताब पर कब्जा जमाया. इससे पहले बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल किक कर फाइनल मैच का उदघाटन किया. उन्होने टॉस भी किया. आयोजन समिति ने श्री उरांव को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया. मौके पर संबोधित करते हुए उरांव ने कहा कि ऐसे प्रतियोगिताओं से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलता है. उन्होने कहा कि लातेहार में खेल प्रतिभाओं को कमी नहीं है. बस जरूरत है उन्हें एक मंच प्रदान करने की और यह प्रतियोगिता उनके लिए एक बेहतर मंच साबित हो रहा है. सर्व शिक्षा अभियान के अतिरिक्त

कार्यक्रम पदाधिकारी अनूप माइकल केरकेट्टा ने कहा कि इस आयोजन का उदेश्य खेल प्रतिभाओं को मौका देना है. कई अच्छे खिलाड़ी इस प्रतियोगिता से निकल कर आये हैं. उन्होने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की बात कही. जिप सदस्य ने विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया. मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजश्री पूरी, बीपीओ सुबोध कुमार चंदेल, नरेश लाल रवि, कन्हाई प्रसाद अग्रवाल, चंदन कुमार चंद्र, प्रमोद कुमार, आशीष कुमार, मनीष कुमार, उदय कुमार, निरंजन सिंह, दिलीप प्रसाद, मनोज मिंज, प्रदीप टोप्पनो, छोटन उरांव व दिलीप सिंह आदि मौजूद थे.

श्रम अधीक्षक ने कैंप लगाकर दी योजनाओं के बारे में जानकारी

लोहरदगा । श्रम अधीक्षक दीप्ति लॉरी तिर्की के द्वारा प्रखंड कुड़ू के चंदलासो पंचायत सचिवालय भवन में कैंप लगाकर लोगों को जागरूक किया गया एवं झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधन कराने हेतु जानकारी दी गई. झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधित करने के बाद श्रमिकों को निम्न लाभ से लाभान्वित किया जा सकता है. यहां पर जानकारी दी गई और बताया गया कि निर्माण श्रमिक सेफ्टी किट योजना, श्रमिक औजार सहायता योजना, मेधावी पुत्र-पुत्री छात्रवृत्ति योजना, मातृत्व प्रसुविधा योजना, विवाह सहायता योजना, चिकित्सा सहायता योजना, श्रमिक मृत्यु, अंत्येष्टि सहायता योजना, पेंशन योजना, पारिवारिक पेंशन योजना इत्यादि योजनाओं की जानकारी दी गई. मोहम्मद तौसीफ अंसारी, मुखिया दशमती उरांव एवं श्रमिक मित्र मंजू देवी उपस्थित थे.

दिया संदेश

भोजपुरी गायक सह अभिनेता अंकुश राजा ने छतपुर के काव्या होटल में कहा

भोजपुरी संगीत में काफी सुधार की जरूरत है

संवाददाता । छतरपुर/पलामू

भोजपुरी गायक सह अभिनेता अंकुश राजा ने छतरपुर के काव्या होटल में कहा कि आज के दौर में भोजपुरी संगीत में काफी सुधार की जरूरत है. इस पर गायकों के साथ-साथ दर्शकों को भी ध्यान देने की जरूरत है. अंकुश राजा ने कहा कि अब तक उनके द्वारा भोजपुरी गीत संगीत से जुड़ा करीब 200 एलबम बनाया गया है. उनके सभी एलबम में समाज सुधारने का संदेश दिया गया है. उन्होंने कहा कि उनका प्रयास होता है कि उनके जो भी एलबम बाजार में आए वह समाज को एक अच्छा संदेश देता आए. अंकुश राजा ने कहा कि

अंकुश राजा

आने वाले दिनों में वे रांची समेत पलामू के छतरपुर, नेतरहाट व हजारीबाग के इलाकों में फिल्म की शूटिंग करेंगे. आज जो लोग विदेश में जाकर फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, वहीं काम झारखंड व बिहार में किया जा सकता है. इस क्षेत्र में झारखंड सरकार को भी ध्यान देने की जरूरत है. बताया गया कि जल्द ही उनका देवघर पर भी एक एलबम मार्केट में आने वाला है.

उन्होंने बताया कि झारखंड के लोग भोजपुरी संगीत की दुनिया में काफी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और उनके फिल्म की शुटिंग में यहां के छोटे कलाकारों को भी जगह दी जाएगी. अंकुश राजा का हाल का जय मां ताराचंडी फिल्म मार्केट में सुपर डुपर रहा है. इस मौके पर मुन्ना पाठक, अरुण सवेरा, कैलेंडर जी, अंकुश राजा के पिताजी लखन बाबा, दया दुबे एवं अनूज यादव आदि मौजूद थे.

चालू मोटरों को बेचा जा रहा कबाड़ में: परशुराम

मेदिनीनगर। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष परशुराम ओझा ने पीएचइडी मंत्री को पत्र लिखकर चालू मोटरों को कबाड़ में देने का आरोप लगाया है. मेदनीनगर नगर निगम में विभाग द्वारा 12-13 नये मोटर लगाये गये थे. अभी जिन मोटरों को खोला गया वे चालू हालत में थे. ऐसा पहले भी किया गया है. 4 जुलाई को 12-13 मोटरों को ट्रक पर लोड कर दिया गया है, जबकि कबाड़ा में वही सामान देना है जो कामयाब नहीं है. लेकिन जो मोटर पंप आगे काम दे सकता था उसको भी कबाड़ी वालों को दे दिया गया है.

खिलाड़ी हमेशा खेल भावना से खेलें : देव

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड के बंदुआ गांव में चंद्रशेखर आजाद क्लब द्वारा आयोजित कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद बैटिंग कर किया. क्लब के अध्यक्ष ने अंगवस्त्र देकर श्री देव का स्वागत किए. इस मौके पर अविनाश देव ने कहा कि आज क्रिकेट की दिवानगी खेत-खलिहानों से लेकर अंतर्राष्ट्रीय मैदानों तक बरकरार है. असली प्रतिभा तो गांव से ही निकलती है, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमकेतु की तरह छा जाता है.

आकांक्षी प्रखंड, बांसजोर से संपूर्णता अभियान, मेले का शुभारंभ

सिमडेगा । नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकाशी प्रखंड कार्यक्रम का 4 जुलाई 2024 को सिमडेगा जिला के आकांक्षी प्रखंड, बांसजोर से संपूर्णता अभियान मेले का अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया. यह कार्यक्रम में आज से 30 सितंबर 2024 तक चलेगी. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित छह इंडिकेटर्स पर लोगों को जागरूक करते हुए परिपूर्णता किया जाएगा. कार्यक्रम में उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह, देशमुख (सीजीआई), उप विकास आयुक्त, एलआरडीसी. डॉ अजीत खलखो, अरुणा कुमारी आदि उपस्थित थे.

खनन विभाग ने चलाया छापेमारी अभियान, अवैध बालू किया जब्त

संवाददाता । मनिका (लातेहार)

जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, भंडारण व परिवहन को रोकने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सर्तक है. उपायुक्त के निर्देश पर खनन विभाग के द्वारा लगातार छापामारी की जा रही है. थाना क्षेत्र के जगतू और कोपे ग्राम में अवैध रूप से भंडारण किये गये बालू को खनन व पुलिस विभाग के अधिकारियों ने जब्त किया है. थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि अवैध बालू भंडारण किये जाने की सूचना मिली थी. सूचना की सत्यापन के बाद खनन व पुलिस विभाग के द्वारा छापामारी की गयी. इस छापामारी में अवैध रूप से भंडारण कर रखे गये बालू को जब्त किया गया. उन्होने कहा कि भंडारण करने वाले लोगों को चिन्हित किया जा रहा है. मौके पर खान निरीक्षक पद्मलोचन, अंचल अधिकारी संतोष कुमार शुक्ला, थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा व अंचल निरीक्षक अमित कुमार समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

बीडीओ ने की मतदाता सर्वेक्षण कार्य की जांच

हजारीबाग। टाटी झरिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा गुरुवार को घर घर सर्वेक्षण की जांच टाटीझरिया पंचायत के होलंग एवं बिसाई में की गई. झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने और सभी योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, मृत, विवाह के कारण स्थायी रूप से बाहर जाने, किराएदार का संबंधित मतदान केंद्र से अन्यत्र चले जानेवाले मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटाने, रिपीटेड मतदाता का एक जगह से नाम हटाने सहित मतदाता का नाम, फोटो आदि में सूधार हेतू घर घर सर्वे का कार्य किया गया. बीडीओ द्वारा घर घर सर्वेक्षण कार्यक्रम के दौरान पेंशन से संबंधित तीन मामलों का निपटारा ऑन द स्पॉट किया गया.

सम्पूर्णता अभियान के तहत निकली प्रभातफेरी

चौपारण। नीति आयोग के अंतर्गत आकांक्षी प्रखंड चौपारण में सम्पूर्णता अभियान के तहत अभियान की शुरुआत हुई. प्रखंड सभागार में बीडीओ सीमा कुमारी एवं सीओ सह प्रभारी सीडीपीओ संजय यादव की अध्यक्षता में की गई. सर्वप्रथम विद्यालयों के बच्चों द्वारा ब्लॉक परिसर से प्रभातफेरी निकाली गई, जिसमें बीडीओ सीमा कुमारी व बीईईओ राकेश सिंह, आकांक्षी प्रखंड फेलो अधिकारी नीति आयोग की गरिमामयी उपस्तिथी रही. वहीं 11 बजे प्रखंड सभागार में कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसका उद्घाटन बीस सूत्री अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, उप प्रमुख प्रीति गुप्ता, बीस सूत्री उपाध्यक्ष विकास यादव, विधायक प्रतिनिधि रामफल सिंह, नीति आयोग से आए सचित जिंदल इत्यादि द्वारा किया गया.

बिजली करंट से एक व्यक्ति की हुई मौत

रामगढ़। चितरपुर पूर्वी पंचायत अंतर्गत कुरमी टोला में गुरुवार को बिजली करंट से एक व्यक्ति कि मौत हो गई. जानकारी के अनुसार अघनु चौधरी (42) बकरी चराने के लिए दसवेल के समीप हड़िया टांड़ गया हुआ था. इसी दौरान 420 वोल्ट तार की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. रजरप्पा थाना प्रभारी रंजीत महतो घटनास्थल पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ भेज दिया. मृतक अघनु महतो काफी गरीब था. वह मजदूरी कर किसी तरह अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करता था. वह अपने पीछे पत्नी सहित एक पुत्र व एक पुत्री छोड़ गया है. उनके निधन से परिवार के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. मुखिया भानुप्रकाश महतो ने जिला प्रशासन से भुक्तभोगी परिजन को उचित मुआवजा देने की मांग की है.

गुमशुदा महिला को परिवार को सौंपा

रामगढ़। जिला प्रशासन ने चार वर्षों से गुमशुदा मानसिक रूप से अस्वस्थ 36 वर्षीय महिला को परिवार को सौंप दिया. महिला को पहले स्वधार गृह में आश्रय दिया गया था. बाद में 31 मार्च को स्वाधार गृह की सभी आश्रितों को छत्तरमांडू स्थित वन स्टॉप सेंटर, जेल रोड रामगढ़ में स्थानांतरित किया गया था. इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक तिर्की एवं वन स्टॉप सेंटर रामगढ़ के केंद्र प्रशासक दुख हरण महतो द्वारा महिला को उनके परिवार से मिलाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य किए गए. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं केंद्र प्रशासक उत्तरी 24 परगना पश्चिम बंगाल से पत्राचार किया गया. साथ ही दूरभाष सहित अन्य माध्यमों से लगातार संपर्क कर आखिरकार महिला के परिवार वालों का पता लगाया गया.

बैठक में विभिन्न मुद्दों पर किया गया मंथन

कटकमसांडी। प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को बीससूत्री क्रियान्वयन समिति की बैठक अध्यक्ष सरयू यादव की अध्यक्षता में की गई. बैठक में अबुआ आवास, मनरेगा, रोमी में 15वें वित्त की राशि के गबन, कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय में बच्चों के नामांकन, शिक्षा विभाग में आए राशि के आवंटन, कृषि विभाग के ऋण माफी, नए केसीसी व कृषि उपकरण वितरण पर चर्चा व बहस के साथ साथ उक्त योजनाओं पर विस्तृत जानकारी ली गई. बैठक में रोमी से पगमिल तक एलएनटी द्वारा बिछाए जा रहे पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे से राहगीरों को हो रही परेशानियों को लेकर पीएचईडी को आगाह करने एवं मिट्टी फिलिंग कराने एवं विभाग को संवेदक पर कार्रवाई किए जाने की मांग रखी गई.

हजारीबाग जिले में भूमाफिया कर रहे जमीन की लूट, किसी ने स्कूल की जमीन पर गाड़ दिया क्रॉस तो किसी ने बना दी है मीनार

स्कूल और अस्पताल के नाम पर सरकारी जमीन पर किया जा रहा कब्जा

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

शुभम संदेश टीम। हजारीबाग

जिले में इन दिनों सरकारी जमीन पर कब्जा करने का खेल खूब चल रहा है. कोई शिक्षण संस्थान के नाम से, तो कोई अस्पताल के नाम पर यह गोरखधंधा चला रहा है. अब तो स्कूल की ही जमीन पर क्रॉस गाड़ रहा है, तो कोई मीनार बना रहा है. यहां तक कि अब जाति धर्म के नाम पर भी जमीन की लूट शुरू हो गई है. ऐसे में अगर विभाग मौन धारण कर बैठा रहा तो आने वाले पांच साल में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की सरकारी जमीन का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा.

दरअसल हजारीबाग जिले में भू-माफिया का आतंक देखा जा रहा है. पहले भू माफियाओं ने शहर के खास महल और गैरमजरूआ जमीन पर कब्जा किया और अब धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्रों में भी विभिन्न तरीकों से सरकारी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है. इस संबंध में तरवा खरवा, दीपू गडा और डुमरैन के सैकड़ों ग्रामीणों ने बताया कि शहर से भू माफिया गांव में आकर शिक्षण संस्थान खोलने की बात कह कर ओने, पोने रेट में कुछ राखी जमीन को पहले खरीदते हैं. इसके बाद आसपास के खास महल और गैरमजरुआ जमीन कुछ ग्रामीणों को प्रलोभन देकर खरीद ले रहे हैं. इसके बाद कॉलेज और हॉस्पिटल खोलकर व्यापार करते हैं. जबकि सच्चाई यह है कि उनके कॉलेज में रजिस्टर पर छात्र हैं, लेकिन कॉलेज में उनकी उपस्थिति नहीं है. यहां तक कि अस्पताल में मरीज जाते हैं लेकिन इलाज नहीं होता है.

पांच एकड़ सरकारी जमीन पर शिक्षण संस्थान के नाम पर कब्जा

डुमरौन उर्दू मध्य विद्यालय स्कूल गेट पर बनी मीनार .

केस संख्या 01

इचाक प्रखंड के डुमरौन स्थित उर्दू मध्य विद्यालय में गांव के ही कुछ लोगों ने सरकारी स्कूल की जमीन को अपना बता रहे थे और रातों-रात स्कूल के मुख्य द्वार पर मीनार बना दिया गया.

के संख्या 02

शहर के दीपू बड़ा वार्ड 5 मरियम टोला में स्थित नव प्राथमिक विद्यालय में 20 डिसमिल जमीन स्कूल का था और 10 डिसमिल जमीन में स्कूल बना हुआ है और जो खाली जमीन है उस पर अब अन्य समुदाय के लोगों को लाकर जमीन को अपना बताया जा रहा है.

केस नंबर 03

ग्रामीणों के अनुसार सदर प्रखंड के हुड़का स्थित तरवा खरवा में एक भूमाफिया ने शहर से जाकर शिक्षण संस्थान के नाम पर गांव के लोगों से कुछ जमीन ओने पोने रेट पर खरीदी और फिर लगभग पांच एकड़ गैरमजरुआ जमीन पर शिक्षा संस्थान खोलने के नाम पर बाउंड्री करवा दी है. खरीदी हुई जमीन पर बिल्डिंग बना दी गई है, जबकि सच्चाई यह है कि शिक्षण संस्थान के संचालक शहर में कार्यालय रखकर रजिस्टर पर छात्रों के नामांकन लेते हैं.

केस नंबर 04

हजारीबाग सदर प्रखंड के करवा में भू-माफिया ने लगभग 40 एकड़ सरकारी जमीन पर 15 साल पहले अस्पताल के नाम पर कब्जा कर लिया है. जमीन पर थोड़ा बहुत संस्था के नाम पर अस्पताल खोला गया है जो शाम 5:00 बजे के बाद मरीज का इलाज नहीं करता है. बची हुई जमीन पर खेती की जा रही है.

गाड़ी से बारह गैलन में अंग्रेजी शराब बनाने वाला स्पिरिट बरामद

लग्जरी कार में अवैध स्पिरिट सहित दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता। चौपारण

चौपारण पुलिस की ओर से नकली शराब बनाने और सप्लाई करने वालों के खिलाफ लगातार बड़ी कार्रवाई कर नकेल कसने का प्रयास जारी है. इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक को बुधवार रात्रि में गुप्त सूचना मिली की बरही जीटी रोड की तरफ से चौपारण होते हुए बिहार की ओर एक वाहन जा रहा है, जिस पर अवैध अंग्रेजी शराब बनाने वाला नकली स्पिरिट लोड कर बिहार ले जाया जा रहा है. इस सूचना पर थाना प्रभारी दीपक सिंह पुलिस बल के साथ चोरदाहा चेक पोस्ट पर नाका लगाकर बरही की ओर से आने वाले सभी वाहनों की गहनता से चेकिंग शुरू की. इसी बीच करीब 4:00 बजे सुबह टाटा टिगोर वाहन आता हुआ दिखाई दिया, जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से रुकने का इशारा किया गया. जवानों को देखकर चालक व अन्य अपनी गाडी को चेक पोस्ट के पास रोककर भागने लगे. इस पर सशस्त्र बल ने खदेड कर अनुज कुमार, पिता रविन्द्र सिंह सा थाना- काशमा जिला- औरंगाबाद (बिहार) एवं अमितेंद्र कुमार, पिता हरेंद्र प्रसाद सिंह, सा. सिद्धार्थ नगर, थाना- मदनपुर, जिला- औरंगाबाद (बिहार) दोनों को पकड़ लिया गया. पकडाये व्यक्तियों से पूछताछ कर गाड़ी की विधिवत तलाशी लेने पर गाड़ी के अंदर अंग्रेजी शराब बनाने वाला बारह गैलन में स्पिरिट बरामद किया गया. इस संबंध में चौपारण थाने में उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत कांड दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. वहीं छापामारी दल में प्रभारी थाना दीपक कुमार सिंह, निलेश कुमार रंजन, बिंदेश्वर महतो, जगदीश चंद्र प्रधान एवं चौपारण थाना सशस्त्र बल शामिल थे.

अवैध स्पिरिट लदी जब्त लग्जरी कार

खास बातें

- नकली शराब के कारोबार पर नकेल कसने का प्रयास
- पुलिस अधीक्षक को मिली सूचना पर हुई कार्रवाई

केरेडारी के होटल में लोडेड हथियार छोड़ भागे अपराधी

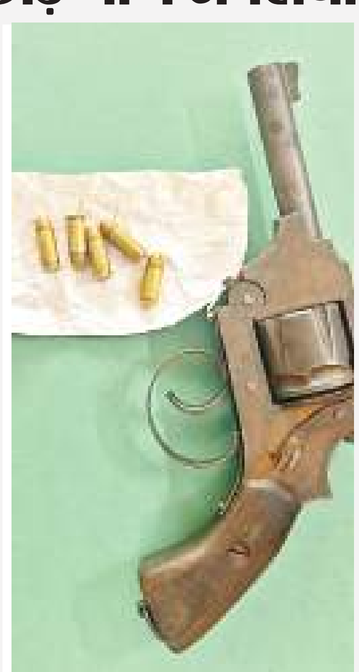

केरेडारी। पुलिस ने बुधवार रात्रि में थाने से पांच सौ मीटर की दूरी पर चल रहे विकास होटल से पांच गोली लोडेड पिस्टल बरामद किया. इस संबंध में थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पिस्टल के साथ कुछ युवक विकास होटल में खाना खाने के बहाने किसी घटना को अंजाम देने की नियत से रणनीति बना रहे हैं. इसका सत्यापन करने के लिए पुलिस ने उक्त स्थल पर छापामारी की, परंतु इसके पूर्व ही पुलिस के आने की भनक युवकों को मिल गई और वे लोग आनन फानन में पिस्टल छोड़कर फरार हो गए. इस बीच पुलिस बल के जवानों ने युवकों भागते देखकर उन दोनों को पीछा किया, लेकिन दोनों अंधेरा व वर्षा होने का लाभ उठाते हुए भाग गये. इसके बाद जवानों ने होटल में तलाशी की तो खाने की टेबल के पास से पांच गोली भरा पिस्टल बरामद हुआ. इस संबंध में गुरुवार को अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज कर पुलिस छानबीन में जुटी हुई है.

वाहन चेकिंग के दौरान चलाई लाठी, सिर फटा

हजारीबाग। जिले में ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वालों के साथ अब सख्ती भी बरती जा रही है. इसी क्रम में गुरुवार को बरकट्ठा में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था. इस दौरान बरकट्ठा उप स्वास्थ्य केंद्र का कर्मी मोनू कुमार बिना हेलमेट पहने अपनी बाइक से वहां से गुजर जा रहा था. ड्यूटी पर मौजूद एक जांच अधिकारी ने बिना हेलमेट पहने देख बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक 10 कदम आगे बढ़ गयी. इसके बाद जांच कर्मी ने स्वास्थ्य कर्मी पर लाठी बरसा दी, जिसमें बाइक सवार का सिर फट गया और खून निकलने लगा.

यूथ विंग के संरक्षक ने की गौ सेवा

संवाददाता। हजारीबाग

सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अपनी अलग पहचान स्थापित करने वाली संस्था हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक सह हजारीबाग गौशाला के पूर्व सचिव चंद्र प्रकाश जैन गुरुवार को रानीगंज की पावन धरती पहुंचे, जहां उन्होंने सर्वप्रथम सबसे पहले नवनिर्माण भव्य श्याम मंदिर का दर्शन कर बाबा श्याम की आरती ली. तत्पश्चात उन्होंने मंदिर में बाबा के भजनों का आनंद लिया. इसके पश्चात उन्होंने कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा संचालित रानीगंज गौशाला परिसर पहुंचे जहां पर समाजसेवी अनिल जैन एवं रानीगंज की प्रसिद्ध गायिका स्वेता रुनझुन द्वारा अंग वस्त्र एवं श्री कृष्ण की स्मृति चिन्ह भेंट कर उनको सम्मानित किया गया. इसके पश्चात उन्होंने गौशाला परिसर का भ्रमण करते हुए गौ माता की सेवा की. गौशाला परिसर में गौ माता के लिए बेहतर सुविधाएं रखी गई हैं. गौशाला में 350 से भी अधिक गाय वर्तमान में मौजूद हैं.

चौकीदार सीधी भर्ती : कुल 9 स्थलों पर अभ्यर्थी प्राप्त कर सकेंगे प्रशिक्षण

प्रशासन देगा अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ जिले में चौकीदार के पद पर सीधी भर्ती को लेकर उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी से लेकर परीक्षा परिणाम के संभावित तिथि तक की समय सारणी जारी कर दी गयी है. इस दौरान उपायुक्त के निर्देश पर विशेष पहल करते हुए जिन अभ्यर्थियों ने भी आवेदन दिया है उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा जो कि 28 जुलाई 2024 को निर्धारित है, के लिए निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा. इस दौरान रामगढ़ जिले के विभिन्न प्रखंडों में कुल 9 स्थलों पर प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है. जो भी अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं वे अपने-अपने निकटतम स्थल तक जाकर निशुल्क रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं.

अभ्यर्थी रामगढ़ कॉलेज रामगढ़ में अजय करमाली दूरभाष संख्या 8340249228, सिदो कान्हू स्टेडियम बाजारटांड रामगढ़ में भोलानाथ महली 8521422407, श्रमिक स्टेडियम सिरका रामगढ़ में अजय डीसुलवा 620737 4562, चितरपुर प्रखंड में डीएवी रजरप्पा स्टेडियम में सीडी सिंह 7488 300965, गोला प्रखंड में पूरबदीह मैदान गोला में उत्तम कुमार 8002336056, दुलमी बाजार टांड मैदान में जगरनाथ महतो 748805674, पतरातू प्रखंड में सेंट्रल सौंदा स्टेडियम भुरकुंडा में मोहम्मद कमरुद्दीन 9576543731, रेलवे खेल मैदान बरकाकाना में सुमित कुमार 8877593137 एवं पब्लिक हाई स्कूल कुज्जू मांडू में कैलिस कुमार महतो 930433270 पर संपर्क कर निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने शारीरिक दक्षता परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं.

बता दें कि चौकीदार भर्ती के तहत जिला प्रशासन, रामगढ़ द्वारा जारी किए गए समय सारणी के अनुसार चौकीदार सीधी भर्ती के तहत जो भी आवेदन पूर्व में प्राप्त हुए हैं उनकी स्क्रूटनी का कार्य 1 जुलाई से 7 जुलाई तक किया जाएगा. वहीं 8 जुलाई से 15 जुलाई तक अभ्यर्थी दावा आपत्ति दे सकेंगे. 21 जुलाई को लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा. अभ्यर्थियों के शारीरिक दक्षता की जांच 28 जुलाई को की जाएगी. परीक्षा फल प्रकाशन की तिथि 29 जुलाई 2024 संभावित है.

ट्रक ने बाइक सवार को कुचला घटनास्थल पर ही हो गई मौत

संवाददाता। हजारीबाग

अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई. पहली घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ओरिया ओवरब्रिज के समीप बुधवार देर रात्रि करीब 10 बजे हुई. ट्रक की चपेट में आने से युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान गोमीया के साड़म निवासी दीपक कुमार कश्यप के रूप में हुई है. इस संबंध में मृतक की बाइक पर सवार सूचक ओमप्रकाश गुप्ता ने मुफस्सिल थाने में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है. डेमोटांड स्थित प्रिंटिंग प्रेस से देवघर यूनिट का अख़बार लेकर देवघर वाली बस में देने बाइक से दीपक और ओमप्रकाश जा रहे थे. बाइक दीपक चल रहा था और ओमप्रकाश पीछे बैठा था. ओरिया ओवरब्रिज के समीप बाइक की बाईं तरफ से एक ट्रक ओवरटेक कर रहा था. इस क्रम में ट्रक ने बाइक को धक्का मार दिया, जिससे चालक बाई तरफ ट्रक की ओर गिर गया और हेलमेट सहित चक्का उसके सिर पर चढ़ जाने से घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई. धक्का मार कर ट्रक फरार हो रहा था, लेकिन सिंहनी के पास उसको पकड़ लिया. हालांकि ट्रक चालक वहां से फरार हो गया. वहीं दारू थाना क्षेत्र में धनबाद की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 45 वर्षीय बुजुर्ग की घटना स्थल पर मौत हो गई. खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी.

मृतक का फाइल फोटो

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ग्राम स्वराज यात्रा में बोले शांतनु

अधिकार के लिए जनांदोलन जरूरी

संवादाता। रामगढ़

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ग्राम स्वराज यात्रा प्रदेश उपाध्यक्ष शांतनु मिश्रा के नेतृत्व में 16वें दिन गोला प्रखंड के मगनपुर से शुरू हुई. इस दौरान मिश्रा ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि पंचायत को पूर्ण अधिकार बगैर बड़े जन आंदोलन के नहीं मिलेंगे. पंचायती राज संस्थाओं को अधिकार दिलाना ग्राम स्वराज यात्रा का मुख्य उद्देश्य है.

73वें और 74में संशोधन के बाद पंचायत को संवैधानिक अधिकार तो मिल गया लेकिन आज भी जमीन पर वह अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है. पंचायत को अधिकार दिए बिना ग्राम स्वराज नहीं आ सकता है और जब तक ग्राम स्वराज नहीं आएगा तब तक इस देश में गांव में आजादी अधूरी है, पूरी आजादी के लिए ग्राम स्वराज जरूरी है. देश में एक बड़ा जन आंदोलन खड़ा हो रहा है और सरकारों को ग्राम स्वराज देना होगा. महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, पंडित जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ भीमराव अंबेडकर, सावित्रीबाई फुले सहित तमाम स्वतंत्रता सेनानियों ने देश में शासन का जो सपना देखा था उसमें पंचायती राज और ग्राम सभा सबसे प्रमुख थी. पंचायती राज ही सत्ता के विकेंद्रीकरण का रास्ता है. पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से यह यात्रा रामगढ़ विधानसभा में निकाली गई है. यह यात्रा गांव गांव जाकर लोगों को पंचायती राज के अधिकार और लाभ के बारे में बता रही है, सजग कर रही है.इस यात्रा में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अजीत करमाली, अली ईमाम, मोहम्मद जमाल, अब्दुल अहद, मोहम्मद जब्बार, मंडल अध्यक्ष गुलाम सरवर व लखेश्वर महतो, सुरेश रविदास, बिनोद करमाली, लुकमान अंसारी, देवलाल महतो, कौशर रजा, जलेबी नायक, सिद्धांत करमाली, खुर्शीद आलम, सरफराज अंसारी आदि शामिल रहे.

लोगों को संबोधित करते राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के शांतनु मिश्रा.

विभाविवि में वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष को दी गई विदाई

संवाददाता। हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सीटीएन सिंह के कार्यकाल की समाप्ति के उपरांत उन्हें विभाग द्वारा विदाई दी गई. पूर्ववर्ती विभागाध्यक्ष डॉ. ईएन सिद्दीकी एवं डॉ. पीके मिश्रा भी उपस्थित थे. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने पौधा देकर सभी का स्वागत किया. संजना द्वारा स्वागत गान और संध्या ने मनोरम स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अविनाश कुमार ने छात्रों को वनस्पति विज्ञान विभाग के स्तंभ रहे पूर्ववर्ती अध्यक्षों से परिचय करवाया. डॉ. ईएन सिद्दीकी ने निवर्तमान सत्र के छात्र- छात्राओं को शुभकामनायें दी. डॉ.पी. के. मिश्रा ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया और निरंतर मेहनत करने की सीख दी. डॉ. सीटीएन सिंह ने अपने कार्यकाल के सुखद अनुभव सबसे साझा किये और छात्रों के उज्जवल भविष्य की कमाना की.

डॉ. सीटीएन सिंह को ससम्मान विदाई दी गई.

कार्यक्रम प्रशिक्षित महिलाओं के सम्मान सह प्रमाणपत्र वितरण समारोह में उपायुक्त ने कहा

महिलाएं अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग कर आत्मनिर्भर बनें

संवाददाता। हजारीबाग

आजीविका और उद्यम विकास कार्यक्रम (एलईडीपी) के तहत भारतीय जन जागृति केंद्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में प्रशिक्षित 90 महिलाओं का सम्मान सह प्रमाणपत्र वितरण समारोह गुरुवार को संस्था के सभा भवन में संपन्न हुआ. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय ने किया. उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में जो आप सबों ने सीखा है उसे आगे भी बढ़ाएं. अपने द्वारा बनाए गए प्रोडक्ट खिलौना, बैग समेत अन्य वस्तुओं की मार्केटिंग कर सशक्त और आत्मनिर्भर बनें. मार्केटिंग के लिए प्रशासनिक सहयोग कैसे मिले इसके लिए प्रयास किया जाएगा. इससे पूर्व उमेश प्रताप ने उपायुक्त को शॉल एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया. डीडीएम नाबार्ड ऋचा भारती ने प्रोडक्ट की मार्केटिंग में सहयोग का भरोसा दिलाया. एलडीएम राकेश आजाद ने कहा कि आप सब उद्यमी बनकर आगे बढ़ें. लघु उद्योग स्थापित करने में बैंक हर संभव सहयोग करेगा. संस्था के अध्यक्ष उमेश प्रताप ने विगत 37 वर्षों में किए गए जनहित के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाएं बदलाव की दिशा में तेजी से बढ़ रही है. एलईडीपी के तहत दिए गए प्रशिक्षण से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, जिससे परिवार, समाज और देश सशक्त होगा. होली क्रॉस की पूर्व प्रोविंशियल सिस्टर रोसिली ने भारतीय जनजाति केंद्र के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आरंभ से ही यह संस्था बेहतर काम कर रही है. उमेश प्रताप ने कई ऐसे काम किए हैं जो समाज में एक उदाहरण हैं. इनसे युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है.

कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं उपायुक्त नैंसी सहाय.

सदस्यों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया

जन जागरण केंद्र के सचिव संजय कुमार सिंह भारतीय जन जागृति केंद्र के कार्यों की खूब प्रशंसा की. सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता, इचाक बीडीओ संतोष कुमार, मुखिया अशोक कपरदार, प्रशिक्षिका विद्या रानी शुक्ला, प्रशिक्षु अंजू देवी ने अपनी विचारों को रखा. मौके पर उपायुक्त सहित अन्य अतिथियों ने अंजू देवी, कौशल्या देवी सहित अन्य प्रशिक्षित सदस्यों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. इसके अलावा अन्य 90 प्रशिक्षित महिलाओं को पदाधिकारियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. मंच का संचालन मो. मुज्जफर ने किया.

AFFIDAVIT

I, Raju Mahto, S/o Jageshwar Mahto, aged about 33 yrs., by faith Hindu, by profession Cultivation, by Nationality India, R/o At-CIC Basti, Barkakana, P.O.- Barkakana, P.S. - Patratu, Dist- Ramgarh (Jharkhand) to hereby solemnly declare as under :-

1. That, my daughter's actual and correct name is **Sidhi Kumari** which has been mentioned in her UID card vide No. 9279 9997 8977, but due to mistake my dauther's name is **Sedhi Kumari Mahto** has been mentioned in her post office branch Barkakana bearing A/c No. 100178.
2. That **Sidhi Kumari** and **Sedhi Kumari Mahto** both name are same and one person i.e. my daughter.
3. That this affidavit is required for authority concerned.

Affidavit No. **6370**
Dt. 21.06.24

AFFIDAVIT

I, Raju Mahto, S/o Jageshwar Mahto, aged about 33 yrs., by faith Hindu, by profession Cultivation, by Nationality India, R/o At-CIC Basti, Barkakana, P.O.- Barkakana, P.S. - Patratu, Dist- Ramgarh (Jharkhand) to hereby solemnly declare as under :-

1. That, my daughter's actual and correct name is **Nidhi Kumari** which has been mentioned in her UID card vide No. 7237 3037 6195, but due to mistake my dauther's name is **Nedhi Kumari Mahto** has been mentioned in her post office branch Barkakana bearing A/c No. 100177.
2. That **Nidhi Kumari** and **Nedhi Kumari Mahto** both name are same and one person i.e. my daughter.
3. That this affidavit is required for authority concerned.

Affidavit No. **6367**
Dt. 21.06.24

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाई के सहयोग से पराक्रम में वृद्धि होगी. गुरु के चलते भाई का सहयोग प्राप्त होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. लाभ में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा. किसी का दिल दुख सकता है.

वृषभ 000समय बहुत ही उत्तम है. कुटुम्ब से विवाद हो सकता है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. धन का आगमन होगा. मान-सम्मान मिलेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. व्यापार लाभदायक रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. नेत्र रोग से बचें.

मिथुन दिल दिमाग में कुछ गलत भावना भी उत्पन होगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. मानसिक बेचैनी रहेगी. सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. सफेद वस्तु का दान करें.

कर्क उदर रोग से बचें. भोजन पर नियंत्रण रखें. स्वयं या कुटुम्ब पर खर्च अधिक होगा. यात्रा का भी मन बनेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है.

सिंह 000किसी बाहरी से कुछ आय होगी. साथ ही कोई नया आय का मार्ग मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. प्रसन्नता में वृद्धि होगी.

कन्या पराक्रम और पिता से लाभ होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती हैं. विवाद को बढ़ावा न दें. बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें. किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. मेहनत अधिक होगी. शनि को खुश करें. काली वस्तु का दान करें.

तुला धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है. भोग विलास से दूर रहें. धर्म में मन लगेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं. चिंता तथा तनाव रहेंगे. बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें.

वृश्चिक फालतू कार्य से बचें. यह समय और धन दोनों बर्बाद करेगा. फालतू खर्च होगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं. परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा. व्यवसाय ठीक चलेगा.

धनु जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग है. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. इत्र का दान करें.

मकर आय में वृद्धि होगी. लाभ में वृद्धि होगी. कारोबार में वृद्धि होगी. शेयर मार्केट से लाभ होगा. आपके व्यवहार से व्यापार ठीक चलेगा. आपके प्रभाव से नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें.

कुंभ किसी मित्र से विवाद भी हो सकता है. संतान को लाभ होगा. कार्य और व्यापार लाभदायक रहेगा. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं. कार्यसिद्धि होगी. कोई अच्छा कार्य होगा जिससे प्रसन्नता में वृद्धि होगी.

मीन बेरोजगारी को दूर करने का प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी पर आज बचे. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा. समय अनुकूल है. माता का सेवा करें. घर में मिठाई ले कर जाएं.

डीसी ने किया कोषागार का निरीक्षण

मेदिनीनगर। उपायुक्त शशि रंजन ने गुरुवार को शाम में ट्रेजरी कोड के प्रावधानों के तहत जिला कोषागार कार्यालय का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने स्टॉक पंजी, स्टांप पंजी, वज्रगृह सुरक्षा गार्ड, स्ट्रांग रूम, चेस्ट रूम एवं अन्य कीमती सामान व कागजात का अवलोकन किया व उसका पंजियों संग मिलान किया. उन्होंने स्ट्रांग रूम का पुनः ऑडिट कराने का निर्देश दिया. इसके अलावे उन्होंने कोषागार भवन, फर्नीचर,अग्निशमन से संबंधित उपकरण एवं आईटी उपकरणों का ऑडिट कर अनुपयोगी सामानों को नियमानुसार निष्पादन करने को लेकर कोषागार पदाधिकारी को निर्देशित किया.

प्रज्ञा केंद्र संचालकों का प्रदर्शन 10 को

लातेहार। प्रज्ञा केंद्र संचालकों की समस्या व मांगों को ले कर आगामी 10 जुलाई को आक्रोश प्रदर्शन सह सीएससी आफिस रांची का घेराव किया जाएगा. इस आशय की जानकारी प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ के रितेश कुमार महलका ने दी. उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य प्रज्ञा केंद्र संचालक यूनियन झारखंड प्रदेश कमेटी प्रज्ञा केंद्र संचालकों के हित, सम्मान व अधिकार की रक्षा के लिए लगातार आंदोलनरत रही है. उन्होंने बताया कि यूनियन के विरोध व हस्तक्षेप के बाद सीएससी के राज्य प्रबंधक शंभू कुमार का तबादला कर नये राज्य प्रबंधक के रूप में अरूप बनर्जी को बहाल किया गया.

155 चौकीदारों की बहाली की जाएगी

पलामू । जिले में 155 चौकीदारों की बहाली होगी. उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के कार्यालय (जिला चौकीदार शाखा) से इस संबंध में आवश्यक सूचना के माध्यम से जानकारी दी गयी है. सीधी भर्ती के लिए 20 जुलाई तक आवेदन करने की तिथि निर्धारित की गयी है. कुल 155 रिक्त पदों पर अनुसूचित जनजाति के लिए 30, अनारक्षित 78, आर्थिक रूप से कमजोर नागरिक 13, अत्यंत पिछड़ा वर्ग 10 एवं पिछड़ा वर्ग से 24 चौकीदारों की बहाली होगी. अनुसूचित जाति के लिए पद शून्य किया गया है. आवेदन पत्र निबंधित डाक के माध्यम से उपायुक्त पलामू के कार्यालय, जिला चौकीदार शाखा में निर्धारित तिथि तक प्राप्त किया जायेगा.

10 जुलाई को पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे सम्मान समारोह का उद्घाटन करेंगे

कोडरमा के 2500 छात्रों को किया जाएगा सम्मानित

संवाददाता। कोडरमा

कोडरमा में 10 जुलाई को पब्लिक स्कूल्स एण्ड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) का सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा. पासवा कोडरमा के जिला अध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि जैक बोर्ड, सीबीएसई व आईसीएसई तीनों बोर्ड के 10वीं और 12वीं के 70% या उससे अधिक अंक लाने वाले 2500 से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा. पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे सम्मान समारोह का उद्घाटन करेंगे. झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी सहित अनेकों जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी के सम्मिलित हो सकते हैं. समारोह का आयोजन मल्टीपरपस हॉल जेजे. कॉलेज झुमरी तिलैया में आयोजित होगा. 10वीं व 12वीं के तीनों बोर्ड के कोडरमा जिले के फर्स्ट टॉपर को विशेष पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा.ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए पासवा द्वारा ईमेल आईडी व व्हाट्सएप नंबर जारी किया गया है.

अपनी मार्कशीट की छाया प्रति व्हाट्सएप नंबर 749443996 या ईमेल psacwajharkhand<bha>@</bha>gmail.com पर भेज कर छात्र रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. सम्मान समारोह में जेजे कालेज के प्राचार्य डॉ मिथिलेश उपाध्याय, कोडरमा के शिक्षाविद रितेश माधव जी और बीरेंद्र कराटे अतिथियों के सम्मान और कार्यक्रम के आयोजन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे.

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे व अन्य सदस्य गण.

मुर्गा मांगने पर युवक को पीट-पीटकर मार डाला

संवाददाता। पलामू

सतबरवा थाना क्षेत्र के रबदा गांव में गुरुवार दोपहर साथ में पीने खाने के बाद एक युवक ने अपने साथी की लाठी से पीट-पीट कर हत्या कर दी. मृत युवक की पहचान गांव के ही अखिलेश भुइयां (25) के रूप में हुई है. सतबरवा पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के शव का पंचनामा तैयार किया. डालटनगंज के राजा मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को दाह संस्कार के लिए सौंप दिया है. थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि भाभी के बयान पर रबदा गांव के टेपा भुइयां के पुत्र अरुण भुइयां पर हत्या करने का आरोप लगाकर मामला दर्ज किया गया है. अखिलेश भुइयां की हत्या में शामिल अपराधी को पुलिस तलाश करने में जुट गई है. वह फरार बताया जाता है. एसआई विश्वनाथ कुमार राणा, एएसआई राजीव रंजन टू तथा आरक्षी बबलू राम घटनास्थल पर पहुंचे थे. घटना गुरुवार दोपहर 1 बजे के करीब की है. गांव के ही टेपा भुइयां का बेटा अरुण भुइयां के घर पर अखिलेश खाया पिया था. अरुण के घर में एक जिंदा मुर्गा था. मुर्गा देखकर अखिलेश ने अरुण से उसकी मांग की, जिससे अरुण भड़क गया एवं गुस्से में आकर लाठी (कचरा) से अखिलेश की पीट-पीट कर निर्मम हत्या कर दी.

खान विभाग ने 2024-25 के लिए बनायी कार्ययोजना

बड़े और छोटे खनिजों के 90 प्रोजेक्ट पर करेगा काम

- बड़े खनिजों के 18 और छोटे खनिजों के हैं लगभग 72 प्रोजेक्ट
- खनिजों के अन्वेषण और खनन पर किए जाएंगे 10 करोड़ रुपये खर्च

रवि भारती। रांची

खान विभाग बड़े और छोटे खनिजों के अन्वेषण और खनन के 90 प्रोजेक्ट पर काम करेगा. इसमें बड़े खनिजों के 18 और छोटे खनिजों के 72 प्रोजेक्ट शामिल हैं. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए यह योजना बनायी गयी है. खनिजों के अन्वेषण और खनन पर 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे.

इन खनिजों का होगा अन्वेषण और खनन का कार्य : खान विभाग आयरन ओर, मैगनीज, बॉक्साइट्स कॉपर, ग्रेफाइट, लाइमस्टोन और डोलोमाइट के 18 बड़े प्रोजेक्ट पर अन्वेषण और खनन कार्य होगा. वहीं पत्थर खदानों के 51 प्रोजेक्ट पर अन्वेषण और खनन का कार्य होगा. वहीं चाइना क्ले, माइका और कायोलाइन के 21 प्रोजेक्ट पर अन्वेषण और खनन का कार्य होगा.

सीएमपीडीआई और एमईसीएल के साथ हो चुका है समझौता : भूवैज्ञानिक अन्वेषण के लिए लौह अयस्क, बॉक्साइट और ग्रेफाइट के अधिक खनिज ब्लॉकों की पहचान करने का प्रस्ताव है, जिससे नीलामी के लिए अधिक से अधिक संख्या में ब्लॉक तैयार किए जा सकें. इसके लिए विभाग ने सीएमपीडीआई और एमईसीएल के साथ समझौता किया है. लौह अयस्क, बॉक्साइट और ग्रेफाइट के खनिजयुक्त ब्लॉक की पहचान के आउटसोर्स एजेंसी को लगाया जा सकता है. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आउटसोर्स एजेंसी की मदद से लौह अयस्क के 4 ब्लॉक, बॉक्साइट के 4 ब्लॉक, कॉपर के 1 ब्लॉक, चूना पत्थर-डोलोमाइट के 3 ब्लॉक और ग्रेफाइट के 6 ब्लॉक पर अन्वेषण का काम होगा. खनिजों की संभावना का विश्लेषण करने के लिए पायलट अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के रूप में पांच जिलों में पांच कार्यक्रम शुरू किए गए हैं.

राज्य में इन खनिजों की कितने भंडार की है संभावना

खनिज	संभावना (मिलियन टन में)	खनिज	संभावना (मिलियन टन में)
एपेटाइट	960	फायरक्ले	49204
एस्बेस्टस	21477	गारनेट	17
बायराइट	15	ग्रेनाइट	19105
बॉक्साइट	33649	ग्रेफाइट	182229
चाइनाक्ले	32676	कायनाइट	90
क्रोमाइट	300	लाइम स्टोन	613410
कोबाल्ट	07	मैगनीज	2363
कॉपर	20245	माइका	13554
डोलोमाइट	9282	निकेल	09
फेडलस्पार	4589709	....	....

उपायुक्त ने की नियोजन कार्यालय की समीक्षा

बेरोजगारों के लिए कार्यशाला कराने का निर्देश

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में जिला नियोजन कार्यालय के कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि जिला नियोजन कार्यालय में कुल 14329 युवक व युवतियां निबंधित हैं. उपायुक्त ने विभिन्न स्कूलों व कॉलजों में बेरोजगार युवक व युवतियों के लिए कार्यशाला आयोजन करने का निर्देश दिया. रोजगार मेला व भर्ती कैंप आयोजित कर बेरोजगार युवक व युवतियों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने झारखंड राज्य के निजी क्षेत्र के स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 व नियमावली 2022 के अनुपालन के संबंध में विस्तृत समीक्षा की. उक्त अधिनियम एवं नियमावली के तहत लातेहार जिला में कुल 68 प्रतिष्ठान व निजी कंपनियां निबंधित हैं.

समीक्षा बैठक में शामिल हुईं डीसी गरिमा सिंह व अन्य.

जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित

उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में प्रखंड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले लैंपसों 500 एमटी क्षमता गोदाम निर्माण एवं पांच एमटी सौर ऊर्जा चालित कोल्ड रूम निर्माण के लिए गठित जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया. समीक्षा के क्रम में प्रस्तावित लैंपसों का कार्यकलापों एवं जमीन की उपलब्धता को प्राथमिकता प्रदान करते हुए 13 लैंपस में से चार लैंपसों का चयन किया गया . समिति द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा कर सर्व सहमति से चंदवा, गारू, बालूमाथ व महुआडांड़ में लैंपस निर्माण करने का निर्णय लिया गया . बैठक में खरीफ मौसम 2024-25 में बीज उठाव एवं वितरण के समीक्षा के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी जगमणी टोप्पो ने बताया गया कि धान बीज 424 .60 क्विटल उठाव किया गया है . जिसमें 72 .10 क्विटल धान बीज का वितरण हो चुका है . शेष बीज का वितरण जारी है .बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा व जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेष सिंह उपस्थित थे .

गवर्नमेंट फैक्ट्री बनाएगी सरकारी विद्यालयों के छात्रों की ड्रेस

संवाददाता। रामगढ़

जिले में डीएमएफटी फंड से संचालित गवर्नमेंट फैक्ट्री सरकारी विद्यालयों के छात्रों का ड्रेस बनाएगी. गुरुवार को जिला नियोजन एवं श्रम विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए डीसी चंदन कुमार ने यह निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फंड से संचालित होने वाले गारमेंट्स फैक्ट्री पूरी योजना तैयार करें और जल्द ही कार्य को पूरा करे. जिला नियोजन एवं श्रम अधीक्षक विभाग अंतर्गत हो रहे कार्यों को लेकर समीक्षा करते हुए सर्वप्रथम डीसी ने जिला नियोजन पदाधिकारी देव प्रसाद से डीएमएफटी मद द्वारा संचालित गवर्नमेंट फैक्ट्री का जायजा लिया. उन्होंने गारमेंट फैक्ट्री के द्वारा महिलाओं को और भी किस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जा सकता है, उसकी भी योजना तैयार करने का निर्देश दिया. बैठक के दौरान डीसी ने रामगढ़ जिले के पर्यटन स्थलों के लिए 50 बच्चों को टूरिस्ट गाइड साथ ही 50 बच्चों को अमीन का प्रशिक्षण देने के लिए योजना तैयार करने का निर्देश जिला नियोजन पदाधिकारी को दिया. साथ ही उन्होंने जिले में कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता को पूर्ण करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों का कंप्यूटर स्किल टेस्ट आयोजन कर चयन करने का निर्देश दिया.

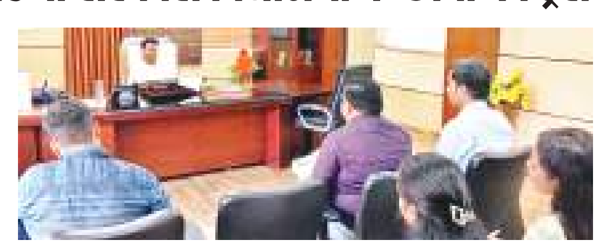

समावेशी और स्वच्छ मतदाता सूची के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : सीईओ

संवाददाता । रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत राज्य में चल रहे कार्यों के संदर्भ में राज्य के सभी सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की. उन्होंने इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों व पुनरीक्षण कार्यक्रम में किये जाने वाले कार्यों से संबंधित पीपीटी के माध्यम से पदाधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया. सीईओ ने कहा कि समावेशी मतदान के लिए स्वच्छ मतदाता सूची का निर्माण आवश्यक है. विगत लोकसभा चुनाव में कुछ शहरों से एक ही परिवार के लोगों का अलग-अलग मतदान केंद्रों के मतदाता सूची में नाम की शिकायत प्राप्त हुई थी. साथ ही कई गलत मतदाता का नाम सूची से डीलिट था. जिसे जल्द ठीक करने कि बात सीईओ ने कही. उन्होंने कहा कि निर्वाचन की सभी गतिविधियां परस्पर एक दूसरे से संबद्ध है, एक जगह गलती होने से पूरी प्रक्रिया प्रभावित होती है. सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्रों में भौतिक निरीक्षण कर बीएलओ व बीएलओ, सुपरवाइजर के कार्यों की समीक्षा करते रहे. सीईओ ने कहा कि निर्वाचन कार्य से जुड़े राज्य के पदाधिकारी अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान नए मतदाता पहचान पत्र के आवेदन, क्षतिग्रस्त मतदाता पहचान पत्र का प्रतिस्थापन व स्वच्छ एएसडी (एबसेंट-शिफ्टेड व डेड वोटर्स) सूची के निर्माण कार्य कि मॉनिटरिंग जरूर करें.

लातेहार ने प्रमंडलीय खिताब जीता

संवाददाता। लातेहार

लातेहार जिला ने गढ़वा जिला को हरा कर 63वीं सुब्रत कप फुटबाल टुर्नामेंट के अंडर-17 के खिताब पर कब्जा जमाया. लातेहार जिला की ओर से चंदवा प्रखंड की ख्रीस्त राजा उच्च विद्यालय लातेहार का प्रतिनिधित्व कर रही थी. लातेहार ने गढ़वा को 2-0 से हराया. अब लातेहार जिला की टीम अंडर-17 में पलामू प्रमंडल का प्रतिनिधित्व करेगी. लातेहार की इस जीत पर जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कविता खलखो, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अनूप माइकल केरकेट्टा, एपीओ रोज मिंज, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजश्री पूरी, बीपीओ सुबोध चंदेल, नरेश लाल रवि, सीआरपी कन्हाई प्रसाद अग्रवाल, चंदन कुमार चंद्र, शिक्षक प्रमोद कुमार, आशीष कुमार, मनीष कुमार, उदय कुमार, निरंजन सिंह, दिलीप प्रसाद, मनोज मिंज, प्रदीप टोप्पनो, छोटन उरांव व दिलीप सिंह ने बधाई दी.

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम.

पेज एक का शेष

तुम मियां टेढ़े तो हम तुमसे...

फिर राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ. उसमें भी आपातकाल की निंदा की गयी. अभिभाषण में सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों का भी उल्लेख था. आरोप लगाया गया कि यह सरकार का अभिभाषण है. लेकिन क्या राष्ट्रपति या राज्यपाल अपनी सरकारों द्वारा लिखे गये भाषण ही नहीं पढ़ते रहे हैं ? इसके बाद जब इस अभिभाषण पर चर्चा का समय आया तो राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक को आधार बनाकर एक तरह से स्थगन प्रस्ताव पेश कर दिया. हालांकि उनकी भाषा संयत थी, राजनीतिक चातुर्य में भींगी हुई थी. उन्होंने कहा कि मंशा छात्रों के हक में सरकार और विपक्ष को एक साथ लाना है. लेकिन यह प्रस्ताव संसदीय परंपरा के प्रतिकूल था. इसलिए नामंजूर हो गया. राष्ट्रपति ने अभिभाषण में नीट से लेकर सभी परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक का सवाल उठाया था. राहुल चाहते तो उसी को आधार बनाकर सरकार को घेर लेते और साथ ही दूसरे मुद्दों पर सरकार को असहज या निरुत्तर कर देते. पर ऐसा हो न सका और हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी.

बहरहाल, जहां तक लोकसभा में उपाध्यक्ष की बात है, सरकार ने अब तक कुछ नहीं कहा है. विपक्ष संविधान की दुहाई दे रहा है. अपने झारखंड में ही वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है, लेकिन कोई उपाध्यक्ष नहीं है. बंगाल में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष दोनों टीएमसी के हैं. तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब, दिल्ली आदि की स्थिति भी यही है. इसलिए विपक्ष के पास केंद्र सरकार पर विपक्ष से अविलंब उपाध्यक्ष बनाने के लिए दबाव डालने का कोई नैतिक आधार नहीं है. हालांकि उपाध्यक्ष न बनाना या अपने ही सहयोगियों में से किसी को उपाध्यक्ष बनाना स्वस्थ परंपरा नहीं है. लेकिन हमारे संसदीय इतिहास में कतिपय परंपराएं टूटी हैं, बिगड़ी हैं और सरकारों ने इसकी परवाह नहीं की है. पिछली बार कोई उपाध्यक्ष था ही नहीं. 16वीं लोकसभा में उपाध्यक्ष बना भी तो अन्नाद्रमुक का, जो विपक्ष में नहीं था. क्या इस बार भी सरकार कुछ ऐसा ही करेगी, पता नहीं. विपक्ष की पीड़ा शायद यह है कि उसकी नजर में पराजय के बावजूद नरेंद्र मोदी का ठस्सा वही क्यों है ? वही मंत्री, वही रंग-ढंग, वही स्पीकर तेवर-कलेवर. दरअसल, नरेंद्र मोदी जानते हैं कि विपक्ष में ऊपर से तो दिल मिला, भीतर फांके तीन की स्थिति है. इसलिए उनकी सरकार को कोई खतरा नहीं है. वे जैसे चाहें चलायें. अगर लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतविभाजन हो जाता तो पता चल जाता कि सदन में किस तरफ कितने सदस्य हैं. सरकार ने दिखाई देनेवाले बहुमत के अलावा भी व्यवस्था कर रखी है. यह अटल जी की सरकार नहीं है जिसे कांग्रेस एक वोट से गिरा देगी. मोदी चुनाव पूर्व गठबंधन के प्रधानमंत्री हैं और उनके सहयोगी अच्छी तरह जानते हैं कि उनकी जीत में मोदी का भी योगदान है, कम या ज्यादा. इसके विपरीत विपक्ष का कोई भी दल कांग्रेस के सहयोग से नहीं जीता है, बल्कि कांग्रेस उसके सहारे जीती है. इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि टूट-फूट की गुंजाइश कहां ज्यादा हो सकती है.

दूसरी बात यह है कि जिसकी सरकार होती है उसे कुछ अदृश्य समर्थक मिल ही जाते हैं. उसके पास देने के लिए या उपकृत करने के लिए बहुत कुछ होता है. जब नरसिंह राव अल्पमत की सरकार नाजायज तरीके से बहुमत में बदल कर पांच साल चला सकते हैं, तब मोदी बहुमत की सरकार जायज तरीके से क्यों नहीं चला सकते? इसलिए किसी दबाव में सरकार आनेवाली नहीं है. वह अभी से संकेत दे रही है कि तुम मियां टेढ़े तो हम तुमसे डेढ़े. आगे-आगे देखिए होता है क्या. घात-प्रतिघात की कितनी चालें चली जाएंगी और उनका परिणाम क्या होगा. अभी तो शुरुआत है.

आलेख लिखो प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 25 जुलाई 2024 है

जनजातीय क्षेत्रों में बिखरी विरासतों पर लिखें आलेख, मिलेगा पुरस्कार

संवाददाता। जमशेदपुर

विद्यादीप फाउंडेशन द्वारा आलेख लिखो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. इसमें जीतने वाले को आकर्षक पुरस्कार मिलेंगे. इसका विषय है जनजातीय क्षेत्रों में बिखरी सांस्कृतिक विरासत. बताया गया है कि हमारे देश के पौराणिक इतिहास में दो कथाएं ऐसी हैं, जिन पर जितना शोध किया जाए, उतना कम होगा. विशेषकर श्रीरामचरित मानस में भगवान श्रीराम का 14 वर्षों का वन गमन व महाभारत में पांडवों का 13 वर्षों का वनवास काल आज भी कई रहस्यों को स्वयं में समेटे हुए है. अखंड भारत के कई हिस्से ऐसे हैं, जहां इन दोनों कथाओं से संबंधित स्थल मौजूद हैं. विशेष कर ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल व बिहार के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में रामायण महाभारत काल के पौराणिक इतिहास के कई साक्ष्य मौजूद हैं. उदाहरण के तौर पर जिला पुरुलिया में अजोध्या हिल पर अवस्थित पवित्र सीता कुंड, जिला सरायकेला खरसावां के भीमखांदा में पांडवो की रसोई और भीम के पद चिन्ह, गिरिडीह के झारखंडधाम में प्रभु राम और अर्जुन द्वारा स्थापित दो शिवलिंग, पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर प्रखंड में भगवान श्रीराम के पदचिह्न, गोईलकेरा प्रखंड के हिडबंवन में बर्बरीक का जन्मस्थल, रांची के सेन्हा प्रखंड में माता सीता के पदचिह्न, जलेश्वर धाम में राम लक्ष्मण के पदचिह्न, गुमला जिले के आंजन गांव में हनुमान जी का जन्मस्थल जैसे कई पौराणिक स्थल मौजूद हैं. यदि आपको अपने आसपास ऐसे ही किसी पौराणिक स्थल की जानकारी हो तो उस पर लिख भेजें.

आलेख अधिकतम 500 शब्दों में होना चाहिए

जानकारी दी गयी है कि प्रतियोगिता के लिए आलेख अधिकतम 500 शब्दों का होना चाहिए . यूनिकोड में टाइप किया हुआ होना चाहिए . विद्यादीप फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी आलेखों को लेखन सहभागिता पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे . सर्वश्रेष्ठ पंद्रह आलेखों को रुपए दो – दो हजार की नगद राशि प्रदत्त की जाएगी . सर्वश्रेष्ठ आलेखों का चयन निर्णायक समिति करेगी . जिसका मानक तय किया गया है कि आलेख में पौराणिक स्थल का स्पष्ट पता थाना, प्रखंड व जिला का नाम लिखा हो . प्रमाणिकता के लिए संदर्भ अंकित हो . आलेख के साथ स्थल की दो तीन फोटो सलंग्न हो . यदि उपरोक्त स्थल में शिलापट्ट पर मंदिर के इतिहास से संबंधित जानकारी प्रकाशित हो, तो उस शिलापट्ट या दीवार लेखन की स्पष्ट पढ़ने लायक फोटो सलंग्न करें . अपना आलेख संदीप मुरारका, नया बाजार, हाट बाजार, पोस्ट जुगसलाई, जमशेदपुर 831006, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड के पते पर प्रेषित करें . अथवा foundationvidhyadeep<bha>@</bha>gmail.com पर ईमेल करें या 9431117507 पर व्हाट्सएप करें . आलेख के ऊपर प्रतिभागी अपना नाम, पता व फोन नंबर अंकित करें, ताकि परिणाम की सूचना प्रेषित की जा सके . प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 25 जुलाई 2024 है .

छावनी क्षेत्र की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

रामगढ़ । भाजपा रामगढ़ कैंट मंडल के अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने छावनी परिषद क्षेत्र की जनसमस्याओं के समाधान के लिए मुख्य अधिशासी अधिकारी से मिले. इस दौरान अधिशासी अधिकारी की अनुपस्थिति में उनके पीए श्रीनिवास राव को ज्ञापन सौंपा गया. समस्याओं के प्रति कैंट के अमानवीय रवैया पर क्षोभ व्यक्त करते हुए नगर अध्यक्ष सूर्यवंश ने कहा कि यह बड़ा ही दुर्भाग्य का विषय है. जिस स्थानीय निकाय को स्थानीय जन सुविधा के प्रति संवेदनशील होना चाहिये था वो संवेदनशील क्यों नहीं है. अनियमित पानी आपूर्ती, फुटपाथ दुकानदार एवं ग्रामीण सब्जी विक्रेता के स्थाई जगह का प्रबंध जैसे कई विषयों पर ज्ञापन में ध्यान आकर्षित कराया.

भारतीय लोकतंत्र में नैरेटिव की भूमिका

भाजपा जब-जब और जहां भी सत्ता में आई है, आरक्षण व्यवस्था को और मजबूत किया है. अनुसूचित जाति के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को संसद के माध्यम से पलटा भी गया, परन्तु यह झूठी नैरेटिव खूब चली और विडंबना देखिए कि यह नैरेटिव किसने चलाया या फिर संविधान की रक्षा के नाम पर ही जो व्यक्ति खुद कैबिनेट के अध्यादेश को 'इज इट नानसेंस' बोलते हुए प्रेस के सामने फाड़ दिया.

नैरेटिव या विमर्श किसी भी लोकतांत्रिक देश और उसके समाज के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है, जो उस समाज में व्यवस्थागत रूप से सभी विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग संप्रेषित करते हैं. यह नैरेटिव कभी-कभी समाज एवं देश के लिए हितकर होता है, उसके वैभव एवं देश के आम जनमानस को गौरवान्वित करता है और कभी-कभी झूठी या अर्द्ध सत्य को समाज में परोसकर उसकी विवेचना कर व्यवस्था, सरकार या समाज की किसी खास पहचान के खिलाफ बनाया जाता है. भले ही वह आगे चलकर देश और समाज के हित में नहीं होता है, परंतु लोकतंत्र को भीड़तंत्र की तरफ झुका देता है. अपने देश के परिप्रेक्ष्य में देखेंगे तो यह विशेषकर चुनावों के समय गढा जाता है. अभी हाल ही में सम्पन्न हुए 18 वीं लोकसभा के चुनाव में विपक्ष द्वारा चलाया गया नैरेटिव कि वर्तमान सरकार संविधान बदल देगी या आरक्षण खत्म कर देगी. यह एक उदाहरण है, जो मुद्दा इस बार चल निकला और जो समाज के निचले पायदान पर या गरीब हैं, अशिक्षित हैं, मजदूर हैं, उन्हें एहसास कराया गया कि भाजपा अगर आ गई तो सब बदल जाएगा, आरक्षण खत्म हो जाएगा, परन्तु वास्तविकता कुछ और है. भाजपा जब-जब और जहां भी सत्ता में आई है, आरक्षण व्यवस्था को और मजबूत किया है. अनुसूचित जाति के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को संसद के माध्यम से पलटा भी गया, परन्तु यह झूठी नैरेटिव खूब चली और विडंबना देखिए कि यह नैरेटिव किसने चलाया या फिर संविधान की रक्षा के नाम पर ही जो व्यक्ति खुद कैबिनेट के अध्यादेश को 'इज इट नानसेंस' बोलते हुए प्रेस के सामने फाड़ दिया.

वर्तमान दौर में जितने लोग संविधान की रक्षा की बात कर रहे हैं, उनमें अधिकांश लोगों की व्यक्तिगत पार्टियां हैं, परिवारिक पार्टियां हैं, एक-एक परिवार से पांच-पांच सांसद बने हैं और विमर्श चला रहे है लोकतंत्र की रक्षा की. यह कितना हास्यास्पद है. अनियंत्रित, बहुवैकल्पिक, पार्टी आधारित लोकतंत्र की यह कमज़ोर कड़ी भी है. राजनेता या उनके विचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले बुद्धिजीवी वर्ग वोट के लिए झूठी ही सही, परन्तु कोई न कोई विमर्श खड़ा करते हैं और उस विमर्श को जोर-जोर से अपने सम्पूर्ण साधनों के माध्यम से समाज में गहराई तक फैलाने की कोशिश करते हैं. लोकतंत्र में जब जनता को भावनात्मक बना दिया जाता है तो फिर गंभीर विमर्श या तर्क की गुंजाईश खत्म हो जाती है. चाहे भ्रष्टाचार पर हो, राजनैतिक अपराध पर हो, जाति आधारित नेताओं के मुद्दे हों, सब समाज पर, व्यवस्था पर भारी पडते हैं. ऐसा नहीं है कि ये नैरेटिव इस बार के चुनाव में पहली बार चला है. यह आजादी से पहले भी था और आजादी के बाद भी अनवरत रूप से चल रहा है. कभी सत्ता पक्ष नैरेटिव सेट करता है तो कभी विपक्ष की नैरेटिव चलती है. पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के खिलाफ बोफोर्स तोप घोटाले का नैरेटिव विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा चलाया गया और उस दौर में खूब चला, परन्तु सोचिए उस समय वीपी सिंह खुद वित्त मंत्री थे. अगर प्रधानमंत्री दोषी थे तो वितमंत्री कैसे पाक-साफ हो गये . संचिकाएं नीचे-से ऊपर चलती हैं और इसी आधार पर वह पूरा चुनाव लड़ा गया और साजिश सफल भी हो गयी.

• देश-काल

डॉ. कौशलेन्द्र बटोही

इसी तरह आजाद भारत के इतिहास के पन्नों को पलटेंगे तो नैरेटिव के महत्वपूर्ण होने एवं उसके परिणाम का एहसास होगा. 1971 मे पाकिस्तान से युद्ध एवं बंगलादेश की आजादी के दौरान भारत के रक्षा मंत्री कौन थे? शायद ही उनका नाम भारत के आम लोग जानते है .पूरी की पूरी श्रेय श्रीमती इंदिरा गांधी को गया और उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की खूब चर्चा हुई. वे भारतीय जन मानस के मानसिक पटल पर छा गईं और विमर्श सफल रहा, परन्तु उसी पार्टी के शासन में जब आर्थिक सुधार का दौर शुरू हुआ, वैश्वीकरण की तरफ भारतीय बाजार को खोला गया तो इसे आर्थिक ताकत एवं विकास के लिए क्रांतिकारी कदम बताया गया, परन्तु जब श्रेय देने की बारी आई तो तत्कालीन वित्तमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को मिला और उस समय के प्रधानमंत्री नेपथ्य में चले गये. ये दो मुद्दे आजाद भारत के प्रमुख मुद्दों में रहे हैं, जिनका प्रभाव देश पर, समाज में, वैश्विक पटल पर दूरगामी रहा. यह नैरेटिव का ही कमाल था कि एक ही पार्टी के शासन के दौरान एक में प्रधानमंत्री का महिमामंडन हुआ और दूसरे में उसके वितमंत्री को श्रेय मिला. एक में रक्षामंत्री गौण हो गये और इतिहास के पन्नों में रह गये और दूसरे में प्रधानमंत्री इतिहास के पन्नों में खो गये. मतलब की उस दौर की शासन व्यवस्था एवं उसके सम्पोषित बुद्धिजीवी जो भी नैरेटिव धीरे-धीरे समाज में प्रेषित करते हैं, वह अपना प्रभाव छोडता है और कालान्तर तक समाज उससे उबर नहीं पाता है. इसी तरह बहुत सारे ऐसे सामाजिक एवं राजनैतिक मुद्दे भारतीय समाज में हैं, जिनपर किसी खास उद्देश्य से नैरेटिव गढ़ा गया और उसने भारतीय जनमानस के विचारों को प्रभावित किया और सत्ता के लिए एक ताकत के रूप काम किया.

इसी तरह विमर्श का मुद्दा है कि भारत का लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामूहिकता, बहुलतावाद आदि विदेशियों द्वारा दिया गया? क्या अंग्रेजी शासन व्यवस्था ने हमें एक देश का रूप दिया? यह भी प्रमुख मुद्दा है, जिसे आज भी अंग्रेज या विदेशी लोग उद्धृत करते हैं. क्या हम सत्य, प्रेम एवं करुणा, जो भारतीयता का मूल मंत्र है, उसपर आधारित नैरेटिव नहीं चला सकते? इससे देश के साथ-साथ समाज भी मजबूत होगा. अभी विभिन्न स्तर पर बाजार, विदेशी पूंजी और तकनीकी चमक पर आधारित विमर्श समाज में हैं और अधिकांश भारतीय इन तीनों को ही अपने वैभव एवं उन्नति का प्रतीक मानते हैं. आज भी हम कोई वैकल्पिक व्यवस्था विकसित नहीं कर पाये, जो इन सारे नैरेटिवों के बीच कभी सामन्जस्य स्थापित कर समाज के साथ-साथ व्यवस्था परिवर्तन का वाहक हो. नैरेटिव से सरकार का गठन हो सकता है, परन्तु समाज के लिए हमें एक मजबूत और टिकाऊ विचार के साथ आगे बढ़ना पड़ेगा, जो लोकतंत्र का निर्णय तार्किक एवं सारगर्भिता के साथ लेने में सहायक सिद्ध हो.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हेमंत सोरेन की वापसी

झारखंड की राजनीति में हेमंत सोरेन की वापसी इंडिया गठबंधन की राजनीतिक संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण है. पांच माह पहले ईडी की गिरफ्तारी के कारण उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था. झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद इंडिया गठबंधन ने उन्हें फिर से अपना नेता चुन कर राज्य की जिम्मेवारी सौंप दी है. लोकसभा चुनाव के समय हेमंत सोरेन की कमी गठबंधन को खली थी. हालांकि चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन ने चुनाव कैंपेन को संभाला था. खास कर कल्पना सोरेन संकट के समय एक संभावना बन कर उभरीं और उनकी देश भर में सराहना हुई. लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन आदिवासियों के लिए सभी सुरक्षित क्षेत्रों को जीत गया, लेकिन अन्य क्षेत्रों में एक पर भी जीत नहीं मिली. यानी इंडिया गठबंधन व्यापक समीकरण बनाने में कामयाब नहीं हुआ. इंडिया गठबंधन ने इस पूरे कैंपेन में हेमंत सोरेन की कमी को महसूस किया. 2019 के विधानसभा का चुनाव गठबंधन ने हेमंत सोरेन के चेहरे को सामने रख कर लड़ा था और कामयाब हुआ था. हेमंत सोरेन शिबू सोरेन के उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित हो चुके हैं. हेमंत सोरेन को आसन्न विधान सभा चुनाव में गठबंधन सरकार को वापसी कराने की बडी चुनौती है. 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 57 सीटों पर बढ़त मिली थी, लेकिन विधान सभा चुनाव में वह 27 सीटों पर ही सिमट गयी. यहां तक कि भाजपा के मुख्यमंत्री रघुवर दास को भी हार का सामना करना पड़ा. इस बार के लोकसभा चुनाव में भी एनडीए को 53 सीटों पर बढ़त मिली है, लेकिन विधानसभा चुनाव का धरातल लोकसभा से भिन्न होता है. भाजपा के लिए गठबंधन सरकार के प्रति सत्ता विरोधी रुझान का लाभ उठाने का अवसर है, दूसरी ओर हेमंत सोरेन के समक्ष सत्ता विरोधी रुझान को सकारात्मक मोड़ देने की बड़ी चुनौती दरपेश है. पांच महीनों के बाद हेमंत सोरेन की वापसी से झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के कार्यकर्ता और नेताओं में उत्साह है, लेकिन इस तथ्य को भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि लोकसभा चुनाव में गैर-आदिवासी सीटों पर गठबंधन को नए समीकरण बनाने की जरूरत होगी. लोकसभा चुनाव में जयराम महतो के नेतृत्व में एक नयी सामाजिक ताकत का उभार भी हुआ है. खास कर उत्तरी छोटानागपुर में उसके असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. पिछले विधान सभा चुनाव में भी उत्तरी छोटानागपुर में झामुमो गठबंधन को कामयाबी के लिए तरसना पड़ा था. लोकसभा चुनाव के समय जिस तरह राजनैतिक समीकरण आदिवासी इलाकों में गठबंधन के पक्ष में बना था, वह गैर-आदिवासी क्षेत्रों में नहीं बन सका. हेमंत सोरेन को इस समय अपनी पार्टी की एकजुटता को और ज्यादा मजबूती देनी होगी. हेमंत सोरेन पिछले पांच सालों में एक मजबूत और दृढ़ नेता के बतौर उभरे हैं. खास कर पिछले दो सालों में उन पर जिस तरह के राजनैतिक आक्रमण हुए हैं, उसका कुशलता से मुकाबला भी किया है. उन्हें फिर एक कठिन डगर पर चल कर खुद को साबित करना होगा. यह संघर्ष उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी परीक्षा साबित होगी.

> पांच महीनों के बाद हेमंत सोरेन की वापसी से झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के कार्यकर्ता और नेताओं में उत्साह है, लेकिन इस तथ्य को भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि लोकसभा चुनाव में गैर-आदिवासी सीटों पर गठबंधन को नए समीकरण बनाने की जरूरत होगी.

सुभाषित

वृथा वृष्टिः समुद्रेषु वृथा तृप्तेषु भोजनम् ।
वृथा दानं धनाढ्येषु वृथा दीपो दिवाऽपि च ॥

समुद्र में हुई वर्षा का कोई मतलब नहीं होता, भरपेट खाकर तृप्त हुए व्यक्ति को भोजन कराने का कोई मतलब नहीं होता, धनाढ्य व्यक्ति को दान देने का कोई मतलब नहीं होता और सूर्य के प्रकाश में दिया जलाने का कोई मतलब नहीं होता.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म का उद्देश्य

धर्म का उद्देश्य, केवल मानव को ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि को अक्षय सुख लब्ध करवाने का मार्ग प्रशस्त करना है. मानव के लिए जीवन के अनुकूल सुख भी एक पडाव मात्र है, लक्ष्य तो निश्चित ही शाश्वत सुख है. सभी जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता. इसलिए जियो और जीने दो का सिद्धांत अस्तित्व में आया है. शान्ति से जीने और अन्य को भी जीने देने के उद्देश्य से ही सभ्यता और संस्कृति का विकास हासिल किया गया है. क्योंकि सभ्यता और संस्कार से हम भी आनंद पूर्वक जीते हैं और अन्य सभी प्राणियों के लिए भी सहज आनंद के अवसर उपलब्ध करवाते हैं. यही है धर्म के उद्देश्य की सबसे सरल परिभाषा. इस उद्देश्य को प्रमाण वाक्य मानते हुए ही धर्म शास्त्रों की व्याख्याओं पर दृष्टिपात करना चाहिए. यदि किसी धर्मोपदेश की व्याख्या सभ्यता और संस्कार के विपरीत जाती है तो वह सर्वांग मिथ्या व्याख्या है. जो व्याख्या सभ्यता से पतनोन्मुख करने का कारण बनकर, पुनः आदिम जंगली संस्कार की ओर प्रेरित करे तो धर्मोपदेश की वह व्याख्या निश्चित ही कुमार्ग लक्षी है. हमने युगों के निरंतर, कठिन पुरुषार्थ और दुष्कर संघर्ष के परिणाम स्वरूप ही इस उच्च सभ्यता का संधान किया है. उसका मात्र भ्रांत धार्मिक व्याख्याओं से अधोपतन कैसे स्वीकार किया जा सकता है. उदाहरण के लिए, हमनें जंगली, क्रूर, विकृत खान-पान व्यवहार को आज शुद्ध, अहिंसक, सभ्य आहार से सुसंस्कृत कर लिया है. यहां सभ्यता मात्र स्वच्छ और पोषक आहार से ही अपेक्षित नहीं, बल्कि अन्य जीवसृष्टि के जीवन अधिकार से सापेक्ष है. उसी तरह संस्कृति समस्त दृष्टिकोण सापेक्ष होती है. सभ्यता में सर्वांग प्रकृति का संरक्षण निहित होता है. अब पुनः विकृत खान-पान की ओर लौटना धर्म सम्मत कभी नहीं हो सकता. सभ्यता के विकास का अर्थ आधुनिक साधन विकास नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विकास है. ऐसे विकसित आधुनिक युग में यदि कोई अपनी आवश्यकताओं को मर्यादित कर, सादा रहन सहन की शैली अपनाता है और अपने भोग उपभोग को संयमित करता हुआ, पुरातन दृष्टिगोचर होता है तब यह आदिम परंपरा की ओर लौटना नहीं, बल्कि सभ्यता के सर्वोत्तम संस्कार के शिखर को छूना है. धार्मिक व्याख्याओं की वस्तुस्थिति पर इसी तरह विवेकशील चिंतन होना नितांत आवश्यक है. इस तरह विकृति धर्म में नहीं होती, सारा गड़बड़झाला उसके स्वच्छंद और प्रमादी व्याख्याकारों का किया धरा होता है. यदि हम उक्त 'धर्म उद्देश्य' को प्रमाण लेकर, विवेक बुद्धि से, नीर क्षीर विभाजन के साथ विश्लेषण करेंगे, हेय,गेय और उपादेय का अंतर-भेद करते हुए, उपादेय को ग्रहण करेंगे. तभी सत्य के निकट पहुंच सकते है. और तभी हमारे उद्देश्य सिद्ध हो सकते हैं.

मानवीय संकट बढ़ाती परमाणु अस्त्र होड़

• खतरा

सी. उदय भास्कर

इस माह की चर्चाओं के केंद्र में मुख्य विषय प्रलयंकारी परमाणु हथियार और संकट में पड़े वैश्विक सुरक्षा तंत्र रहे. गत 17 जून को दो अहम रिपोर्टें एक ही दिन जारी हुईं- एक है, आईसीएएन (इंटरनेशनल कैम्पेन टू एबोलिश न्यूक्लियर वैपन्स) की और दूसरी है सिपरी (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की. इनके निष्कर्ष कष्टकारी और निराश करने वाले हैं.आईसीएएन रिपोर्ट बताती है कि एन-9 अर्थात् परमाणु शक्ति संपन्न नौ राष्ट्रों (अमेरिका, यूके, रूस, चीन, फ्रांस, भारत, इस्राइल, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया) ने अपने-अपने आणविक शस्त्रागारों के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम पर 91 बिलियन डॉलर की राशि खर्च की है. इस बारे में सबका तर्क एक समान है यानी 'दूसरों से परमाणु खतरे' का वास्ता देते हुए, अपने अंदर गहरे पैठी सामरिक 'असुरक्षा की भावना' का तुष्टीकरण है. अनुमान को सिद्ध करते हुए, सबसे अधिक धन खर्च वालों में चोटी के तीन मुल्कों में पहले पायदान पर अमेरिका है (51.5 बिलियन डॉलर)- जो कि विश्वभर में परमाणु हथियार संबंधित कुल व्यय का आधे से अधिक है, दूसरे नंबर पर चीन (11.8 बिलियन) और तृतीय पर रूस (8.3 बिलियन) है. आईसीएएन की निदेशक मेलिसा पार्के का कहना है कि परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों का इस मद में सकल खर्च प्रति सेकंड 2,898 डॉलर बैठता है और यह सम्मिलित व्यय संपूर्ण दुनिया से भुखमरी खत्म करने को जितना पैसा चाहिए, उससे अधिक है. उन्होंने आगे कहा- 'एक मिनट में जितना खर्च परमाणु हथियारों पर होता है, उतने में 10 लाख पौधे रोपे जा सकते हैं.' यहां पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या का संदर्भ वैश्विक ताप सूचकांक में निरंतर बढ़ोतरी और पर्यावरणीय बदलावों से पैदा हुए अतिशय मौसम के संदर्भ में प्रासंगिक है, किंतु इस मुद्दे पर संसार की प्रतिक्रिया लचर और निष्प्रभावी किस्म की है. भारत इन दिनों झुलसा देने वाली गर्मी झेल रहा है, तिस पर इसका पेड़ और मनुष्य का अनुपात भयावह रूप से बहुत कम है और भारत विश्व के सबसे अधिक प्रभावित बड़े देशों में एक है (कुल भूभाग और जनसंख्या के लिहाज से). यह भू-भौतिक प्रवृत्ति जल्द ही विश्व के सभी मनुष्यों की सुरक्षा के लिए गंभीरतम खतरा बनने जा रही है. हज करने गए लोगों की झुलसाती गर्मी से संबंधित हालिया मौतें इसका साक्षात उदाहरण हैं. सिपरी आणविक सर्वे का मुख्य निष्कर्ष यह है कि परमाणु हथियारों की किस्मों और संख्या में वृद्धि हुई है. सभी परमाणु शक्ति संपन्न मुल्कों ने अपनी 'प्रतिरोधक आणविक' क्षमता पर निर्भरता बढ़ाई है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह करने से मूल राष्ट्रीय हित सुरक्षित होते हैं. इसका नवीनतम उदाहरण रूस-यूक्रेन युद्ध है, जब रूस ने अमेरिका नीत नाटो को परमाणु अस्त्र प्रयोग की धमकी देते हुए अपनी ओर से 'रेड लाइन' खींच दी. बदले में, नाटो और अमेरिका ने भी कहा कि वे भी अपनी तमाम जवाबी परमाणु तैयारियों में बढ़ोतरी करने जा रहे हैं. सिपरी का आणविक अवलोकन संकेत देता है कि 2024 के शुरुआती दिनों में, नौ परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों के पास कुल मिलाकर लगभग 12,121 परमाणु हथियार हैं, जिनमें 9,585 के बारे में माना जाता है कि इस्तेमाल के लिए तत्काल तैयार हैं. कयास है कि 3,904 आणविक आयुध कार्यकारी बलों के साथ तैनात हैं और इनमें भी लगभग 2100 को उच्च संचालन सतर्कता श्रेणी में रखा गया है- यह संख्या पिछले साल के मुकाबले 100 अधिक है.शीत युद्ध के दौरान, अमेरिका एवं उसके सहयोगियों और तत्कालीन सोवियत संघ के बीच परमाणु मिसाइलों की गिनती बढ़ाने की दौड़ 1945 से 1991 तक जमकर चली. साल 1962 के 'क्यूबा मिसाइल संकट' प्रसंग से पैदा हुए डर के बाद, इन दोनों पक्षों ने अपनी रक्षार्थ एक भरोसेमंद, मजबूत आणविक प्रतिरोध प्रणाली कायम करने की ओर कदम बढ़ाए, जिसकी वजह से आगे चलकर शस्त्र नियंत्रण संधि और 'मैड' नामक (म्युचुअली एशोर्ड डिस्ट्रक्शन) सिद्धांत उपजा और यह 'मैड' शब्द विनाशकारी व्यंग्यवाद का द्योतक भी है.लेख के शुरू में जिस निराशा का जिक्र है उसके पीछे वजह यह है कि 2022 से संसार यथेष्ट 'आणविक प्रतिरोध' क्षमता बनाए रखने वाली नीति से हटकर अब जिस तरह बेलगाम और बेपरवाह होड़ में लगा है. मुख्य शक्तियों के बीच विगत में सामरिक मुद्दों को लेकर जो संचार व्यवस्था और सुव्यवस्थित शस्त्र नियंत्रण एवं संयम बनाए रखने वाली परस्पर समझ थी, वह भी लगातार घटती जा रही है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> आईसीएएन की निदेशक मेलिसा पार्के का कहना है कि परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों का इस मद में सकल खर्च प्रति सेकंड 2,898 डॉलर बैठता है और यह सम्मिलित व्यय संपूर्ण दुनिया से भुखमरी खत्म करने को जितना पैसा चाहिए, उससे अधिक है. उन्होंने आगे कहा- 'एक मिनट में जितना खर्च परमाणु हथियारों पर होता है, उतने में 10 लाख पौधे रोपे जा सकते हैं.'

तिब्बत-ताइवान पर भारतीय-नीति में असमंजस?

• देशांतर

प्रमोद जोशी

हाल में अमेरिकी सांसदों के एक शिष्टमंडल ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से धर्मशाला स्थित मुख्यालय में जाकर मुलाकात की थी, जिसे लेकर चीन सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. अमेरिका की ओर से तिब्बत को लेकर ऐसी गतिविधियां पहले भी चलती रही हैं, पर भारत में पहली बार इतने बड़े स्तर पर ऐसा संभव हुआ है. इससे भारत की तिब्बत-नीति में बदलाव के संकेत भी देखे जा रहे हैं, पर ऐसा भी लगता है कि किसी स्तर पर असमंजस भी है. उदाहरण के लिए 2016 में सरकार ने चीनी असंतुष्टों के एक सम्मेलन की अनुमति दी, जिसमें दुनिया भर से वीगुर और तिब्बती नेताओं को आमंत्रित किया गया, लेकिन अंतिम समय में उनके वीज़ा रद्द कर दिए गए. इसके बाद 2019 में दलाई लामा के भारत आगमन की 60 वीं वर्षगांठ के मौके पर कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई, पर एक सरकारी-परिपत्र के मार्फत अधिकारियों से कहा गया कि वे इसमें भाग न लें. भारत, तिब्बत को चीन का हिस्सा मानता है और दलाई लामा और चीन के बीच की तकरार में शामिल होने से परहेज़ करता है. पर ताजा घटनाक्रम से कुछ सवाल खड़े हुए हैं. कहा जा रहा है कि अमेरिकी शिष्टमंडल की यह निजी यात्रा थी और दलाई लामा के साथ बातचीत में भारत सरकार के प्रतिनिधि की उपस्थिति नहीं थी. हमारे यहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और प्रतिनिधिमंडल की यात्रा पर रोक भी लगाई नहीं जा सकती थी. कश्मीर के अंतरराष्ट्रीयकरण और तिब्बत पर चीनी हमले के समय की भारतीय विदेश-नीति को लेकर देश के भीतर पहले से असहमतियां हैं. तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद और नेहरू जी के बीच के पत्र-व्यवहार से यह बात ज़ाहिर होती है.तिब्बत की राजधानी ल्हासा में भारत का दूतावास हुआ करता था. उसका स्तर 1952 में घटाकर कौंसुलर जनरल का कर दिया गया. 1962 की लड़ाई के बाद वह भी बंद कर दिया गया. कुछ साल पहले भारत ने ल्हासा में अपना दफ्तर फिर से खोलने की अनुमति मांगी, तो चीन ने इनकार कर दिया. 1959 में भारत ने दलाई लामा को शरण जरूर दी, पर 'एक-चीन नीति' यानी तिब्बत पर चीन के अधिकार को मानते रहे. चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है, लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतंत्र राज्य था और चीन का उस पर निरंतर अधिकार नहीं रहा. मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं, बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था. सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने. 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग-सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया. लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1913 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतंत्रता की घोषणा की. 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियंत्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए, जिसके अधीन तिब्बत की संप्रभुता चीन को सौंप दी गई. 1959 में तत्कालीन दलाई लामा भागकर भारत आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं. भारत का रुख़ तिब्बत को लेकर बदलता रहा है. साल 2003 के जून महीने में भारत ने यह आधिकारिक रूप से माना कि तिब्बत चीन का हिस्सा है. चीन के उस समय के राष्ट्रपति जियांग ज़ेमिन के साथ तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मुलाक़ात के बाद भारत ने तिब्बत को चीन का अंग माना था. तब भी यह कहा गया था कि यह मान्यता परोक्ष ही है. भारतीय अधिकारियों ने उस वक्त कहा था कि भारत ने पूरे तिब्बत को मान्यता नहीं दी है, जो कि चीन का एक बड़ा हिस्सा है. बल्कि भारत ने उस हिस्से को ही मान्यता दी है, जिसे तिब्बत ऑटोनॉमस रीजन (टीएआर यानी स्वायत्त तिब्बत क्षेत्र) माना जाता है. हालांकि अमेरिकी शिष्टमंडल की यात्रा को निजी-कार्यक्रम बताया गया, पर उसके सम्मान में विदेश मंत्रालय ने रात्रि भोज दिया और उसके अगले दिन इस शिष्टमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी भेंट की. यह बात 2020के गलवान प्रकरण के बाद से भारतीय नज़रिए में बदलाव की ओर इशारा करती है. हाल के वर्षों में भारत ने अपने बयानों में 'एक चीन' नीति का उल्लेख भी नहीं किया है. हालांकि भारत धर्मशाला स्थित तिब्बत की निर्वासित सरकार को मान्यता नहीं देता है, पर 2014 में नरेंद्र मोदी के शपथ-समारोह में निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रधानमंत्री लोबसांग सांगे ने समारोह में भाग लिया.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> कश्मीर के अंतरराष्ट्रीयकरण और तिब्बत पर चीनी हमले के समय की भारतीय विदेश-नीति को लेकर देश के भीतर पहले से असहमतियां हैं. तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद और नेहरू जी के बीच के पत्र-व्यवहार से यह बात ज़ाहिर होती है.तिब्बत की राजधानी ल्हासा में भारत का दूतावास हुआ करता था. उसका स्तर 1952 में घटाकर कौंसुलर जनरल का कर दिया गया.

मीडिया में अन्यत्र

सुधारवादी नेता के इंतजार में ईरान

चूंकि ईरान के अचानक हुए राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में कोई भी उम्मीदवार 50 फीसदी मत हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ, लिहाजा देश में 5 जुलाई को दो सबसे ज्यादा मत पाने वालों-सुधारवादी मसूद पेज़ेशकियान और रूढ़िवादी सईद जलीली के बीच मुकाबला होगा. सुधारवादी राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे सर्जन व सांसद श्री पेज़ेशकियान को जहां 42.5 फीसदी मत मिले, वहीं ईरान के पूर्व मुख्य परमाणु वार्ताकार श्री जलीली को 38.8 फीसदी मत मिले. रूढ़िवादी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाक़र क़ालिबफ़ 13.8 फीसदी मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे. मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की मौत की वजह से जरूरी बन गया यह चुनाव ईरान के लिए बेहद महत्वपूर्ण वक्त पर हो रहा है. आर्थिक दुश्वारियों और बढ़ती सांस्कृतिक पुलिस व्यवस्था के बीच जनता में काफी गुस्सा है. ईरान को अपनी कठपुतलियों, मुख्य रूप से यमन के हौथी और लेबनान के हिजबुल्लाह पर लगाम लगाने के लिए दबाव का सामना करना पड़ रहा है, खासकर इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद. अंतरराष्ट्रीय दबाव को धत्ता बताते हुए ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम का भी विस्तार कर रहा है और अप्रैल में इज़राइल के साथ उसकी तनातनी उस वक्त बढ़ गई जब तेहरान ने दमिश्क में अपने दूतावास की इमारत पर बमबारी के बाद इस यहूदी राष्ट्र पर मिसाइल से हमला किया. नए राष्ट्रपति, चाहे वह सुधारवादी हो या रूढ़िवादी, द्वारा मूल नीतियों में बदलाव की कोई संभावना नहीं है, लेकिन इस गणतंत्र के सर्वोच्च निर्वाचित अधिकारी की महत्वपूर्ण नीतियों को लागू करने में भूमिका होगी. अतीत में, श्री खातमी और हसन रूहानी जैसे सुधारवादी राजनेताओं ने बदलाव के वादों पर भारी जनादेश हासिल किया था, लेकिन उन्होंने शिया धार्मिक नेताओं द्वारा कसकर नियंत्रित प्रणाली को खोलने की दिशा में कुछ नहीं किया. प्रणाली को भीतर से सुधारने और आर्थिक संकटों, जो पश्चिमी प्रतिबंधों का नतीजा है, को कम करने की नाकामी ने मतदाताओं के एक वर्ग को उदासीन बना दिया है. एक दौर था, जब ईरान के धार्मिक शासक क्रांतिकारी शासन, जो आंशिक रूप से प्रातिनिधिक और पूरी तरह से धार्मिक है, की लोकप्रिय वैधता के उपाय के रूप में मतदाताओं की उच्च भागीदारी का आह्वान करते थे. अगर 2009 में कुल मतदान 80 फीसदी से ऊपर रहा था, तो इस साल यह रिकॉर्ड कम - 39.9 फीसदी रहा. इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है. राज्य के सभी अंग रूढ़िवादियों के नियंत्रण में हैं और कई सुधारवादी राजनेताओं को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया. अगर सुधारवादी जीत भी जायें, तो उनपर सर्वोच्च नेता के पद और 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' जैसे अनिर्वाचित संस्थानों का अंकुश होगा.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कुव्वत/कूवत/ताकत

किसी शायर ने क्या खूब कहा है- मैं उसके झूट को भी सच समझ के सुनता हूं, कि उसके झूट में भी ज़िंदगी की क़ुव्वत है. हिंदी भाषा में कई शब्द ऐसे मिलते हैं, जिनके दो रूप प्रचलित होते हैं. वैसा ही शब्द है झूठ. उर्दू के प्रभाव में यह झूट के रूप में भी दिख जाता है, जैसा कि इस शेर में है. हालांकि वर्धा हिंदी शब्दकोश में झूठ शब्द ही मान्य है. झूट का उल्लेख तक नहीं है. अरबी मूल से आये कुव्वत शब्द के साथ भी यही बात है. इसके भी दो रूप हैं कुव्वत और कूवत. दोनों को सही माना जाता है. कुव्वत अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है शक्ति, ऊर्जा, जोर, बल, सामर्थ्य, ताकत, इंद्रिय, सहारा, मदद, दौलत, रियासत, गतिविधि करने और क्रियाशील रहने की पात्रता, शारीरिक बल, सत्ता, अधिकार, मुश्किल कार्य करने की योग्यता या सामर्थ्य, किसी बात या काम की योग्यता. इससे बना शब्द है कूवतेजिस्मानी मतलब शारीरिक शक्ति, कूवतेबाज़ू मतलब बाहुबल, कूवतेबाह यानी रतिकर्म की शक्ति, कूवते रूहानी, आत्मबल, मनोबल. कुव्वत का पर्यायवाची शब्द है ताकत. ताकत अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. पर्यायवाची होने के कारण अर्थ के दृष्टिकोण से यह कुव्वत के समकक्ष ही है. ताकत का मतलब कोई काम कर सकने की शक्ति या सामर्थ्य. जैसे आंखों में इतनी दूरी तक देखने की ताकत नहीं रही. इस कुरसी में इतनी ताकत नहीं है कि वह तुम्हारा बोझ सह सके. शारीरिक या मानसिक बल. जैसे एक नन्हे बच्चे में नदी पार करने की ताकत कैसे हो सकती है. मेरी ताकत यह है कि मैं वही हूं जो मैं हूं, यह जानना कि मैं कौन हूं. सेवा मेरी ताकत है, लेकिन इसने मुझे आज निराश कर दिया. उसकी ताकत मेरी कमज़ोरी है और उसकी कमज़ोरियां मेरी ताकत हैं. ताकत का मतलब जोर, बल, ऊर्जा, शक्ति, उमंग, मजाल, उत्साह, हौसला, सत्ता, सामर्थ्य भी होता है.

चुनाव जीतने के लिए हम कुछ भी करेगा!

• तीर-तुक्का

डॉ. एस. के. पाण्डेय

चिम्मनलालजी अपनी पार्टी-'एसकेएपी' यानी 'सबकुछ अपना पार्टी' के प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे कि हमारे पास आगामी चुनाव के पहले सिर्फ एक वर्ष का ही समय शेष रह गया है. अतः हम सबको सारे आपसी मतभेद भुला करके काम करना है. हमें मालूम है कि हमारे बीच मतभेद और भेद दोनों है. फिर भी जनता का मत एक हो यानी 'एसकेएपी' के पक्ष में मतदान हो, इसलिए हमें कुछ भी करना है. यदि अब भी नहीं करेंगे तो कब करेंगे. यही पीक टाइम है. अगर अब भी चूक गए तो समझो पांच साल के लिए चूक गए. सभी लोग चाहे जिस क्षेत्र के हों. चाहे जिस विभाग से सम्बद्ध हों, कान खोलकर सुन लें कि यह समय आराम करने का नहीं है, कमाने का नहीं है, बटोरने का नहीं है. खर्च करने का है. दिमाग, धन-बल जो भी है सब. चोर भी समय पड़ने पर लूटे हुए को लुटा देते हैं और हम लोग तो नेता हैं. यह समय हाथ पर हाथ धरे बैठने का नहीं है. बल्कि दौड़ने का है. सभी क्षेत्रों का दौरा करो. जहां से आपलोग चुनाव जीतकर आये हैं, उसे याद कीजिए. वहां जाना ज्यादा मुश्किल हो तो उस क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ जाओ तो रास्ते में भटकना नहीं पड़ेगा. सिर्फ कुछ ही दिनों की तो बात है. उसके बाद तो फुर्सत ही फुर्सत होगी. किसी ने कहा नेता जी अबकी बार कोई ऐसा विधेयक पास करवा दीजिए, जिससे चुनाव होना हो तो मार्च के अंत तक हो जाया करे. जून में चुनाव होने से गर्मी में जबरन दौड़ धूप करनी पड़ती है. एक-दो महीने तो दिन रात एक कर देना पड़ता है. जो सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है. गर्म हवा और लूक तथा पैंतालीस से पचास डिग्री का पारा सहकर बाहर निकला नहीं जाता. चिरोंजीलाल बोले कि पूर्ण बहुमत में आने तो दीजिए. उसके बाद हम ऐसी सभी समस्याओं पर विचार करेंगे. नेता जी आगे बोले कि नई-नई कुछ योजनाओं की हम घोषणा करने वाले हैं. लाखों रिक्तियों को भरने के लिए विज्ञापन निकाल रहे हैं. जिन विभागों में कोई भी रिक्त स्थान नहीं है. उनमें भी रिक्त पद निकालें जायेंगे. चुनाव के बाद ऐसे विज्ञापन रद्द कर दिये जायेंगे. राजनीति में यह सब तो चलता ही रहता है. विज्ञापन निकलना और रद्द होना लोकतंत्र में आम बात है. और तो और परीक्षाएं भी सम्पन्न कराई जा सकती हैं, लेकिन परिणाम वही खटाई में. खोदा पहाड़ निकली चुहिया. बेरोजगारों में नवजीवन जगाने के लिए, उन्हें ढाढस बंधाने के लिए. कुछ न कुछ करना हमारा कर्तव्य भी बनता है. इसी बहाने उनमें कुछ करने का हौसला आता है. कम से कम विज्ञापन की फीस का जुगाड़ करना सीखते हैं. मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं.

धर्म अध्यात्म

हिमकर श्याम

धर्म भारतीय संस्कृति का मूलाधार है. भारतीय वाङमय में धर्म शब्द का उल्लेख बार-बार आता है. भारतीय चिंतन परंपरा में धर्म को महज संस्थागत रूप में या व्यक्तिगत पूजा-अर्चना की विधि के रूप में न लेकर, उसे उसके विशुद्ध रूप में समझने की कोशिश की गई है.

6 जुलाई से शुरू हो रहा गुप्त नवरात्र

घोड़े पर सवार हो कर कल आ रही हैं मां

आचार्य अजय मिश्रा

सनातन धर्म में नवरात्रि विशेष आस्था के दिवस होते हैं. प्रत्येक वर्ष चार बार हम नवरात्र मनाते हैं. इनमें एक चैत्र नवरात्र और दूसरा शारदीय नवरात्र है. इनके अलावा साल में दो गुप्त नवरात्र भी मनाए जाते हैं. गुप्त नवरात्र में तांत्रिकों की विशेष रुचि रहती है. गुप्त नवरात्र में माता दुर्गा के 10 महाविद्याओं की तांत्रिक विधि से पूजा आराधना की जाती है. अषाढ़ गुप्त नवरात्र की शुरुआत इस वर्ष 6 जुलाई को हो रही है. इसका समापन सोमवार 15 जुलाई को होगा. इस साल आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्र में माता रानी की सवारी घोड़ा है.

10 दिन का होगा गुप्त नवरात्र

इस साल आषाढ़ माह में चतुर्थी तिथि की वृद्धि होने के कारण गुप्त नवरात्र 10 दिन तक चलेगा. गुप्त नवरात्र की शुरुआत के दिन अमृत सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है, जो काफी शुभ है.

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

06 जुलाई सुबह 05:11 मिनट से लेकर 07:26 मिनट तक अगर इस मुहूर्त में कलश स्थापन नहीं कर पाते हैं तो अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजे से लेकर 12 बजे तक कर लें.

घोड़े पर सवार होकर आएंगी माता

नवरात्र में माता दुर्गा के वाहन का विशेष महत्व होता है. जिस दिन नवरात्र की शुरुआत होती है, उसी के अनुसार उनका वाहन तय होता है. इस बार अषाढ़ गुप्त नवरात्र की शुरुआत 6 जुलाई दिन शनिवार से होगा. इसलिए मान्यता है कि माता दुर्गा घोड़े पर सवार होकर धरती पर आएंगी. ऐसा माना गया है कि माता का घोड़े पर सवार होकर आगमन प्राकृतिक आपदा संकेत लेकर आता है.

ये हैं तिथियां

प्रतिपदा तिथि	(6 जुलाई 2024)	मां काली
द्वितीया तिथि	(7 जुलाई 2024)	मां तारा
तृतीया तिथि	(8 जुलाई 2024)	मां त्रिपुर सुंदरी
चतुर्थी तिथि	(9 जुलाई 2024)	मां भुवनेश्वरी
पंचमी तिथि	(10 जुलाई 2024)	मां छिन्नमस्तिका
षष्ठी तिथि	(11 जुलाई 2024)	मां त्रिपुर भैरवी
सप्तमी तिथि	(12 जुलाई 2024)	मां धूमावती
अष्टमी तिथि	(13 जुलाई 2024)	मां बगलामुखी
नवमी तिथि	(14 जुलाई 2024)	मां मातंगी
दशमी तिथि	(15 जुलाई 2024)	मां कमला

ऐसे करें पूजा

- प्रात: काल उठ कर स्नान आदि से निवृत हो जाएं. अब पूजा स्थल की सफाई करके मां दुर्गा की प्रतिमा को लाल रंग के वस्त्र में सजाएं. मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं और नवमी तक प्रति दिन पानी का छिड़काव करें. पूर्ण विधि के अनुसार शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित करें. इसमें पहले कलश को गंगा जल से भरें, उसमें एक सिक्का, कुछ फूल और रोली रखें. उसके मुख पर आम की पत्तियां लगाएं और उस पर नारियल रखें. कलश को लाल कपड़े से लपेटें और कलावा के माध्यम से उसे बांधें. अब इसे मिट्टी के बर्तन के पास रख दें. फूल, कपूर, अगरबत्ती, ज्योत के साथ पूजा करें.
- नौ दिनों तक मां दुर्गा से संबंधित मंत्र का जाप करें और माता का स्वागत कर उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें.
- अष्टमी या नवमी को दुर्गा पूजा के बाद नौ कन्याओं का पूजन करें और उन्हें तरह-तरह के व्यंजनों (पूड़ी, चना, हलवा) का भोग लगाएं.
- दशमी को दुर्गा के पूजा के बाद घट विसर्जन करें, मां की आरती गाएं, उन्हें फूल, चावल चढ़ाएं और बेदी से कलश को उठाएं.

अपनाएं ये टोटके

- गुप्त नवरात्र में हर रोज रात में मां आदिशक्ति की पूजा अर्चना करें और नवरात्रि के पहले दिन 9 गोमती चक्र लेकर मां के पास रख दें. इसके बाद अंतिम दिन की पूजा करने के बाद गोमती चक्र को लाल कपड़े में बांधकर धन के स्थान जैसे अलमारी या तिजोरी में रख दें. यह टोटका धन धान्य में वृद्धि करेगा और मां दुर्गा की कृपा बनी रहेगी.
- गुप्त नवरात्र में दुर्गा सप्तशती के 12वें अध्याय के 21 बार पाठ करें और लौंग कपूर के साथ आरती करें. नवरात्र के अंतिम दिन देवी दुर्गा के मंदिर में लाल रंग का झंडा चढ़ाएं. मान्यता है कि इससे नौकरी व व्यापार में उन्नति होती है और घर में खुशहाली आती है.
- परिवार में सुख-शांति और समृद्धि के लिए गुप्त नवरात्र के दौरान रात के समय मां आदिशक्ति के सामने घी का दीपक जलाएं और सिंदूर अर्पित करें. ऐसा करने से तरक्की का मार्ग प्रशस्त होता है.
- नवरात्र के दौरान रात में सोने से पहले दीप जला कर माता को नौ बताशों में दो लौंग रख कर अर्पित करें. इससे परिवार में आपसी प्रेम बना रहता है.
- जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति के लिए नवरात्र के दौरान रात के समय मां दुर्गा की पूजा कपूर लौंग से आरती करें और 'सब नार करहिं परस्पर प्रीति चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीति' मंत्र का 21 बार हर दिन जप करें.
- अगर आपका काम अक्सर होते-होते अटक जाता है तो अषाढ़ गुप्त नवरात्र के दौरान हर रोज भैरव बाबा के मंदिर में जाएं और मन से प्रार्थना करें. सभी कार्य धीरे धीरे बनने लग जाएंगे और अड़चनें दूर होंगी.

धर्मो हि परमो लोके धर्मे सत्यं प्रतिष्ठितम्

जीवन जीने की कला है धर्म

धर्म जीवन जीने की कला है. स्वयं सुख से जीने की तथा औरों को सुख से जीने देने की. भारतीय चिंतन परंपरा में धर्म को महज संस्थागत रूप में या व्यक्तिगत पूजा-अर्चना की विधि के रूप में न लेकर, उसे उसके विशुद्ध रूप में समझने की कोशिश की गई है. धर्म शब्द की मूल धातु 'धृ' है जिसका अर्थ है-धारण करना. धर्म वह है जिसे धारण किया जा सके- 'धारयति इति धर्मः'. यहां धारण करने का अर्थ मानवीय मूल्यों, गुणों और प्रकृति से है.

अंग्रेजी के रिलीजन का पर्याय नहीं धर्म

धर्म एक संस्कृत शब्द है और अपने विस्तृत अर्थों के कारण समृद्ध है. धर्म का पर्याय शब्द अन्य किसी भाषा में नहीं है. अंग्रेजी में 'धर्म' शब्द के लिए रिलीजन शब्द का प्रयोग किया जाता है, परन्तु धर्म रिलीजन का पर्याय नहीं है. 'रिलीजन' शब्द रेलिगेयर से उत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है 'बंधन'. धर्म बंधन न होकर नियमन है. बंधन विकास का अवरोधन है, जबकि धर्म प्रगति का सूचक. बंधन परतंत्रता का प्रतीक है, जबकि नियमन स्वतंत्रता का.

सहिष्णुता है सार

धर्म का मतलब होता है स्वयं को जानना, जीवन को जानना. धर्म ही व्यक्ति को मनुष्य बनाता है. धर्म के कारण ही व्यक्ति मूल्यों को धारण करता है. वह दया, करुणा, प्रेम, परोपकार, ईमानदारी, भाईचारा, साहचर्य आदि धारण करता हुआ कर्म और विचार से मानवीय होने लगता है. धार्मिक व्यक्ति उदार और सहिष्णु होता है. स्वामी विवेकानन्द का मानना था कि धर्म का असली सार सामान्य भलाई और सहिष्णुता है. धर्म को धार्मिक आडंबर, कट्टरता और रूढ़ियों से ऊपर होना चाहिए.

सद्व्यवहार सिखाता धर्म

धर्म कट्टरता की हिमायत नहीं करता. दुनिया भर में धार्मिक कट्टरता एक गंभीर खतरा बनकर उभर रहा है. कट्टरता, अन्य धर्मों के प्रति ईर्ष्या और असहिष्णुता की भावना टकराव को बढ़ावा देती है. सामाजिक समरसता और समानता का भाव ही धार्मिक कट्टरता को रोक सकता है. धर्म जब सत्य, अहिंसा, दया, करुणा इत्यादि मानवोचित गुणों से दूर हो जाए, तो वह अधर्म बन जाता है. धर्म का काम सच्चाई और अन्य समान सदाचारों के अभ्यास के जरिए सौहार्द्र फैलाना है. धर्म मनुष्य को नैतिकता और न्याय की राह पर ले जाता है. मनुष्य के साथ सद्व्यवहार सिखाता है.

भारतीय वाङमय में धर्म

धर्म भारतीय संस्कृति का मूलाधार है. भारतीय वाङमय में धर्म शब्द का उल्लेख बार-बार आता है. मीमांसाकार धर्म की परिभाषा देते हुए कहते हैं कि 'यतो अभ्युदयः निःश्रेयस सिद्धिःस धर्मः' अर्थात् जिसमें अभ्युदय (इस लोक के सुख व समृद्धि) तथा निःश्रेयस (मोक्ष) दोनों की सिद्धि प्राप्त की जाए वह धर्म है.
वात्स्यायन के अनुसार मानव के लिए धर्म, 'मनसा, वाचा, कर्मणा' होता है. उनका कहना का अर्थ है कि धर्म केवल 'कर्म' या 'क्रिया' से संबंधित नहीं होता बल्कि यह 'विचार', 'चिंतन' और 'वाणी' से भी संबंधित होता है.
मनुस्मृति के अनुसार धर्म के दस लक्षण हैं -

धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः।
धीर्विद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम्।।

इसका अर्थ है- धृति (धैर्य), क्षमा (क्षमाशील होना), दम : (हमेशा संयम से धर्म में लगे रहना), अस्तेयम् (चोरी न करना), शौचम् (भीतर और बाहर की पवित्रता), इन्द्रिय निग्रह (इन्द्रियों को वश में रखना), धी : (सत्कर्मों से बुद्धि को बढ़ाना), विद्या (अधिक से अधिक ज्ञान की पिपासा), सत्यम् (मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन) और अक्रोधः (क्रोध न करना). इन दस लक्षणों के आधार पर ही धर्म से जुड़े व्यक्तिगत व्यवहार के नियम निर्धारित किए गए हैं.
बाल्मीकि रामायण में धर्म के बारे में कहा गया है कि-

धर्मो हि परमो लोके धर्मे सत्यं प्रतिष्ठितम् ।
धर्मसंश्रितमप्येतत् पितुर्वचनमुत्तमम् ।।

अर्थात् इस लोक में धर्म ही सर्वश्रेष्ठ है और धर्म में ही सत्य की प्रतिष्ठा है. गीता में प्रभु श्रीकृष्ण कहते हैं कि कर्म ही धर्म है-

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

इस श्लोक में श्री कृष्ण कहते हैं कि हमें कर्म करने का ही अधिकार है, कर्मफल पर हमारा कोई अधिकार नहीं है. वह आगे कहते हैं कि कर्मफल हमारे किसी भी कार्य के लिए प्रेरणा नहीं होना चाहिए और यह भी कि हमें अकर्म की ओर झुकना नहीं चाहिए.
वहीं चाणक्य सूत्र कहता है- 'सुखस्य मूलं धर्मः अर्थात् धर्म ही सुख का मूल है, आधार है. बिना धर्म के सुख सम्भव नहीं है. भारत के उच्चतम न्यायालय के ध्येयवाक्य में धर्म की ही जीत की बात कही गई है. 'यतो धर्मोस्ततो जयः' - यह श्लोक महाभारत से लिया गया है.
महाभारत के वन पर्व में वेदव्यास ने स्पष्ट कहा है कि 'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः' यानी जो धर्म का विनाश करता है, धर्म उसका का ही विनाश कर देता है, और जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म भी उसकी रक्षा करता है.
महाभारत में यह भी उल्लेख है कि-

"अद्रोह सर्वभूतेषु कर्मणा मनसा गिरा।
अनुग्रहश्च दानं च सतां धर्म सनातनः॥'

यानी समस्त प्राणियों के प्रति मन, वाणी और कर्म से द्रोह भाव नहीं रखना, सबके प्रति अनुग्रह, सबके प्रति उदारता; सनातन धर्म का यही संदेश है. सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ' का सिद्धान्त हमारी संस्कृति की व्यापकता को प्रकट करता हैं. तुलसीदास ने रामचरितमानस में लिखा है 'परहित सरसि धरम नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई' यानी दूसरों का उपकार करने के समान कोई धर्म नहीं है, और दूसरों को पीड़ा पहुंचाने से बड़ी कोई नीचता नहीं है.

ऐश्वर्य दिलाता है यंत्रों का शिरोमणि श्रीयंत्र

श्रीयंत्र ऐश्वर्य का प्रतीक है. यह समस्त यंत्रों का शिरोमणि है. 'यन्त्रराज' है. मान्यता है कि उचित मुहूर्त में इस यंत्र को तांबे, चांदी अथवा स्वर्ण आदि धातुओं में बनवाकर, मंत्रसिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठायुक्त कराकर घर, दुकान अथवा कार्यालय में स्थापित कर नित्य दर्शन एवं पूजन करने से अक्षय लक्ष्मी, सुख समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है.

- **ऐसे करें स्थापित**

श्रीयंत्र को पूजा घर में शुक्रवार या किसी शुभ मुहूर्त पर स्थापित करना चाहिए. पहले श्रीयंत्र को एक चौकी पर गुलाबी रंग के आसन पर रखें. विधिवत किसी धर्माचार्य से इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें. नियमित तौर पर हर दिन श्री यंत्र को जल से स्नान कराएं. धूप, दीप, नैवेद्य चढ़ाएं. श्रीयंत्र पर मां लक्ष्मी के प्रिय लाल या गुलाबी रंग के फूल और इत्र जरूर चढ़ाएं.

- **ये हैं लाभ**

'श्री यंत्र' की विधिवत पूजा कामधेनु और कल्पवृक्ष की पूजा के समान फलदायी है. धनतेरस के दिन श्रीयंत्र खरीद कर उसकी दीपावली के दिन स्थापना एवं पूजन करना बेहद कल्याणकारी सिद्ध होता है. हालांकि सावन मास में भी श्रीयंत्र स्थापित करने की बात पंडित गण करते हैं. जब श्रीयंत्र स्थापित हो जाए तो प्रत्येक शुक्रवार को मां लक्ष्मी के साथ श्री यंत्र की पूजा जरूर करें. इससे ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है. श्रीयंत्र की पूजा के साथ 'श्री महालक्ष्म्यै नमः', 'श्री ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' तथा 'श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः का मंत्र जाप करें. एकाग्रता चाहते हैं तो उर्ध्वमुखी श्रीयंत्र का चित्र अपने काम या पढ़ने की जगह पर लगाएं. चित्र रंगीन हो तो ज्यादा बेहतर होगा. इसको इस तरह लगाएं कि यह आपकी आंखों के ठीक सामने हो.

9 जुलाई से 7 दिनों के लिए बजेगी शहनाई, नवंबर व दिसंबर में विवाह के शुभ मुहूर्त मात्र 18 होंगे.

नौ जुलाई से सात दिनों के लिए बजेगी शहनाई

आचार्य प्रणव मिश्रा

विवाह को संपन्न करने के लिए प्रेम और विवाह के कारक ग्रह शुक्र का उदित अवस्था में होना जरूरी है. गुरु और शुक्र के अस्त रहने के कारण अभी विवाह मुहूर्त नहीं हैं. शुक्र उदित होने के बाद 9 जुलाई 2024 से विवाह लग्न प्रारंभ होगा जो 7 दिनों के लिए होगा. फिर 3 महीने के बाद नवंबर और दिसंबर में लग्न होगा.

17 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ

जुलाई में 9 से 15 जुलाई तक शादी-ब्याह होगा. 17 जुलाई देवशयनी एकादशी होगी. इसी दिन से चातुर्मास प्रारंभ हो जाएगा. इसके चार महीने बाद 12 नवंबर देव प्रबोधिनी एकादशी के बाद 16 नवंबर से विवाह प्रारंभ होगा.

इस साल के शादियों के शुभ मुहूर्त

ऋषिकेष पंचांग के अनुसार जुलाई, नवंबर और दिसंबर में शादियों के शुभ मुहूर्त की तिथियां-
जुलाई - 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15,
नवंबर - 16, 17, 18, 22, 23, 24, 25, 26
दिसंबर- 2, 3, 4, 5, 9, 10, 11, 13, 14, 15.

ईशान कोण का दोष करा सकता है धन हानि

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

वास्तु में दिशाएं ही नहीं, दिशाओं के कोण भी विशेष अहमियत रखते हैं. इनका अनुकूल या प्रतिकूल होना हमारे सुख-दुख को तय करता है. आइए जानें कि किस कोण में क्या हो और क्या नहीं हो-

उत्तर पूर्व ईशान कोण

उत्तर पूर्व ईशान कोण ईशान दिशा का स्वामी रुद्र, आयुध त्रिशूल एवं प्रतिनिधि ग्रह बृहस्पति हैं. बृहस्पति को सर्वाधिक शुभ ग्रह कहा गया है. खासकर आध्यात्मिक विकास के लिए प्रयत्नशील जिज्ञासुओं के लिए बृहस्पति अति शुभ होता है. इसका प्रभाव सर्वदा सात्विक होता है. यह प्रत्येक उसे वस्तु को, जिससे इसका संबंध हो, बड़ा बनाता है. यही कारण है कि गुरु बुद्धि कारक है और परिवार की वृद्धि के प्रति पुत्र का कुंडली में प्रतिनिधित्व करता है. बड़ा होने से ही बृहस्पति बड़े भाई का प्रतिनिधि है. साथ ही बड़ा होने से बृहस्पति स्त्री की कुंडली में उसका पति है. जन्म कुंडली के द्वितीय एवं तृतीय भाव ईशान में आते हैं. अत्यधिक पवित्र दिशा होने के कारण इसकी सुरक्षा अनिवार्य है.
यदि इस दिशा में दोष हो तो पूजा पाठ के प्रति रुचि की कमी, ब्राह्मणों एवं बुजुर्गों के सम्मान में कमी, धन एवं कोष की कमी एवं संतान सुख में कमी बनी रहती है. साथ ही वसा जन्य रोग और लीवर, मधुमेह, दिल्ली आदि से संबंधित बीमारियां आदि होने की आशंका रहती है. यदि उत्तर पूर्व में रसोई घर हो तो खांसी, अम्लता, मंदाग्नि, बजाजमी, पेट में गड़बड़ी और आंतों के रोग आदि होते हैं.

उत्तर पश्चिम वायव्य दिशा

उत्तर पश्चिम वायव्य दिशा का स्वामी वायु है. इस दिशा का प्रतिनिधि ग्रह चंद्र है. चंद्र में शुभ और अशुभ तथा सक्रिय एवं निष्क्रिय दोनों प्रकार की क्षमता होती है. जब चंद्र शुभ होता है तब जातक को यश मिलता है. उसका समुचित मानसिक विकास होता है, पारिवारिक जीवन सुख में होता है. और मातृ सुख का अनुभव होता है. वह देश-विदेश का भ्रमण करता है. वह विद्वान, कृतिमान, वैभवशाली एवं सम्मानित होता है और उससे राज सम्मान की प्राप्ति होती है. परंतु

वायव्य के अशुभ होने पर जातक गरीब, मूर्ख, उन्माद ग्रस्त तथा कदम कदम पर ठोकरे खाने वाला होता है. यह काल पुरुष के घुटनों एवं कहानियों को प्रभावित करता है. जन्म कुंडली का पांचवा एवं छठा भाव वायव्य के प्रभाव में आते हैं. इस कोण में दोष रहेंगे तो जातक को पेट में गैस, चर्म रोग, छाती में जलन, दिमाग के रोग और स्वभाव में क्रोध रहता है. साथ ही जातक के शत्रु अधिक होंगे.

दक्षिण पूर्व आग्नेय

दक्षिण पूर्व आग्नेय का स्वामी गणेश एवं प्रतिनिधि ग्रह शुक्र है. शुक्र समरसता तथा परस्पर मैत्री संबंधों का ग्रह माना जाता है. शुक्र से प्रभावित भवन में वास करने वाले आकर्षक कृपालु मिलनसार तथा स्नेही होते हैं. शुक्र का संबंध संगीत, कला, सुगंध, भोग-विलास, ऐश्वर्या एवं सुंदरता से हैं. शुक्र का प्रधान लक्ष्य परमात्मा की सृष्टि को आगे बढ़ाना है. इसका जीव मात्र की प्रजनन क्रिया पर अधिकार बताया गया है जिसके फल स्वरुप यह क्रियात्मक क्षमता के द्वारा विकास क्रम में योगदान देता है. इसकी स्थिति से पत्नी, काम शक्ति, वैवाहिक सुख, सांसारिक एवं पारिवारिक सुख का विचार किया जाता है. यह काल पुरुष की बाईं भुजा, घुटने एवं बाएं नेत्र को प्रभावित करता है. जन्म कुंडली के एकादश एवं द्वादश भावों पर इसका असर रहता है.
इस दिशा में दोष रहने पर दांपत्य सुख में कमी बनी रहती है. साथ ही नपुंसकता, मधुमेह, जनेंद्रीय, बहरापन, गूंगापन और छाती आदि से संबंधित बीमारियों की आशंका रहती है.

दक्षिण पश्चिमी नैऋत्य कोण

दक्षिण पश्चिमी नैऋत्य कोण दिशा का स्वामी राहु है. राहु एक शक्तिशाली छाया ग्रह है. इसके प्रभाव का कोई निवारण नहीं है. इस ग्रह की शांति करके इसके प्रत्यक्ष रूप में अनिष्टकारी फल दूर नहीं किया जा सकते हैं. केवल ज्ञान तथा बुद्धि पूर्वक इसे सहयोग करके ही इसके दुष्प्रभाव को काम किया जा सकता है. जन्म कुंडली का आठवां एवं नौवां स्थान नैऋत्य के प्रभाव में रहते हैं. यदि घर के नैऋत्य में खाली जगह, गड्ढ़ा, जल की व्यवस्था या कांटेदार वृक्ष हो तो गृह स्वामी बीमार होते हैं, उनकी आयु छोटी होती है, शत्रु पीड़ा पहुंचाते हैं तथा संपन्नता दूर रहती है. नैऋत्य दिशा से पानी दक्षिण से बाहर निकलता हो तो स्त्रियों पर तथा पश्चिम से निकलता हो तो पुरुषों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा. नैऋत्य के होने पर अकस्मात दुर्घटनाएं, अग्निकांड एवं आत्महत्या जैसी घटनाएं होती रहती हैं. इसके अतिरिक्त परिवार के लोगों की त्वचा रोग, कुष्ठ रोग, छूत के रोग, पैरों की बीमारियां, हाइड्रोसील एवं स्नायु से संबंधित बीमारियों की आशंका बनी रहती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पीएम मोदी के साथ एक घंटे से ज्यादा समय बिताए वर्ल्ड कप भी सौंपा

कोहली ने इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, *हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है. हमें प्रधानमंत्री आवास पर आमंत्रित करने के लिए आपका धन्यवाद. इससे पहले हवाई अड्डे पर आव्रजन औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दल के सदस्य एक-एक करके या दो-दो करके बाहर निकले. थके हुए लेकिन उत्साहित खिलाड़ियों ने प्रतीक्षा कर रहे प्रशंसकों का हाथ हिलाकर और गर्मजोशी से मुस्कुराते हुए अभिवादन किया. फाइनल में डेविड मिलर का शानदार कैच पकड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार नारों का जवाब देने में सबसे अधिक उत्साहित थे. भयानक कार दुर्घटना में घायल होने के बाद टी20 विश्व कप के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने प्रशंसकों को सलाम किया, जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने उनकी ओर 'फ्लाइंग किस' दिए. रोहित और फाइनल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली वीआईपी निकास से बाहर आने वाले अंतिम लोगों में शामिल रहे। इन दोनों ने खिताब जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की थी. रोहित ने विश्व कप ट्रॉफी पकड़ी हुई थी और बस में चढ़ने से पहले उन्होंने प्रशंसकों को इसकी झलक दिखाने के लिए इसे ऊपर उठाया. कोहली ने भी प्रशंसकों की ओर 'थम्बस अप' किया. कुछ प्रशंसकों ने दावा किया कि अपने नायकों को व्यक्तिगत रूप से देखने के उत्साह में वे कल रात से हवाई अड्डे के बाहर इंतजार कर रहे थे.*

भारत की टी20 विश्व चैंपियन टीम दिल्ली पहुंची

वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया ने किया पीएम नरेंद्र मोदी के साथ नाश्ता

भाषा। नयी दिल्ली

टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को विशेष विमान से स्वदेश लौट आई. लगातार बूंदाबादी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हवाई अड्डे पर प्रशंसकों ने खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसके बाद टीम के सदस्यों ने नाश्ते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे सैकड़ों प्रशंसक मौसम की परवाह किए बिना विभिन्न नारे लिखे बैनर और राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहे थे. उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई दी. पिछले शनिवार को टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब अपने नाम किया. खिलाड़ियों की वापसी के दौरान नाच-गाना हो रहा था, खूब सारे केक थे और सड़कों पर प्रशंसक थे, जो दर्शा रहे थे कि क्रिकेट देश में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला खेल क्यों है. थके हुए खिलाड़ी भी हवाई अड्डे से होटल पहुंचने के बाद मस्ती में शामिल हुए और पार्टी का माहौल पूरा किया. वर्ष 2011 में जीते पिछले विश्व कप का जिक्र करते हुए एक प्रशंसक ने कहा, हम पिछले 13 साल से इस पल का इंतजार कर रहे थे. टीम ने विश्व कप जीतकर हमें गौरवांवित किया है.

उन्होंने दावा किया कि वह सुबह करीब साढ़े चार बजे से हवाई अड्डे पर मौजूद हैं. तूफान बेरिल के चलते बारबाडोस में शटडाउन के कारण भारतीय टीम खिताब जीतने के तुरंत बाद स्वदेश नहीं लौट पाई थी. खिलाड़ी अपने होटल में ही रुके थे जिसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने वापसी के लिए विशेष उड़ान

एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़े की धुन पर थिरके खिलाड़ी

का इंतजाम किया. एयर इंडिया का विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी एयर इंडिया चैम्पियंस 24 विश्व कप बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह चार बजकर 50 मिनट पर बारबाडोस से रवाना हुआ और 16 घंटे बिना रुके यात्रा करने के बाद गुरुवार सुबह छह बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली पहुंचा. हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी लेकिन इससे प्रशंसकों का उत्साह कम नहीं हुआ. उत्साह से लबरेज प्रशंसक स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पोस्टर लेकर नारे लगा रहे थे. खिलाड़ियों को आईटीसी मौर्या शेरेटन होटल ले जाने के लिए टी थ्री टर्मिनल के बाहर दो बसें खड़ी थीं. होटल पहुंचने पर ढोल और पारंपरिक भांगड़ा डांस से उनका स्वागत किया गया. कप्तान रोहित शर्मा, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत सहित अधिकांश खिलाड़ियों ने भांगड़ा कर रहे डांसरों के साथ डांस किया. यहां तक कि इस दौरान तैनात सुरक्षाकर्मियों के चेहरों पर भी मुस्कान थी. लंबी यात्रा की थकान के बावजूद खिलाड़ियों ने उन सभी से हाथ मिलाया जो उनसे मिलना चाहते थे. खिलाड़ी ट्रॉफी के आकार का केक काटने के बाद अपने कमरों में चले गए. यह सब मीडिया की अपेक्षित हलचल के बीच हुआ. कुछ देर बाद वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास के लिए रवाना हो गए. खिलाड़ियों का पूरे दिन का कार्यक्रम काफी व्यस्त है. होटल लौटने से पहले भारतीय दल ने बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की मौजूदगी में प्रधानमंत्री के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर करीब दो घंटे बिताए. बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में खिलाड़ियों को मोदी के साथ हल्की-फुल्की बातचीत करते देखा जा सकता है.

प्रशंसकों ने गर्मजोशी के साथ किया स्वागत

यूरो 2024 पुर्तगाल के धुरंधरों का होगा फ्रांस की जांबाज टीम से सामना

रोमांच : यूरो कप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले तय

एजेंसी। लेपजिग (जर्मनी)

नीदरलैंड्स की टीम ने यूरो कप 2024 के राउंड ऑफ 16 में रोमानिया की टीम को 3-0 से हराने के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया. अब नीदरलैंड टीम का क्वार्टर फाइनल में सामना टर्की की टीम से होगा. यूरो कप में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए होने वाले इस राउंड के मैचों की शुरुआत 5 जुलाई से होगी. वहीं इस बार यूरो कप की मेजबानी कर रही जर्मनी टीम का सामना यूरो कप में स्पेन की टीम से होगा. इस बार दूसरा क्वार्टर फाइनल काफी रोमांचक होने वाला है, जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम एमबापे की फ्रांस से खेलेगी जिसमें ये मैच 5 जुलाई को खेला जाएगा, पुर्तगाल की टीम को राउंड ऑफ 16 में स्लोवेनिया की टीम से जीत हासिल करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था.

रोनाल्डो ने पहले बता दिया कि ये उनका आखिरी यूरो कप है : क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यूरो कप 2024 की शुरुआत होने से पहले ही बता दिया था कि वह आखिरी बार फुटबॉल के इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं. फ्रांस की टीम को भी बेल्जियम के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल हुई थी.

यूरो कप 2024 में क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल

स्पेन बनाम जर्मनी : 5 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार रात 9 :30 पर

पुर्तगाल बनाम फ्रांस : 6 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार देर रात 12 :30 पर

इंग्लैंड बनाम स्विट्जरलैंड : 6 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार रात 9 :30 पर

नीदरलैंड बनाम टर्की : 7 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार देर रात 12 :30 पर

शतरंज: डी. गुकेश ने करुआना को बराबरी पर रोक दिया

बुकारेस्ट (रोमानिया)। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो करुआना को बराबरी पर रोका. एक बार फिर दिन की सभी बाजियां ड्रॉ रही. भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने रूस के इयान नेपोमनियाची के साथ अंक बांटे. अंतिम स्थान पर चल रहे रोमानिया के डिएक बोगडेन-डेनियल ने फिरोजा के साथ ड्रॉ खेला, जबकि गिरी ने वाचियेर-लाग्रेव के साथ बाजी ड्रॉ की. शीर्ष वरीय करुआना दो जीत और पांच ड्रॉ से 4.5 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं. उनके बाद गुकेश, प्रज्ञानानंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा हैं.

विंबलडन: बोपन्ना और एब्डेन दूसरे दौर में पहुंचे

भाषा। लंदन

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने यहां रोबिन हास और सैंडर एरेंड्स की जोड़ी पर आसान जीत के साथ विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया. बोपन्ना और एब्डेन ने बुधवार को बारिश से बाधित पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे 11 मिनट में नीदरलैंड के अपने प्रतिद्वंद्वियों को 7-5, 6-4 से हराया. ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी दूसरे दौर में हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्सटेंटिन फ्रेंटजन की जर्मनी की जोड़ी से भिड़ेगी. बोपन्ना और

एब्डेन पिछले साल सत्र के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे. इससे पहले बुधवार को भारत के सुमित नागल और उनके सर्बियाई जोड़ीदार दुसान लाजोविच को पहले दौर में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज और जॉमे मुनार के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. मार्टिनेज और मुनार ने एक घंटे सात मिनट में 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की.

ब्रीफ खबरें

नालंदा में 211 अभ्यर्थियों को मिला नियोजन पत्र

बिहारशरीफ । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, विशेष सर्वेक्षण लिपिक, विशेष सर्वेक्षण अमीन के पदों पर चयनित 9 हजार 8 सौ 88 अभ्यर्थियों का नियोजन पत्र वितरण समारोह का सीधा प्रसारण किया गया. जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं बंदोबस्त पदाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा 211 नवनियोजित संविदा कर्मियों सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी 12, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो 22, विशेष सर्वेक्षण लिपिक 26, विशेष सर्वेक्षण अमीन 151) को नियोजन पत्र वितरित किया गया.

सांप काटने से वार्ड सदस्य की मौत

अररिया । फारबिसगंज प्रखंड के मुसहरी पंचायत के वार्ड संख्या चौदह निवासी एवं वार्ड सदस्य 51 वर्षीय घनश्याम मेहता पिता स्व. नंदग्राम मेहता की खेत में पानी पटवन के दौरान विषैले सांप ने काट लिया. जहां पूर्णिया में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. सर्पदंश को घटना बुधवार को ही हुई थी, जबकि गुरुवार के इलाज के दौरान उनकी मौत हुई. मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि वार्ड सदस्य घनश्याम मेहता बुधवार दोपहर बाद खेत में पानी का पटवन कर रहे थे. इसी दौरान विषैले सांप ने उन्हें डस लिया. मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

नाव हादसे में बाल-बाल बचे शिक्षक-शिक्षिका

पटना । राघोपुर के कच्ची दरगाह में नाव पर सवार होकर शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित कई लोग विद्यालय जा रहे थे. वहीं रास्ते में ही नाव दुर्घटना की शिकार हो गई. जिसके कारण सभी शिक्षकों की जान पर बन आ गई. पानी का बहाव दूसरी ओर होने के कारण शिक्षकों को लेकर जा रही नाव धारा में फंस गई. वहीं इस घटना से नाव पर सवार शिक्षकों के बीच अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. वहीं समय पर विद्यालय पहुंचने के लिए शिक्षकों ने जान हथेली पर रख कर नाव से पीपा पुल पर चढ़ने की कोशिश की. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

पिछले 16 दिन में 10 पुल ढह गए : तेज बहाव नहीं झेल पाया गंडक नदी पर बना ब्रिज

Xसारण में 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल गिरा

संवाददाता ।पटना

सारण में पुल ध्वस्त होने का सिलसिला जारी है. 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल ध्वस्त हो गया. बनियापुर के दो पंचायतों सरेया और सतुआ को जोड़ने वाला पुल अनियमितता का भेंट गया है. दोनों पंचायतों के दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है. इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. यह पुल सतुआ पंचायत और सरैया पंचायत को जोड़ने वाला मुख्य पुल था. पुल के दोनों तरफ ग्रामीण खेती करते हैं. साथ ही इंटर कॉलेज होने के चलते सरेया के छात्र छात्राओं को विद्यालय जाने के लिए एकमात्र यही सहारा था. पुल टूटने और नदी में पानी होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना होगा. हादसे के बाद सारण के डीएम ने कहा कि जिले में इन छोटे पुलों के ढहने का कारण जानने के लिए उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया गया है.

पूर्व स्थानीय मुखिया के निजी कोष से हुआ था निर्माण : ग्रामीणों के अनुसार, गंडकी नदी पर इस पुल का निर्माण पांच वर्ष पूर्व स्थानीय मुखिया के निजी कोष से हुआ था. नदी में सफाई कार्य के बाद पुल के किनारे और पाया के पास की मिट्टी कम होने और पानी के तेज बहाव होने के कारण पुल टूट गया. लगभग दस किलोमीटर दूर लहलादपुर प्रखंड के जनता बाजार में बुधवार को दो पुल टूटने की घटना हुई थी. सारण जिले में गंडक नदी पर महज 24 घंटे के अंदर सारण जिले का तीसरा पुल टूटने का मामला सामने आया है. लगातार पुल टूटना सारण सहित पूरे बिहार में चर्चा का विषय बना हुआ है. फिलहाल पुल टूटने से बनियापुर के सतुआ और सरेया पंचायत के ग्रामीणों को आवागमन प्रभावित हो गया है.

एक ही दिन में दो पुल ध्वस्त : इससे पहले सारण जिले के ही लहलादपुर प्रखंड के जनता बाजार के पास गंडक नदी पर बने पुल के धराशाही होने के कुछ ही घंटे बाद एक और पुल ध्वस्त होने की खबर से सभी लोग स्तब्ध हो गए थे. लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर क्या कारण है कि एक ही दिन में महाराजगंज के विभिन्न गांवों को जोड़ने वाली नदी पर बने पुल के गिरने के बाद सारण जिले के जनता बाजार थाना क्षेत्र में दो पुल लगातार ध्वस्त हो गए. ढोढ़नाथ मंदिर के समीप पुल गिरने के बाद जनता बाजार थाना क्षेत्र के गंडक नदी पर दंदासपुर जंगलविलास टोला स्थित ब्रिटिश जमाने का बना पुल भी ध्वस्त हो गया है.

नदी में तेज बहाव के कारण क्षतिग्रस्त हुआ पुल

पिछले 16 दिन में 10 पुल ढह गए, कई गांव का संपर्क टूटा

इससे पहले बुधवार को सीवान में बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त हो गए थे. लगातार बारिश के कारण कुछ ही घंटों में तीन पुल गिरने से कई गांवों के बीच संपर्क टूट गया है. पहली घटना महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा गांव और देवरिया गांव के बीच की है. गंडक नदी पर बना 35 साल पुराना पुल का का एक पाया धंसने लगा. देखते ही देखते पुल गंडक नदी में समा गया. दूसरी घटना महाराजगंज प्रखंड के तेवथा पंचायत की है. नौतन और सिकंदरपुर गांव के गंडक नदी पर बना पुल गिर गया. वहीं तीसरा पुल धीमही गांव में गंडक नदी में बना था. यह भी धराशायी हो गया. ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस पुल की मरमत भी हुई थी. उसके बाद भी यह पुल टूट गया है. पानी के तेज बहाव के कारण बताया जा रहा है. हादसे के बाद कई गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है. बता दें कि पिछले 16 दिनों में सीवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में कुल मिलाकर 10 पुल ढह गए.

पुल गिरने पर बोले मंत्री अशोक चौधरी

यह विभाग पहले राजद के पास था, तेजस्वी इसके मंत्री थे

संवाददाता ।पटना

बिहार के अलग-अलग जिलों में गिर रहे पुल-पुलियों पर ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ये विभाग पहले (महागठबंधन की सरकार में) राजद के पास था. तेजस्वी यादव इसके मंत्री थे. चौधरी ने कहा कि जब से जदयू के पास यह विभाग आया है तो उसके बाद चुनाव था. अभी 20 दिन का समय मिला है तो आप बताएं कि कौन इसका जिम्मेदार है? जिम्मेदारी 20 दिन वाली पार्टी है या डेढ़ साल से जिसके पास है वो इसके लिए जिम्मेदारी है? कहा कि किशनगंज में जो पुल गिरा उसे राजद सांसद रहे स्व. मोहम्मद तस्लीमुद्दीन ने बनवाया था.

लालू ने एक्स पर पोस्ट किया, लिखा

पुल गिरने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी व नीतीश कुमार दोषी हैं

संवाददाता ।पटना

बिहार में पुल के गिरने पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोनों पर गुरुवार को हमला किया. गुरुवार को लालू ने एक्स पर पोस्ट किया. साथ ही तेजस्वी यादव ने भी सवाल उठाए हैं. लालू प्रसाद ने एक्स पर लिखा, नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार इसका दोष भी मुगलों, अंग्रेजों और विपक्षियों को ही देंगे. कल एक ही दिन में 5 पुल ढहे. 15 दिन में 12 पुल गिर चुके हैं. पुलियों का कोई हिसाब-किताब नहीं. वहीं तेजस्वी यादव ने कहा, 4 जुलाई यानि गुरुवार सुबह बिहार में एक पुल और गिरा. कल 3 जुलाई को ही अकेले 5 पुल गिरे. 18 जून से लेकर अभी तक 12 पुल ध्वस्त हो चुके हैं. नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार इन उपलब्धियों पर एकदम खामोश एवं निरुत्तर है. सोच रहे हैं कि इस मंगलकारी भ्रष्टाचार को जंगलराज में कैसे परिवर्तित करें?

राजधानी में युवक की गोली मारकर हत्या, हड़कंप

कर्णावती सड़क मार्ग रेलवे ट्रैक के नजदीक से शव बरामद, परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता ।पटना

पटना में अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने युवक का शव बख्तियारपुर करनौती मार्ग के बगल में रेलवे ट्रैक से गुरुवार को बरामद कर लिया है. पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. मृतक युवक की पहचान मोहित कुमार 30 वर्ष के रूप में हुई है, जो की बख्तियारपुर के अंबेडकर नगर का निवासी बताया जा रहा है. घटना की पुष्टि बख्तियारपुर थाना प्रभारी देवानंद शर्मा ने की है. मामले की जानकारी देते हुए अंबेडकर नगर के लोगों ने बताया कि मोहित कुमार बुधवार शाम से ही लापता था. घर से निकलने के बाद जब वह रात भर घर नहीं लौटा तो परिजनों ने इसकी सूचना बख्तियारपुर थाना को दी. इस बीच गुरुवार को रेलवे ट्रैक के नजदीक ग्रामीणों ने एक युवक का शव देखा. शव मिलने की सूचना से पूरे इलाके में सनसनी का माहौल कायम हो गया. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी.

सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाना और बाढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे. काफी प्रयास के बाद मृतक युवक की पहचान मोहित कुमार के रूप में हुई है. बाढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि युवक के गाल में गोली मारकर हत्या कर दी गई है. उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है. हत्या का कारण पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि फिलहाल परिवार के लोगों से पूछताछ की जा रही है.

रेलवे ट्रैक से शव हुआ बरामद

सुपौल में 10वीं के छात्र की मौत, फंदे से लटकी थी लाश

संवाददाता ।सुपौल

सुपौल के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र स्थित खट्टर चौक के समीप एक किराए के मकान में बुधवार देर रात फंदे से लटकी एक 10वीं कक्षा के छात्र की लाश मिली. मौके पर जुटे आसपास के लोगों का कहना था कि निरंजन कुमार ने खिड़की से लटक कर आत्महत्या कर ली है. हालांकि परिजन इसे हत्या बता रहे हैं. जांच के बाद चलेगा कि यह हत्या है या फिर आत्महत्या है. घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है. जिस कमरे से छात्र का शव मिला है उसके दरवाजे को तोड़कर बाहर निकाला गया है. आनन-फानन में लोग उसे त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल ले गए. हालांकि डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. 15 वर्षीय छात्र निरंजन कुशवाहा पंचायत के हरिहर पट्टी वार्ड नंबर 15 निवासी कामेश यादव का पुत्र था. पिता कामेश यादव ने बताया कि बुधवार की शाम कुछ सामान खरीदने के लिए वो त्रिवेणीगंज बाजार आए थे. सामान खरीदकर घर लौटने के क्रम में वो अपने बेटे से मिलने के लिए गए तो मकान मालिक ने बताया कि बेटा पढ़ने नहीं गया.

शिक्षक पर छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप

बेगूसराय । बेगूसराय में एक शिक्षक पर छात्रा के साथ छेड़खानी करने का आरोप लगा है. इसको लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया. बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी शिक्षक को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गईं. पूरा मामला खोदाबंदपुर थाना क्षेत्र के उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक उर्दू विद्यालय नुरुल्लाहपुर की है. शिक्षक पर आरोप है उसने एक छात्रा के साथ छेड़खानी की है. सरकारी स्कूल के शिक्षक द्वारा छेड़खानी किए जाने की सूचना मिलते ही अभिभावक और ग्रामीण उत्तेजित हो गए. मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को कार्रवाई का भरोसा दिलाया और समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया.

कारोबार

डीवीसी ने जीयूवीएनएल के साथ किया समझौता

कोलकाता । दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) ने पश्चिम बंगाल में अपने आगामी रघुनाथपुर संयंत्र से 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. डीवीसी सदस्य (वित्त) अरूप सरकार ने बताया कि केंद्र ने बिजली खरीद समझौते को मंजूरी दे दी है. इसका उद्देश्य पश्चिमी राज्य में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करना है. उन्होंने कहा, डीवीसी पहली बार गुजरात को बिजली निर्यात करेगी.

जापान का निक्की नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद

तोक्यो । जापान का सूचकांक निक्की 225 गुरुवार को 40,913.65 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. प्रौद्योगिकी और निर्यातोन्मुखी शेयरों की भारी खरीद से सूचकांक में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई. सूचकांक का सर्वकालिक उच्च स्तर दिन के कारोबार के दौरान 41,087.75 अंक था जो 22 मार्च को बना था. बंद होने का अभी तक का इसका रिकॉर्ड स्तर 40,888.43 अंक था. यह भी 22 मार्च को दर्ज किया गया था. यह बढ़त वॉल स्ट्रीट पर रात भर की तेजी के अनुरूप थी.

सुजुकी मोटर ने पहला निवेश भारत में किया

नयी दिल्ली । जापान की मोटर वाहन कंपनी सुजुकी मोटर ने भारत में अपना पहला निवेश कोष 'नेक्स्ट भारत' गुरुवार को शुरू किया. यह 340 करोड़ रुपये का कोष है जो मझोले शहरों और उससे नीचे के क्षेत्रों में मूल्य सृजन करने वाले प्रभावशाली उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है. कंपनी के अनुसार, सुजुकी की इस पहल का मकसद एक 'रेजीडेंसी' कार्यक्रम के जरिए कृषि, वित्तीय समावेशन, ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला तथा ग्रामीण परिवहन के क्षेत्रों में सामाजिक प्रभाव वाले स्टार्टअप को समर्थन देना है. प्रबंध निदेशक विपुल नाथ जिंदल ने कहा कि नेक्स्ट भारत अपने प्रमुख रेजिडेंसी कार्यक्रम के जरिए उन कंपनियों में निवेश करेगी.

एस्ट्राजेनेका ने कोरोना काल में कोविशील्ड वैक्सीन विकसित की थी

एस्ट्राजेनेका भारत में करेगी ढाई अरब का निवेश

- भारत में इससे 1300 लोगों को रोजगार मिलेगा
- चेन्नई फैसलिटी 334,000 वर्ग फीट में फैली है

भाषा ।दिल्ली

दुनिया के लिए भारत एक उभरता बाजार है. आज चाहे अमेरिका हो या चीन या यूरोपीय देश सभी की नजर इस बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने की है. भारत भी इसमें पीछे नहीं है. केंद्र में सरकार की स्थिरता और मजबूती की वजह से दुनिया के कारोबारी यहां निवेश करने के अवसर तलाश रहे हैं. इसमें अब एक नया नाम दुनिया की टॉप दवा कंपनियों में शामिल एस्ट्राजेनेका है. जिसने भारत में 250 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की है.

बता दें कि एस्ट्राजेनेका का इतिहास 100 साल से भी पुराना है लेकिन यह कोरोना काल में सुर्खियों में आई थी. कंपनी ने कोविशील्ड वैक्सीन विकसित की थी. भारत में कंपनी की सहयोगी एस्ट्राजेनेका इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एजेडपीआईएल) चेन्नई में अपने ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी सेंटर के विस्तार पर 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी.

कंपनी का दावा है कि इससे 1300 लोगों को रोजगार मिलेगा. कंपनी के भारत में बिजनेस को इसी महीने 45 साल पूरे होने जा रहे हैं. कंपनी के एमडी और कंट्री प्रेजिडेंट डॉ. संजीव पंचाल ने कहा कि चेन्नई फैसिलिटी का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि कंपनी साइंस और इनोवेशन के प्रति कितनी प्रतिबद्ध है. भारत प्रतिभाओं से भरा है और यहां का ईकोसिस्टम डिजिटल एडवांसमेंट्स के लिए भी काफी डायनैमिक है. यही कारण है कि भारत हमारे ग्लोबल ऑपरेशंस का हब है. अभी चेन्नई फैसलिटी 334,000 वर्ग फीट में फैली है. अगले छह महीने में इसमें करीब 180,000 वर्ग फीट स्पेस और जोड़ा जाएगा. इस तरह यह कंपनी का सबसे बड़ा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बन जाएगा. अभी कंपनी के देशभर में 4,000 से अधिक कर्मचारी हैं.

एस्ट्राजेनेका का इतिहास काफी पुराना है. साल 1999 में स्वीडन की एस्ट्रा एबी और ब्रिटेन की जेनेका पीएलसी के मर्जर से एस्ट्राजेनेका का गठन हुआ था. एस्ट्रा एबी की स्थापना 1913 में स्वीडन में डॉक्टरों के एक ग्रुप ने की थी. जेनेका की शुरुआत 1926 में इम्पीरियल केमिकल इंडस्ट्रीज (आईसीआई) के रूप में हुई थी. कई साल तक यह ब्रिटेन की टॉप दवा कंपनियों में शामिल रही. 1999 में इन दोनों कंपनियों के मर्जर के बाद एस्ट्राजेनेका का गठन हुआ. इसके बाद से इस कंपनी ने पिछले 25 साल में दुनियाभर में कई दवा कंपनियों का अधिग्रहण किया है. एस्ट्राजेनेका आज दुनिया की टॉप दवा कंपनियों में शामिल है. इसका मार्केट कैप 238.12 अरब डॉलर है और यह दुनिया की 46वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है. भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज 252.19 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में 43वें नंबर पर है.

रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ 83.54 रुपये प्रति डॉलर पहुंचा

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 83.54 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण रुपये को समर्थन मिला और गिरावट पर अंकुश लगा. सेंसेक्स और निफ्टी ने सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ और विदेशी पूंजी का पर्याप्त प्रवाह हुआ. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.52 प्रति डॉलर पर खुला. शुरुआती सौदों के बाद 83.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है. रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.49 पर बंद हुआ था. इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 105.36 पर रहा. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 86.86 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था. घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स ने 80,000 अंक का आंकड़ा पार किया और निफ्टी ने नए रिकॉर्ड स्तर को छुआ. बीएसई सेंसेक्स 224.79 अंक यानी 0.28 प्रतिशत बढ़कर 80,211.59 अंक पर कारोबार किया है.

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड लॉन्च किया

संवाददाता ।रांची/जमशेदपुर

फ्रैंकलिन टेम्पलटन (भारत) ने गुरुवार को एफआईएमसीएफ नामक अपने ओपन-एंडेड मल्टी कैप डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड को लॉन्च करने की घोषणा की. इस फंड का उद्देश्य लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी संबंधित प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो में निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि प्राप्त करना है. यह फंड नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप, प्रत्येक मार्केट कैप श्रेणी यानी लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में अपनी कुल संपत्ति का न्यूनतम 25% बनाए रखेगा. फंड लॉन्च और इसकी निवेश रणनीति पर जानकीरमन आर, मुख्य निवेश अधिकारी ने कहा, मजबूत मैक्रो बुनियादी ढांचे, मुद्रास्फीति के रुझान में सुधार, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीतियों और राजनीतिक स्थिरता के कारण भारत की अर्थव्यवस्था मध्यम अवधि में मजबूत विकास के लिए तैयार है. कोविड के बाद, इस फंड को विभिन्न छोटे व मध्यम सेक्टर व बाजार क्षेत्रों में होने वाले विकास से लाभ उठाने के लिए डिजाइन किया गया है.

बाजार में तेजी | नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा

जून तक आवासीय बिक्री 11% बढ़कर 10 साल के शिखर पर

- देश के आठ प्रमुख शहरों में कार्यालय की मांग रिकॉर्ड 3.47 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई

एजेंसी ।नयी दिल्ली

देश में 2024 की पहली छमाही में भारतीय रियल एस्टेट बाजार में तेजी बनी रही, जिससे मकानों की बिक्री 11 साल के उच्च स्तर, 1.73 लाख इकाई पर पहुंच गई. रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक के अनुसार, इस दौरान देश के आठ प्रमुख शहरों में कार्यालय की मांग रिकॉर्ड 3.47 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई. वार्षिक आधार पर इस वर्ष जनवरी से जून के बीच आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 1,73,241 इकाई हो गई, जबकि कार्यालय स्थान की मांग 33 प्रतिशत बढ़कर 3.47 करोड़ वर्ग फुट रही. नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, मजबूत आर्थिक बुनियाद तथा स्थिर सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण भारत का रियल एस्टेट बाजार पिछली कुछ तिमाहियों में तेजी से बढ़ा है. उन्होंने गुरुवार को ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इसके परिणामस्वरूप आवासीय तथा कार्यालय स्थानों की मांग दशक भर में सबसे अधिक रही. उन्होंने कहा कि 2024 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में कुल बिक्री में प्रीमियम आवास की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही.

बेंगलुरू में आवासीय बिक्री में चार प्रतिशत की वृद्धि : मुंबई में आवासीय बिक्री जनवरी-जून 2024 में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 47,259 इकाई रही, जबकि शहर में कार्यालय स्थान की मांग 79 प्रतिशत बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट हो गई. दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवासीय बिक्री चार प्रतिशत घटकर 28,998 इकाई रह गई, हालांकि कार्यालय स्थान की मांग 11.5 प्रतिशत बढ़कर 57 लाख वर्ग फुट हो गई. बेंगलुरू में आवासीय बिक्री में चार प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 27,404 इकाई हो गई जबकि कार्यालय मांग 21 प्रतिशत बढ़कर 84 लाख वर्ग फुट हो गई.

पुणे में आवासीय बिक्री 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,525 इकाई रही, जबकि कार्यालय स्थान की मांग 88 प्रतिशत बढ़कर 44 लाख वर्ग फुट हो गई. चेन्नई में आवासीय मांग में उछाल और कार्यालय स्थान की मांग में इस अवधि में गिरावट आई. हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद में आवासीय तथा कार्यालय स्थान की मांग दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई. रिपोर्ट पर गुरुग्राम स्थित रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर आवासीय संपत्तियों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसे उच्च आर्थिक वृद्धि तथा बुनियादी ढांचे के विकास से बल मिला है. उन्होंने कहा, डेवलपर इस मांग का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से नई परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं. प्रॉपर्टी फर्स्ट रियल्टी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी भावेश कोठारी ने कहा, संभावित खरीदारों के बीच मकान खरीदने की बढ़ती इच्छा और स्थिर ऋण दरें इस वृद्धि की प्रवृत्ति को मुख्य रूप से बढ़ावा दे रही हैं.

फिल्म प्रीमियर

बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडेय मुंबई में फिल्म किल के प्रीमियर में शामिल होने के लिए पहुंची.

आइनॉक्स विंड का शेयर 14 प्रतिशत चढ़ा

नयी दिल्ली । पवन ऊर्जा सेवा प्रदाता कंपनी आईनॉक्स विंड के शेयर में गुरुवार को सुबह के कारोबार में 14 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई. आईनॉक्स विंड लिमिटेड की प्रवर्तक आईनॉक्स विंड एनर्जी के कंपनी में 900 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा के बाद इसके शेयर में उछाल आया है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयर 14.45 प्रतिशत बढ़कर 163.07 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया. बीएसई पर 13.80 प्रतिशत चढ़कर 162 रुपये प्रति शेयर पर रहा. आईनॉक्स विंड लिमिटेड की प्रवर्तक आईनॉक्स विंड एनर्जी लि. ने कंपनी में 900 करोड़ रुपये का निवेश किया है. इसके बाद पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी शुद्ध कर्ज मुक्त कंपनी बन जाएगी. आईनॉक्स विंड लिमिटेड ने गुरुवार को एक बयान में अपने प्रवर्तक आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड द्वारा कंपनी में 900 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की.

1999 में करगिल युद्ध के दौरान तोलोलिंग और टाइगर हिल की लड़ाई के 25 साल पूरे होने के मौके पर बोले सीडीएस जनरल चौहान

युद्ध का स्वरूप बदल रहा, परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना होगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी प्रगति के कारण युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और देश की सशस्त्र सेनाओं को इस बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना होगा. उन्होंने 1999 में करगिल युद्ध के दौरान तोलोलिंग और टाइगर हिल की लड़ाई के 25 साल पूरे होने के मौके पर सेना के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) और '18 ग्रेनेडियर्स' के सैनिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं. भारतीय सेना ने चार जुलाई 1999 को टाइगर हिल चोटी फतह की थी. करगिल युद्ध में 18 ग्रेनेडियर्स बटालियन ने अहम भूमिका निभायी थी. करगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए हर साल 26 जुलाई को 'विजय दिवस' मनाया जाता है. जनरल चौहान ने कहा, 'देश के लोगों को हमारी क्षमताओं पर भरोसा है और उसी के कारण हमारी इतनी प्रतिष्ठा है. जो विरासत आपको दी गयी है, वह हमारे पूर्वजों द्वारा अर्जित की गयी है.' उन्होंने कहा कि यह व्यक्तिगत रूप से और एक समुदाय के रूप में भी 'हमें जिम्मेदारियां सौंपता' है. उन्होंने कहा कि एक सैनिक के रूप में कोई कभी गलती नहीं कर सकता और एक समुदाय के रूप में विश्वास कम नहीं किया जा सकता. जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा, 'हम परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं. आज के युग में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है. अतः हमें इस परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा.'

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री से मुलाकात की.

परिवर्तन ही स्थायी है और भारतीय सशस्त्र बल 'इस बदलाव से दूर नहीं रह सकते'

वैज्ञानिकों और दार्शनिकों का हवाला देते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने कहा कि केवल परिवर्तन ही स्थायी है और भारतीय सशस्त्र बल 'इस बदलाव से दूर नहीं रह सकते हैं.' उन्होंने कहा, ''त्वरित तकनीकी घटनाक्रम के कारण युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है. पहले यह पाया गया कि युद्ध जीतने के लिए वीरता एक आवश्यक तत्व है. लेकिन भविष्य के युद्धों में केवल वीरता ही पर्याप्त नहीं है...हमें लचीला और कल्पनाशील बनना होगा तथा खुला दिमाग रखना होगा.' जनरल चौहान ने कहा कि कई हथियारों के बेहतर प्रौद्योगिकी से उन्नत होने के साथ ही युक्तियां और रणनीतियां भी बदल गयी हैं तथा अब यह बहुत तेजी से हो रहा है. उन्होंने कहा, 'आज हम कई क्षेत्रों में युद्ध की बात कर रहे हैं. केवल पारंपरिक क्षेत्रों जैसे कि जमीन, समुद्र और वायु के बजाय हमारी सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए साइबर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम और अंतरिक्ष क्षेत्र भी जोड़े गए हैं.' सीडीएस ने कहा कि लोग सशस्त्र बलों से प्यार करते हैं तथा उन पर भरोसा करते हैं तथा 'अगर हमें इसे बरकरार रखना है तो हमें बदलाव लाना पड़ेगा. हम युद्ध में नाकाम नहीं हो सकते.' उन्होंने कहा कि खेल के विपरीत युद्ध में कोई उपविजेता नहीं होता. जनरल चौहान ने कहा, 'इस भरोसे को बनाए रखने के लिए आपको इन नयी चीजों को समझना तथा स्वीकार करना होगा. यह मुख्य वजह है कि सरकार ने सीडीएस का पद बनाया और यह उन सुधारों का हिस्सा है जिन्हें हम लागू करने का प्रयास कर रहे हैं.' उन्होंने कहा कि सीडीएस के रूप में, उनका काम तीनों सेनाओं के बीच एकजुटता और एकीकरण लाना है, ताकि सभी मिलकर काम करें.

ब्रीफ खबरें

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 17 पशु डूबे

गुवाहाटी। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अभी तक 17 पशुओं की डूबने के कारण मौत हो चुकी है और 72 अन्य को बाढ़ के पानी से बचाया गया है. अधिकारी ने बताया कि उद्यान में 11 हॉग हिरण की मौत डूबने से हुई जबकि पांच की मौत इलाज के दौरान हुई. वन अधिकारियों ने 63 हॉग हिरण, दो-दो ऊदबिलाव व साम्भर और एक स्कोप उल्लू सहित 72 जानवरों को बचा लिया है. अधिकारी ने बताया कि अभी 26 जानवरों का उपचार हो रहा है जबकि 29 अन्य पशुओं को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी.

पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय अस्पताल में भर्ती

कोलकाता। पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय को अपने घर के बाथरूम में गिरने और बेहोश होने के बाद शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अस्पताल के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि रॉय बुधवार शाम को बाथरूम में गिर गए थे जिससे उनके सिर में चोट लग गई थी. अस्पताल प्रशासन ने उन पर चौबीस घंटे निगरानी रखने के लिए चिकित्सकों की एक टीम गठित की है. अधिकारी ने बताया कि रॉय तंत्रिकातंत्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं और चोट लगने पर बेहोश होने से पहले उन्हें उल्टी भी हुई थी.

34 हजार साल पुराने दीमक के टीले पाए गए

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका में वैज्ञानिकों को यह जानकर हैरानी हुई कि देश के शुष्क क्षेत्र में मौजूद दीमक के टीले 30,000 से अधिक वर्ष पुराने हैं जिसका मतलब है कि वे दीमक के अब तक के ज्ञात सबसे पुराने सक्रिय टीले हैं. स्टेलेनबॉश विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि रेडियोकार्बन डेटिंग में नामाक्वालैंड में बफेल्स नदी के पास के कुछ टीले 34,000 वर्ष पुराने होने का अनुमान लगाया गया था. कहा गया कि हम जानते थे कि ये पुराने हैं लेकिन यह पता नहीं था कि इतने पुराने हैं.

प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने सदन में 'तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बयान' दिये. उन्होंने इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है. सूत्रों ने बताया कि बिरला को लिखे पत्र में टैगोर ने आग्रह किया कि मोदी और ठाकुर द्वारा दिए गए बयानों पर अध्यक्ष के निर्देश 115(1) के प्रावधानों को लागू किया जाए.

राजस्थान के कृषि मंत्री ने इस्तीफा सौंपा

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता डॉ. किरोड़ी मीणा ने मंत्री पद से अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सौंप दिया है. उनके एक सहयोगी ने यह जानकारी दी. आधिकारिक रूप से अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है. मीणा के एक सहयोगी ने कहा, 'डॉ किरोड़ी मीणा ने दस दिन पहले मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंपा था.' वहीं बृहस्पतिवार को मीणा ने एक टीवी चैनल से बातचीत में पार्टी से नाराजगी की खबरों को खारिज किया.

एसएसीओ शिखर सम्मेलन में बोला भारत : संपर्क व ढांचागत परियोजनाओं के लिए

क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान आवश्यक

एजेंसी। अस्ताना

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि संपर्क व बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान आवश्यक है. भारत ने यह बात स्पष्ट तौर पर चीन की ओर इशारा करते हुए कही, जिसका कई देशों के साथ गंभीर क्षेत्रीय विवाद है.

कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन साझा करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति में एससीओ का प्रमुख स्थान है. यह शिखर सम्मेलन महामारी के प्रभाव, जारी संघर्षों, बढ़ते तनाव, विश्वास की कमी और दुनिया भर में विवादित क्षेत्रों की बढ़ती संख्या की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जा रहा है. इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वैश्विक आर्थिक विकास पर महत्वपूर्ण दबाव डाला है. इन्होंने वैश्वीकरण से उत्पन्न कुछ समस्याओं को और बढ़ा दिया है. हमारी इस वार्ता का उद्देश्य इन घटनाक्रमों के परिणामों को रोकने के लिए साझा आधार तलाशना है. उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के लिए मजबूत कनेक्टिविटी की आवश्यकता होती है. उन्होंने जोर देकर कहा, "इससे हमारे समाजों के बीच सहयोग और विश्वास का मार्ग भी प्रशस्त हो सकता है. संपर्क और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान आवश्यक है. इसी तरह गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार अधिकार और पारगमन व्यवस्थाएं भी आवश्यक हैं. एससीओ को इन पहलुओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है." चीन ने 65 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत पाकिस्तान में विभिन्न बिजली परियोजनाओं और सड़क नेटवर्क में अरबों डॉलर का निवेश किया है. पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ने वाला सीपीईसी चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है. बीआरआई को चीन द्वारा दुनिया भर में चीनी निवेश से विदेश में अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है. भारत सीपीईसी का विरोध कर रहा है.

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर व अन्य नेता एससीओ शिखर सम्मेलन में समूह फोटो के लिए पोज देते हुए. प्रेट्र

जयशंकर व चीन के विदेश मंत्री ने की पूर्वी लद्दाख विवाद के शीघ्र निपटारे पर बातचीत

अस्ताना। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के शेष मुद्दों के जल्द निपटारे के लिए दोगुने प्रयास करने तथा संबंधों में

'स्थायित्व लाने एवं पुन: गति प्रदान' करने का प्रण लिया. विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच कजाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर बृहस्पतिवार को एक बैठक हुई, जिसमें जयशंकर ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान किया जाना चाहिए. दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में जयशंकर ने सीमा प्रबंधन के लिए अतीत में दोनों पक्षों के बीच हुए संगत द्विपक्षीय समझौतों और नियमों का पूरी तरह पालन किए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया. विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार जयशंकर और वांग ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर शेष मुद्दों के शीघ्र समाधान तलाशने के वास्ते गहन विचार विमर्श किया ताकि द्विपक्षीय संबंधों में 'स्थिरता आ सके और संबंधों को नए सिरे से गति मिल सके.' विदेश मंत्री ने भारत के इस दृष्टिकोण को भी दोहराया कि दोनों पक्षों के बीच संबंध आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता पर आधारित होने चाहिए.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस व आस्ट्रिया की यात्रा पर जाएंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ और नौ जुलाई को रूस की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे,

जहां वह 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और इन दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी. विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस की यात्रा के बाद मोदी ऑस्ट्रिया जाएंगे जो 41 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी. करीब पांच साल में मोदी की यह पहली रूस यात्रा होगी. रूस की उनकी पिछली यात्रा 2019 में हुई थी जब उन्होंने व्लादिवोस्तोक में एक आर्थिक सम्मेलन में शिरकत की थी. भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर सर्वोच्च संस्थागत संवाद तंत्र है .अब तक भारत और रूस में बारी-बारी से 21 वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं.

पाकिस्तान ने उठाया आतंकवाद का मुद्दा

अस्ताना। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में सदस्यों देशों में आतंकवाद को एक बड़ी चिंता का विषय बताया और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ "सार्थक" वार्ता की अपील की. बुधवार को दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना पहुंचे शहबाज ने एससीओ सम्मेलन में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया. सम्मेलन में चीन, भारत, तुर्किये, ईरान, आजरबैजान और किर्गिस्तान के नेताओं व राजनयिकों ने आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की. 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार प्रधानमंत्री शरीफ ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास के लिए क्षेत्र में शांति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा, "अफगानिस्तान में स्थायी शांति कायम करना इस साझा उद्देश्य का मुख्य आधार है." उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय "अफगान सरकार के साथ सार्थक रूप से बातचीत कर उनकी वास्तविक आर्थिक व विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करे."

राहुल से मिले मुंकेश अंबानी बेटे की शादी का दिया निमंत्रण

एजेंसी। नई दिल्ली

एशिया की सबसे अमीर इंडस्ट्रीयलिस्ट में शुमार मुंकेश अंबानी गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिले. खबरों के अनुसार अंबानी ने राहुल को अपने बेटे की शादी में शामिल होने का निमंत्रण दिया. उन्होंने राहुल गांधी के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की. कुछ देर बाद 10 जनपथ स्थित आवास से रवाना हो गये.

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी का जश्न शुरू : जानकारी के अनुसार मुंकेश अंबानी ने राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी को बेटे अनंत अंबानी की शादी के लिए आमंत्रित किया है. मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी का जश्न शुरू हो चुका है. इस अवसर पर मुकेश अंबानी खुद देश की बड़ी शख्सियतों को जाकर निमंत्रण दे रहे हैं.

समारोह में शामिल होंगे कई महत्वपूर्ण व्यक्ति

12 जुलाई को मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का विवाह होने जा रहा है. शादी का समारोह मुंबई के अंबानी निवास, एंटीलिया में शुरू हो गया है. उम्मीद की जा रही है कि इस समारोह में देश-विदेश के कई महत्वपूर्ण व्यक्ति शिरकत करेंगे. विवाह में देशभर के प्रतिष्ठित लोग और विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां उपस्थिति दर्ज करायेंगा.

पीएम 2.5 वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली में होती हैं सर्वाधिक मौतें

- भारत के 10 शहरों में रोजाना सात प्रतिशत से अधिक मौत का संबंध पीएम2.5 से : अध्ययन

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई समेत भारत के 10 सबसे बड़े और सबसे प्रदूषित शहरों में औसतन हर दिन होने वाली मौतों में से 7.2 फीसदी मौत का संबंध विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा निर्देशों से अधिक पीएम2.5 स्तर से है. 'द लांसेट प्लेनेटरी हेल्थ' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में यह कहा गया है. पीएम2.5 वायु प्रदूषण के कारण होने वाली दैनिक और वार्षिक मौत सबसे ज्यादा दिल्ली में होती है. पीएम2. 5 एक प्रकार का वायु प्रदूषक है जो 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाला कण होता है. ये कण इतने छोटे होते हैं कि सांस के साथ फेफड़ों में गहराई तक चले जाते हैं और इन्हें वायु प्रदूषण और इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों में प्रमुख कारक माना जाता है. ऐसे प्रदूषण के स्रोतों में वाहनों से निकलने वाला और औद्योगिक उत्सर्जन शामिल है. अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि भारतीय शहरों में पीएम2.5 प्रदूषण के रोज संपर्क में आने का संबंध मौत के अधिक खतरे से है और स्थानीय रूप से पैदा होने वाला प्रदूषण इन मौतों की वजह हो सकता है. अनुसंधानकर्ताओं के इस अंतरराष्ट्रीय दल में वाराणसी के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और नयी दिल्ली के सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज के अनुसंधानकर्ता शामिल हैं.

पुदुचेरी में राजनीतिक संकट पैदा होने की आशंका गहराई

- सतारूढ़ गठबंधन के विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ दिल्ली हाईकमान का रुख किया

एजेंसी। पुदुचेरी

पुदुचेरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने भ्रष्टाचार सहित अन्य मुद्दों को लेकर एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और दिल्ली हाईकमान से 'स्थिति बिगड़ने' से पहले उचित कदम उठाने का आग्रह किया है. ऐसे में इस केंद्र शासित प्रदेश में राजनीतिक संकट पैदा होने की आशंका है. इसके अलावा, उन्होंने मंत्रिमंडल में फेरबदल करने का भी अनुरोध किया है. भाजपा की स्थानीय इकाई के भीतर भी मतभेद देखने में आए हैं. हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवार की हार के बाद केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा के प्रमुख को बदलने की मांग जोरों पर है. भाजपा के प्रत्याशी रहे एवं पुदुचेरी के गृह मंत्री ए नमशिवायम कांग्रेस के वे वैद्यलिंगम से 1.36 लाख से अधिक मतों के अंतर से हार गये थे और भाजपा खेमे में यह भी सुना गया कि उनकी हार के कारणों में एक कारण तीन साल पुरानी एन रंगास्वामी के नेतृत्व वाली सरकार का 'खराब प्रदर्शन' भी है. प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से भी मुलाकात की.

हाथरस भगदड़ मामला : एक्शन में उत्तर प्रदेश पुलिस, मुख्य आरोपी सेवादार पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया

दो महिला सेवादार समेत अब तक छह लोग गिरफ्तार

एजेंसी। हाथरस/मैनपुरी (उप्र)

हाथरस भगदड़ हादसे को लेकर अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुख्य आरोपी सेवादार पर एक लाख का इनाम घोषित किया है. अलीगढ़ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक शलभ माथुर ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पिछले मंगलवार को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र स्थित फुलरई गांव में आयोजित हरिनारायण साकार विश्वहरि भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत के मामले में अब तक दो महिला सेवादारों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

हरिनारायण साकार के मैनपुरी स्थित आश्रम के बाहर मौजूद सुरक्षा कर्मी.

भोले बाबा मैनपुरी के आश्रम में मौजूद नहीं : पुलिस

हाथरस भगदड़ मामले में उपदेशक हरिनारायण साकार उर्फ भोले बाबा के मैनपुरी स्थित आश्रम में उसके मौजूद नहीं होने का दावा किया है. सूत्रों के मुताबिक, मैनपुरी के बिछवां कस्बे में स्थित भोले बाबा के आश्रम में बुधवार रात पुलिस दाखिल हुई थी. पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस और स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसपीजी) के लोग आश्रम परिसर में गये थे लेकिन उनकी ड्यूटी आश्रम के अंदर नहीं बल्कि 'बाहर' थी.

दो महीने के अंदर जांच कर रिपोर्ट देगा आयोग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हाथरस पहुंचकर हादसे में घायल लोगों से अस्पताल में मुलाकात की. संवाददाताओं ने उनसे पूछा कि मुकदमे में भोले बाबा को अभियुक्त क्यों नहीं बनाया गया ? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, 'जिन लोगों ने कार्यक्रम के लिए अनुमति का आवेदन दिया था, प्रथम दृष्ट्या पहले मुकदमा उनके खिलाफ होता है. उसके बाद फिर उसका दायरा बढ़ता है. जो भी लोग इसके लिए जिम्मेदार होंगे, वे इसके दायरे में आएंगे.'

जिम्मेदारी से भाग रही है सरकार : अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा हाथरस भगदड़ कांड में साजिश की आशंका जताये जाने पर कहा कि घटना में षड्यंत्र तो नहीं हो सकता मगर यह साजिश जरूर हो सकती है कि सरकार इस मामले पर अपनी जिम्मेदारी से भागना चाहती है. यादव ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाया और कहा कि स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक अपना 'पॉलिटिकल स्वास्थ्य' बेहतर करके खुद 'मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं.

विरोध संसद की एक सदस्य ने गाजा युद्ध को लेकर फैसले से असहमति जताते हुए सरकार से बाहर होने की घोषणा की

ऑस्ट्रेलिया की संसद में घुस गए फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी

एजेंसी। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देते हुए फलस्तीन समर्थक कुछ प्रदर्शनकारी बृहस्पतिवार को भीतर दाखिल हो गए और भवन की छत से बैनर लहराए. इस बीच, संसद के एक सदस्य ने गाजा युद्ध को लेकर फैसले से असहमति जताते हुए सरकार से बाहर होने की घोषणा की. पांच सप्ताह के अवकाश के बाद संसद की कार्यवाही के अंतिम दिन हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई. 'ग्रेट वेरंडा' के नाम से विख्यात इमारत के अग्रभाग पर चार प्रदर्शनकारियों ने एक घंटे से अधिक समय तक "युद्ध अपराध" और "नरसंहार" शब्दों के साथ-साथ फलस्तीनी रैली के प्रमुख नारे "नदी से समुद्र तक, फलस्तीन स्वतंत्र होगा" नारे वाले बैनर लहराए. चारों प्रदर्शनकारियों को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया. अफगानिस्तान में जन्मीं सीनेटर फातिमा पायमन ने घोषणा की कि गाजा पर पार्टी के रुख को अस्वीकार करते हुए उन्होंने सत्तारूढ़ लेबर पार्टी छोड़ दी है. फातिमा पायमन एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई सांसद हैं, जिन्होंने सदन की बैठकों के दौरान हिजाब पहना. फातिमा ने संवाददाताओं से कहा, 'मेरा परिवार युद्धग्रस्त देश से भागकर शरणार्थी के रूप में इसलिए यहां नहीं आया है कि मैं निर्दोष लोगों पर हो रहे अत्याचारों को देखकर चुप रहूं.' उन्होंने कहा, 'हमारे समय के सबसे बड़े अन्याय के प्रति हमारी सरकार की उदासीनता को देखकर मैं पार्टी के रुख पर सवाल उठाने को मजबूर हूं.' पहली बार सीनेटर बनीं फातिमा ने पिछले सप्ताह एक छोटे दल के प्रस्ताव का समर्थन करके अपने सरकारी सहयोगियों की अवहेलना की थी, जिसमें संसद से फलस्तीन को मान्यता देने की मांग की गई थी. ऑस्ट्रेलिया फलस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देता है. ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वि-राष्ट्र समाधान को लेकर प्रतिबद्ध है जिसमें इजराइल और भविष्य का फलस्तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति और सुरक्षा के साथ सह-अस्तित्व में रह सकें.

हिज्बुल्ला ने इजराइल पर 200 से ज्यादा रॉकेट दागे

बेरूत। अपने एक वरिष्ठ कमांडर की हत्या के प्रतिशोध में चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला ने इजराइल के कई सैन्य ठिकानों पर 200 से अधिक रॉकेट दागे हैं. संगठन की तरफ से यह जानकारी दी गयी. ईरान समर्थित आतंकवादी समूह द्वारा बृहस्पतिवार को किया गया हमला लेबनान-इजराइल सीमा पर महीनों से चल रहे संघर्ष में सबसे बड़ा हमला था. हाल के हफ्तों में इस इलाके में तनाव बढ़ गया था. इजराइली सेना ने कहा कि लेबनान से "कई प्रक्षेपास्त्र " उसके क्षेत्र में दागे गये थे, जिनमें से कई को बीच में ही नष्ट कर दिया गया. हताहतों की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है. इजराइल ने बुधवार को स्वीकार किया कि उसने एक दिन पहले दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के तीन क्षेत्रीय डिवीजनों में से एक का नेतृत्व करने वाले मोहम्मद नामेह नासिर को मार गिराया था. इसके कुछ घंटों बाद, हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल और कब्जे वाले सीरियाई गोलन पहाड़ियों पर भारी आयुधों के साथ दर्जनों कत्युशा और फलक रॉकेट दागे. उसने बृहस्पतिवार को और अधिक रॉकेट दागे.

कोर्ट से नीट-यूजी परीक्षा रद्द नहीं करने की अपील

- परीक्षा में सफल 50 से अधिक परीक्षार्थियों ने दायर की याचिका

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीट-यूजी में सफल हुए गुजरात के 50 से अधिक परीक्षार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र व एनटीए को पांच मई को हुई परीक्षा रद्द नहीं करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है. उन्होंने शीर्ष अदालत से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक और नकल जैसी अनुचित गतिविधियों में शामिल छात्रों तथा अन्य लोगों की जांच व पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश देने की भी मांग की है. गुजरात के 56 छात्रों ने यह याचिका ऐसे समय में दायर की है, जब कुछ ही दिन पहले चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ 26 याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली है. इन याचिकाओं में दोबारा परीक्षा कराने और पहले हुई परीक्षा की जांच की मांग की है. राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी का आयोजन करती है. इस साल 5 मई को 4,750 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 24 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे. प्रश्न पत्र लीक समेत अनियमितताओं के आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए तथा विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को उठाया. दोबारा परीक्षा कराने और उच्चस्तरीय जांच की मांग संबंधी याचिकाओं पर 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)